जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 16 संख्याः 238 प्रभात हिण्डौन सिटी, मंगलवार 2 जुलाई, 2024 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

अपने पौन घंटे के भाषण में राहुल गाँधी ने समां जरूर बांधा संसद में

राहुल ने ये संकेत भी दिये कि, ''लीडर ऑफ ऑपोज़िशन'' की भूमिका में पूरी तरह से आक्रामक तो रहेंगे

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 जुलाई। विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गाँधी ने अपने पहले भाषण में ही छक्का लगा दिया। भाषण के दौरान प्रधानमंत्री सहित पांच वरिष्ठ केन्द्रीय मंत्रियों ने उनका विरोध करने के लिए हस्तक्षेप करना पड़ा।

आज राहुल गाँधी ''एंग्री यंग मैन'' के अपने नए अवतार में नज़र आए, जहाँ उन्होंने किसी को नहीं बख्शा, ना तो प्रधान मंत्री, ना ही उनकी सरकार और ना ही स्पीकर को, वो लगातार इन पर वार करते रहे।

राहुल गाँधी ने भाजपा समर्थक तथा भाजपा विरोधी ताकतों के बीच गहरी खाई पैदा करके एक नैरेटिव सैट कर दिया है जिसका अब भाजपा को अनुसरण करना ही होगा। राहुल गाँधी ने अपने मूल वोट बैंक, दलित, पिछड़ों किसानों, गरीबों और मजदूरों, छोटे और मध्यम दुकानदार और उद्यमियों, महिलाओं के अलावा मणिपुर, अग्निवीर, नोटबंदी, जी.एस.टी. के मुद्दे उठाए और कहा कि, कैसे इनका उपयोग अडानी व अंबानी जैसे बड़े उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए किया गया।

- पर, क्या वे इस भूमिका को आगे भी पूरी तरह चला पायेंगे, क्योंकि सरकार की ओर से पाँच वरिष्ठ मंत्री, जिनमें प्रधानमंत्री शामिल हैं, खड़े हुए, राहुल के भाषण में उठाये गये मुद्दों और आरोपों का जवाब देने के लिये।
- इन वरिष्ठ नेताओं ने एक अभियान सा चलाया राहुल के खिलाफ और यह आरोप लगाया राहुल पर कि, वे संपूर्ण हिन्दू समाज को हिन्दू आंतकवादी, देशद्रोही तथा हिंसा में विश्वास रखने वाला मानते हैं।
- राहुल ने संसद में यह दस्तक तो दे दी कि, ''एंग्री यंग मैन'' संसद में आ पहुंचा है, पर, राहुल के लिये आगे की राह बहुत लम्बी है।

उन्होंने भाजपा और आर.एस.एस. पर, उनके हिन्दुत्व व हिन्दुवाद को लेकर भी हमला बोला। राहुल गाँधी ने कहा, भाजपा तथा प्रधानमंत्री का हिन्दुत्व, हिंसा और नफरत से भरा है तथा वो इसका उपयोग अल्पसंख्यकों को लक्ष्य बनाने के लिए करते हैं।

उन्होंने कहा, मोदी ने लोगों के मन में भय पैदा कर दिया है, जिसे अब खत्म करना होगा। हमला जारी रखते हुए राहुल गाँधी ने महंगाई, बेरोजगारी, नीट में भ्रष्टाचार और बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किए जाने तथा कई अन्य मुद्दे उठाए।

रोचक है कि, भाजपा ने राहुल गाँधी के विरूद्ध भारी अभियान छेड़ दिया है, जिसमें आरोप लगाया है कि राहुल गाँधी के अनुसार सभी हिन्दू आतंकवादी, राष्ट्रविरोधी हैं तथा हिंसा में विश्वास करते हैं।

कांग्रेस का कहना है कि, भाजपा झूठ फैलाने के लिए अपने संसाधनों का उपयोग करने के लिए जानी जाती है और बार-बार ऐसा होता रहा है।

सार यह है कि, एक घंटा पैंतालीस मिनट के राहुल गाँधी के भाषण के बाद, वो एक ऐसे नेता के रूप में उभरे हैं जो परिपक्व हो चुका है, भाजपा का सामना करने के लिए तैयार व तत्पर है। बोलते समय आत्मविश्वास से परिपूर्ण राहुल गाँधी ने स्पष्ट कर दिया है कि, विपक्ष के नेता के रूप में वो सभी विपक्षी नेताओं को साथ लेकर चलेंगे और सबके साथ न्याय करेंगे।

यह राजनीति के एक नए ब्रैण्ड की शुरूआत है, जिसे राहुल गाँधी को बरकरार रखना होगा, अब जबकि, उन्होंने इसकी शुरूआत कर दी है। आगे का रास्ता बहुत लंबा है, लेकिन देश के राजनीतिक मंच पर एंग्री यंग मैन के युग की शुरूआत हो गई है।

विश्व बैंक के प्रतिनिधियों ने मु.मंत्री से मुलाकात की

जयपुर, 1 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से सोमवार को उनके आवास पर वर्ल्ड बैंक के प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों के साथ राजस्थान में सड़क, जल, बिजली, नगरीय विकास और परिवहन क्षेत्र के विषयों पर चर्चा की। इस दौरान प्रदेश के विकास में वर्ल्ड बैंक की भूमिका को लेकर भी विस्तृत चर्चा हुई। भजनलाल शर्मा ने प्रतिनिधि मंडल के साथ राजस्थान में चल रही परियोजनाओं एवं विभिन्न सेक्टर में किए जा रहे विकास कार्यों सहित भविष्य के विज़न की जानकारी साझा की। इस 6 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल में भावना भाटिया, अर्नब बंद्योपाध्याय, रीनू अनेजा, तुषार अरोड़ा, राजगोपाल और हर्ष शामिल थे।

- मुख्यमंत्री के आवास पर हुई चर्चा में मु.मंत्री भजनलाल ने उन्हें राजस्थान में चल रही विकास परियोजनाओं की जानकारी दी।

राहुल गांधी व भाजपा के बीच नोंक-झोंक ऊंचे स्तर की थी, पर अनिर्णित रही

राहुल ने पुरजोर ढंग से अपने भाषण में कहा कि, जो अपने आपको हिन्दू कहते हैं, चौबीस घंटे ''हिंसा व घृणा'' फैलाने में जुटे रहे हैं

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 जुलाई। राहुल गांधी ने विपक्ष के नेता की भूमिका में अपने पहले ही भाषण में आज आर.एस.एस.-भाजपा के हिन्दुत्व ब्रैण्ड से सीधी टक्कर लेने का विकल्प चुना। उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी की लोकसभा में प्रत्यक्ष आलोचना करते हुए कहा कि जो लोग स्वयं को हिंदू कहते हैं, वे चौबीसों घंटे हिंसा और नफरत फैलाने में लगे हुए हैं। इस पर सत्ता पक्ष के सदस्यों ने भारी शोर-शराबा किया और प्रधानमंत्री ने भी इस पर जोर दिया कि संपूर्ण हिंदू समाज को हिंसक कहना एक गंभीर विषय है।

गांधी के पलटवार करते हुए कहा कि वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बारे में बोल रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आर.एस.एस.) या मोदी ही संपूर्ण हिंदू समाज नहीं है।

कांग्रेस नेता ने भगवान शिव का एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- प्र.मंत्री मोदी ने जवाब में तुरन्त कहा कि, पूर्ण हिन्दू समाज को ''हिंसात्मक'' कहना गंभीर बात है।
- राहुल ने प्रत्युत्तर में कहा, मैं संपूर्ण हिन्दू समाज की बात नहीं कर रहा, मैं भाजपा की बात कर रहा हूँ। राहुल ने भगवान शिव का चित्र लहराते हुए कहा, इनका मैसेज है, अहिंसा और कभी नहीं घबराने का।
- मुझे गर्व है कि, मैं शिव भक्त हूँ तथा घबराया नहीं, जब मुझ पर बीस से अधिक मुकदमे दायर किये गये, मेरा घर ले लिया गया और ई.डी. ने 55 घंटे सख्त पूछताछ की।
- राहुल ने यह भी कहा कि, वे खुश हैं कि, वे विपक्ष में हैं। उन्होंने कहा, हमारे लिये ''पावर'' से बड़ी एक और चीज है और वह है ''सत्य''।
- फिर राहुल गांधी ने स्पीकर ओम बिड़ला पर आक्रमण किया, यह कह कर कि, वे मोदी समक्ष झुके क्यों? ओम बिड़ला ने जवाब दिया कि, संस्कृति यह सिखाती है कि, बड़ों के सम्मुख झुकना चाहिये।

कर्नाटक सरकार में नेतृत्व परिवर्तन नहीं होगा

कांग्रेस हाईकमान की सिद्धारमैया और शिव कुमार को दो टूक सलाह, सरकार चलाने पर फोकस कीजिए

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 जुलाई। कांग्रेस हाईकमान ने कर्नाटक कांग्रेस में चल रही आंतरिक कलह पर सख्त रुख अपनाया है और सरकार में नेतृत्व परिवर्तन की सभी चर्चाओं को खारिज कर दिया। मुख्यमंत्री एस. सिद्दारमैया एवं उप मुख्यमंत्री डी.के. शिव कुमार कुछ दिन पूर्व दिल्ली गए थे। कहा जाता है कि उन्हें वहां सख्त निर्देश दिया गया कि वे अपने मतभेद सड़क पर ले जाने की बजाय आपस में सुलह कर लें।

एक ऐसे समय में जब कांग्रेस लोकसभा चुनावों में अपने अच्छे प्रदर्शन के बल पर भारत के विभिन्न प्रदेशों में अपने को पुनःस्थापित कर रही है, समझा जाता है कि पार्टी ने कर्नाटक के पार्टी नेताओं से कहा है कि वे किसी भी रूप में नेतृत्व के मुद्दे पर अधिक दबाव नहीं बनाएं और दोनों नेताओं को आपस में सुलह करने की सलाह देकर वापस प्रदेश भेज दिया।

वापस आने के बाद, जब मीडिया के लोगों ने जोर देकर मुख्यमंत्री सिद्दारमैया से पूछा तो उन्होंने कहा कि प्रदेश में नेतृत्व परिवर्तन का मुद्दा केन्द्रीय नेतृत्व, हाईकमान के दायरे में आता है और इस प्रकार के मामलों पर सार्वजनिक रुप से चर्चा नहीं की जाती है। साफ कहें तो न तो मुख्यमंत्री और न ही उप मुख्यमंत्री ने अपनी बातों में ऐसी कोई चर्चा का जिक्र किया, परंतु उनके नज़दीकी समर्थक ही इस युद्ध को मीडिया में बयानबाजी के माध्यम से लड़ रहे थे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- कांग्रेस आलाकमान ने कर्नाटक इकाई की अंतर्कलह पर सख्ती दिखाई और नेतृत्व परिवर्तन की सभी चर्चाओं पर विराम लगा दिया।
- कांग्रेस आलाकमान ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार से कहा है कि, वे सारे मतभेद भुलाकर सरकार चलाने पर ध्यान दें, अपनी लड़ाई सड़क पर न ले जाएं।
- ज्ञातव्य है कि, कर्नाटक की कांग्रेस इकाई में चल रही भारी उठापट के चलते मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और डी.के. शिवकुमार दिल्ली गए थे। जिसके कारण नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें शुरु हो गई थीं।
- सिद्धारमैया और डी.के. शिवकुमार के आपसी मतभेदों से भाजपा को भी सरकार गिरने और एन.डी.ए. की सरकार बनाने की उम्मीद थी।

मेधा पाटकर को 5 महीने की जेल

नई दिल्ली, 1 जुलाई। मेधा पाटकर को 5 महीने कैद की सजा सुनाई गई है। ऐक्टिविस्ट को दिल्ली की साकेत कोर्ट ने उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना की ओर से दायर आपराधिक मानहानि केस में यह सजा दी है। मेधा पाटकर पर आरोप था कि उन्होंने उपराज्यपाल के खिलाफ प्रेस रिलीज जारी की और इससे जनता के बीच उनकी छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया। यही नहीं अदालत ने मेधा पाटकर को आदेश दिया है कि वह 10 लाख रुपये की रकम विनय सक्सेना को दें। यह उनकी मानहानि की भरपाई के लिए होगी।

- दिल्ली की साकेत कोर्ट ने उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना की ओर से दायर आपराधिक मानहानि केस में यह सजा सुनाई है।

अदालत के फैसले के बाद मेधा पाटकर की प्रतिक्रिया भी आई है। उन्होंने कहा कि सत्य को कभी पराजित नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा, सत्य कभी हराया नहीं जा सकता। हमने किसी की मानहानि का प्रयास नहीं किया। हम सिर्फ काम करते हैं। इस फैसले को हम ऊपरी अदालत में चुनौती देंगे। मेधा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

योगी आदित्यनाथ व भाजपा हाईकमान के संबंधों में फिर एक बार भूचाल आया?

हाईकमान योगी आदित्यनाथ से खुश नहीं है, क्योंकि यू.पी. में भाजपा आधे से ज्यादा सीटों पर हारी है

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 जुलाई। हाल ही की दो घटनाएं इस बात का स्पष्ट संकेत दे रही है कि कोई चीज पूरी तरह छुपाकर रखी गई है और वह गुप्त बात यह है कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बीच के रिश्ते एक बार फिर खराब हो गये हैं।

भाजपा उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में से आधी सीटें भी नहीं जीत पाई है। इससे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की छवि बहुत खराब हुई है, क्योंकि इस स्थिति के कारण पार्टी लोकसभा में बहुमत की सीमा रेखा को स्पर्श करने में विफल रही है। समझा जाता है कि उत्तर प्रदेश के चुनाव प्रचार के अभियान का प्रभार पूरी तरह गृह मंत्री अमित शाह के पास था। प्रत्याशियों के चयन से लेकर संसाधनों तथा मैन-पावर की व्यवस्था उन्हीं की देखरेख में हुई थी। लेकिन साफ जाहिर है कि पार्टी का केन्द्रीय नेतृत्व असफलता की जिम्मेदारी स्वीकार करता नज़र नहीं आ रहा है।

योगी आदित्यनाथ को घेरने की रणनीति के अन्तर्गत, केन्द्रीय मंत्री तथा अपना दल (सोनेलाल) नेता अनुपिया पटेल ने हाल ही में मुख्यमंत्री योगी को पत्र लिखकर इस बात पर चिन्ता जताई है कि ओ.बी.सी. तथा एस.टी./एस.सी. अभ्यर्थियों को ''सरकारी नौकरियों के लिये अनुपयुक्त'' बताते हुए, उन्हें अस्वीकार कर दिया गया है। पत्र में मुख्यमंत्री से कहा गया है कि इस अनुचित व्यवहार तुरन्त रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाये जाये। ऐसा माना जा रहा है कि पटेल ने यह पत्र भाजपा नेतृत्व की सलाह पर लिखा था। मीडिया में इस पत्र का प्रकाशन मुख्यमंत्री के लिए परेशानी का सबब बन गया है।

ऐसा माना जा रहा है कि योगी ने पलटवार करते

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पर, योगी समर्थक कह रहे हैं कि, यू.पी. में टिकट वितरण से, चुनाव संचालन तक, सारी जिम्मेवारी अमित शाह के ऊपर थी। पर, हाईकमान, सार्वजनिक रूप से यह स्वीकार करने को तैयार नहीं, क्योंकि इससे प्र.मंत्री मोदी की छवि पर भी आघात होता है।
- बल्कि, हाईकमान की रणनीति तो हार के मुद्दे पर, योगी आदित्यनाथ को कोसने की है।
- इसी रणनीति के तहत, अपना दल नेता व केन्द्र में मंत्री अनुप्रिया पटेल ने मु.मंत्री योगी को पत्र लिखकर शिकायत की है कि, सरकारी नौकरियों में ओ.बी.सी., एस.सी., एस.टी. उम्मीदवारों का चयन नहीं हो रहा है, यह कहकर कि, उम्मीदवार सरकारी नौकरी के ''लायक'' नहीं पाया गया। यह पत्र सार्वजनिक रूप से उजागर करके, मु.मंत्री योगी की स्थिति अटपटी करने का प्रयास किया गया है।
- मु.मंत्री ने भी तुरंत जवाब दिया तथा गृह मंत्री अमित शाह के लाड़ले अफसर, दुर्गा शंकर मिश्रा को ''एक्सटेंशन'' नहीं दिया और मुख्य सचिव पद से हटा दिया तथा अपने वफादार व नज़दीकी अफसर मनोज कुमार सिंह को मुख्य सचिव बना दिया गया है।

सी.बी.आई. के खिलाफ केजरीवाल हाई कोर्ट पहुँचे

नई दिल्ली, 1 जुलाई (वार्ता)। आबकारी नीति 2021-22 (जो विवाद के बाद रद्द कर दी गई) कथित घोटाला मामले के आरोपी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दी गई गिरफ्तारी और विशेष अदालत के केंद्रीय जांच एजेंसी को उन्हें हिरासत में देने के आदेश के साथ ही गिरफ्तारी को उचित बताते की टिप्पणी के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है।

- मुख्यमंत्री केजरीवाल ने सी.बी.आई. द्वारा उनकी गिरफ्तारी को दिल्ली उच्च न्यायालय में चुनौती दी।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुकदमे में मार्च से न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल बंद आरोपी केजरीवाल को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गहलोत सरकार ने ई.आर.सी.पी. को लटकाया, हमने वादा पूरा किया- मु.मंत्री भजनलाल शर्मा

ई.आर.सी.पी. में विराटनगर को शामिल किए जाने पर आयोजित धन्यवाद सभा में मु.मंत्री ने कहा, किसानों की समृद्धि से प्रदेश खुशहाल होगा

कोटपुतली-बहरोड़/जयपुर, 1 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि किसानों की समृद्धि के बिना देश और प्रदेश समृद्ध नहीं हो सकते। किसानों की आय बढ़ाने के लिए परंपरागत खेती में बदलाव लाना होगा। बदलते हुए जमाने में किसानों को आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए खेती करनी होगी। शर्मा सोमवार को कोटपुतली-बहरोड़ जिले के ग्राम भांकरी में संशोधित पार्वती-काली सिंध-चंबल लिंक परियोजना (एकीकृत ईआरसीपी) में विराटनगर क्षेत्र को शामिल करने पर आयोजित आभार एवं अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों और कृषि वैज्ञानिकों को उन देशों में भेजेगी, जहां पर खेती की उन्नत तकनीक का इस्तेमाल कर खेती की जाती है। वहां से खेती के नए तौर तरीके सीख कर हमारे किसान भाई अपनी उपज बढ़ा सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने सरकार बनते ही मात्र 6 महीने के अल्प समय में संकल्प पत्र के 45 प्रतिशत वादे पूरे कर दिए हैं। इस दौरान किसानों और पशुपालकों को खुशहाल बनाने के लिए राज्य सरकार ने कई फैसले किए हैं। गेहूं की एमएसपी पर 125 रुपये प्रति क्विंटल का अतिरिक्त बोनस देने, मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के साथ 2 हजार रुपये अतिरिक्त सालाना देने तथा पशुपालकों को किसान गोपाल क्रेडिट कार्ड जारी करने जैसे फैसले किए हैं। इसके अतिरिक्त प्रदेश में 80 हजार से अधिक किसानों को 350 करोड़ रुपये का अल्पकालीन फसली ऋण दिया गया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- कोटपूतली बहरोड़ जिले के भांकरी गांव में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विराटनगर को पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित करने का आश्वासन दिया।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि, कृषि की उन्नत तकनीक सीखने के लिए राज्य सरकार कृषि वैज्ञानिकों व किसानों को विदेश भी भेजेगी।
- मुख्यमंत्री ने कहा, मैं किसान का बेटा हूँ, किसानों की तकलीफ जानता हूँ। पानी की कमी सबसे बड़ी समस्या है और हम इसी संकट को दूर करने में लगे हैं।
- उन्होंने कहा, ई.आर.सी.पी. परियोजना से राजस्थान के 21 जिलों को पानी मिलेगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को कोटपुतली-बहरोड़ के भांकरी गांव में किसान सभा को संबोधित किया। किसानों की ओर से पार्वती-काली सिंध और चंबल लिंक परियोजना यानी एकीकृत ई.आर.सी.पी. में विराटनगर को भी शामिल करने के लिए अभिनंदन एवं आभार समारोह रखा गया था। किसानों ने मंच पर मुख्यमंत्री को हल भेंट कर उनका आभार जताया तथा धन्यवाद ज्ञापित किया।

विचार बिन्दु

बड़ा सोचो, जल्दी सोचो, सबसे आगे सोचो, विचारों पर किसी का भी एकाधिकार नहीं है। –धीरूभाई अंबानी

तीन नए कानून – राहत या आफत ?

1 जुलाई 2024 से भारत में न्याय प्रक्रिया से संबंधित तीन नए कानून, भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू कर दिए गए हैं। इन्हें 25 फरवरी, 2023 को राष्ट्रपति की सहमति प्राप्त हुई थी। ये कानून भारतीय दंड संहिता 1860, आपराधिक प्रक्रिया संहिता 1973 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 के स्थान पर लाए गए हैं। नए कानूनों का मुख्य उद्देश्य यह था कि ब्रिटिश काल के औपनिवेशिक कानूनों के स्थान पर, स्वतंत्र भारत के नागरिकों के लिए, अधिक उपयुक्त कानून बनाए जाएं। एक उद्देश्य यह भी था कि न्यायालय में चलने वाले प्रकरणों में अत्यधिक विलंब को देखते हुए प्रक्रिया में बदलाव किया जाए ताकि नागरिकों को न्याय व्यवस्था के अंतर्गत न्याय, बिना परेशानी के समय पर मिल सके।

सरकार, नए कानूनों को बहुत प्रगतिशील एवं नागरिकों के हित में बता रही है, वहीं इसका विरोध करने वाले कई सामाजिक कार्यकर्ता एवं अधिवक्ता इन्हें नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन करने वाला बता रहे हैं।

अब हम नए कानूनों का जनता पर होने वाले प्रभाव का विश्लेषण करने का प्रयास करेंगे।

यह उल्लेखनीय है कि इन कानूनों को उस समय संसद द्वारा पारित किया गया जब लोकसभा के 146 विपक्षी सांसदों को सदन से निलंबित कर दिया गया था। इस कारण, इन महत्वपूर्ण कानूनों पर, जितनी विस्तृत बहस संसद में होनी चाहिए थी, वह बिल्कुल नहीं हुई। सरकार द्वारा बहुमत के बल पर ये कानून बिना द्विपक्षीय चर्चा के अनुमोदित करा दिए गए।

पहले हम नए कानून के द्वारा जनहित में बनाए गए कुछ प्रावधानों पर प्रकाश डालेंगे।

नए कानून में यह प्रावधान किया गया है कि किसी घटना की ज़ीरो एफ आई आर किसी भी थाने में दर्ज कराई जा सकती है, चाहे घटना कहीं भी घटित क्यों न हुई हो? 15 दिन के अंदर इसे संबंधित थाना अधिकारी को भिजवा दिया जाएगा। इसका प्रभाव यह होगा कि जिस व्यक्ति के साथ कोई भी घटना घटित होगी, तो उसे किसी भी थाने द्वारा एफआईआर दर्ज करने से मना नहीं किया जाएगा, जैसा कि वर्तमान में कई बार क्षेत्राधिकार के विवाद में कर दिया जाता है।

कुछ छोटे अपराधों में, सजा के स्थान पर सामुदायिक सेवा करने का प्रावधान किया गया है। इस प्रकार का प्रावधान अमेरिका के कानून से लिया गया है। यह किसी छोटे अपराध करने वाले व्यक्ति को अपनी गलती को महसूस करने एवं उस पर प्रायश्चित करने का अवसर प्रदान करेगा। यह भविष्य की दृष्टि से राहत प्रदान करने वाला अच्छा सुधारात्मक कदम कहा जा सकता है।

जिन व्यक्तियों पर न्यायालय में मुकदमा चल रहा है और जो अंडर ट्रायल की तरह जेल में बंद हैं, उन्हें संबंधित अपराध के लिए निर्धारित सजा का एक तिहाई समय पूरा होने पर उन्हें जेल से रिहा किया जा सकेगा।वर्तमान प्रावधान के अनुसार, प्रस्तावित सजा की आधी सजा भुगत लेना आवश्यक था। इससे जेलों में बंद कई कैदियों को राहत मिलेगी और जेलों में अनावश्यक भीड़ भी कम होगी।

कोई गंभीर अपराधों जैसे बालकों के साथ यौन अपराध, बलात्कार, गैंगरेप आदि के लिए अधिक सजा का प्रावधान किया गया है। नौकरी का आश्वासन देकर या शादी के नाम पर धोखे में रखकर किसी महिला से यौन संबंध बनाने पर 10 वर्ष की सज़ा का प्रावधान किया गया है।

'मोब लिंचिंग' का कोई उल्लेख पुराने कानून में नहीं था। अब इसे अलग अपराध मानते हुए इसके लिए मृत्युदंड तक का प्रावधान किया गया है। इस कड़े प्रावधान के कारण संभावना है कि आने वाले समय में भीड़ द्वारा किसी व्यक्ति की हत्या करने की घटनाएं कम हों।

न्यायिक प्रकरणों में विभिन्न स्तरों पर निस्तारण की समय सीमा निर्धारित की गई है, जैसे पुलिस को चार्जशीट, न्यायालय में प्रस्तुत करने हेतु 30 दिन का अधिकतम समय दिया गया है। बहस सुनने के बाद 15 दिन में फैसला सुनाना होगा।

उपरोक्त विवरण के अनुसार, जहां इन कानून से कुछ राहत नागरिकों को मिलने की उम्मीद है, वहीं कई अधिवक्ताओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं को आशंका है कि नए कानून, तानाशाही व्यवस्था को स्थापित करेंगे एवं एक प्रकार से पूरे देश में पुलिस राज स्थापित हो जाएगा। यह कहने का आधार निम्न है :–

वर्तमान समय में किसी भी व्यक्ति द्वारा थाने में जाने पर उसकी एफआईआर दर्ज किए जाने की अनिवार्यता पुलिस पर थी। अब यह प्रावधान किया गया है कि पहले शिकायत के रूप में उसे पुलिस थाने में दर्ज किया जाएगा और 15 दिन में उस पर अनुसंधान के पश्चात शिकायत सही पाए जाने पर एफआईआर दर्ज की जाएगी। इससे कई प्रकार के मुकदमे बढ़ने की संभावना है। इस अवधि के दौरान यह संभावना भी है कि कई प्रकार के साक्ष्यों को प्रभावित कर दिया जाए अथवा मिटा दिया जाए, जिससे अपराध की गंभीरता बहुत कम हो जाएगी। इस छूट से पुलिस में भ्रष्टाचार बढ़ने की आशंका है। जो व्यक्ति पुलिस की स्वार्थ पूर्ति नहीं कर पाएगा, उसकी एफ आई आर दर्ज करने से मना किया जा सकता है। सत्ता का प्रभाव भी इसमें बहुत काम करेगा।

वर्तमान समय में किसी भी व्यक्ति द्वारा थाने में जाने पर उसकी एफआईआर दर्ज किए जाने की अनिवार्यता पुलिस पर थी। अब यह प्रावधान किया गया है कि पहले शिकायत के रूप में उसे पुलिस थाने में दर्ज किया जाएगा और 15 दिन में उस पर अनुसंधान के पश्चात शिकायत सही पाए जाने पर एफआईआर दर्ज की जाएगी। इससे कई प्रकार के मुकदमे बढ़ने की संभावना है।

नए कानून में, हालांकि राजद्रोह के अपराध का प्रावधान हटा दिया गया है, किंतु इसके स्थान पर पुलिस को यह अधिकार दे दिया गया है कि वह किसी भी व्यक्ति को कुछ भी लिखने, बोलने या सोशल मीडिया के ऊपर भी किसी प्रकार की बात करने पर, यदि पुलिस यह समझे कि वह भारत की सुरक्षा के लिए खतरा उत्पन्न कर सकता है, तो वह संबंधित व्यक्ति को देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार कर सकती है। यह कार्य किसी थानेदार द्वारा भी किया जा सकता है। यह सर्वविदित है कि पुलिस किस प्रकार सत्ताधारी दल के इशारे काम करती है। इस प्रावधान का बहुत अधिक दुरूपयोग होने की संभावना है और यह नागरिक के अभिव्यक्ति के मौलिक अधिकार का हनन है। पुलिस जिसे चाहे उसे गिरफ्तार कर सकती है और नए प्रावधान के अंतर्गत पुलिस रिमांड की समयावधि भी 15 दिन के स्थान पर 90 दिन कर दी गई है। इसका अर्थ यह हुआ कि पुलिस जिसे चाहे उसे गिरफ्तार कर ले और 3 महीने तक अपनी हिरासत में रख सकती है। इस बदलाव को प्रतिगामी कदम के रूप में ही देखा जाएगा।

दृश्य श्रव्य साक्ष्य अर्थात 'ऑडियो विजुअल एविडेंस,' और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य को नए कानून में मान्यता दी गई है।इसका अर्थ यह हुआ कि, पुलिस जिसे चाहे उसे किसी अपराध की आड़ में गिरफ्तार कर सकेगी। यह बात किसी से छुपी नहीं है कि किस प्रकार पुलिस का उपयोग, विरोधियों को गलत मामलों में फसाने के लिए किया जाता है। उदाहरण के लिए यदि कुछ प्रतिबंधित पदार्थ जैसे ड्रग्स, किसी के घर में रख दिया जाए और बाद में उसका ऑडियो विजुअल पुलिस के द्वारा बना लिया जाए, तो उस व्यक्ति को न केवल गंभीर अपराध में पुलिस हिरासत में ले सकेगी अपितु यह भी संभावना है कि ऑडियो विजुअल एविडेंस के कारण उसे सजा भी हो जाएगी। किसी के कंप्यूटर से कोई गैरकानूनी मेल भेजा जाना दिखाया जा सकता है।

उपरोक्त प्रावधानों का मुख्य प्रभाव यह होगा कि नागरिकों में एक भय व्याप्त होगा। वैसे भी हमारी पुलिस बहुत निष्पक्ष रूप से काम करने के लिए नहीं जानी जाती है। लगभग 90 प्रतिशत व्यक्ति तो अब, डर के मारे ही सरकार के किसी निर्णय की आलोचना करने से बचेंगे। कुछ साहसी व्यक्ति जैसे– पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता ऐसा करने का प्रयास करेंगे भी, उन्हें सरकार द्वारा पुलिस के माध्यम से किसी न किसी बहाने लंबे समय तक जेल में डाल दिया जाएगा। इस प्रकार की व्यवस्था को पुलिस राज ही तो कहा जाएगा।

पहली बार आतंकवाद और संगठित अपराध को कानूनन परिभाषित किया गया है। इसमें भी संबंधित थाने को पूरा अधिकार दिया गया है कि वह किसी गतिविधि को आतंकवादी गतिविधि मानते हुए, किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध कार्रवाई कर सके। जो सरकार के निर्णय की आलोचना करते हैं, उन्हें इसके अंतर्गत पुलिस द्वारा हिरासत में लिया जा सकता है। पुलिस किस प्रकार से किसी भी कानून का दुरुपयोग कर सकती है,इसका नवीनतम उदाहरण अरुंधति राय के विरुद्ध 14 साल पुराने मामले में यू ए पी ए के अंतर्गत प्रकरण चलाने की दिल्ली के उपराज्यपाल द्वारा दी गई स्वीकृति के रूप में सामने आया है। अब नई व्यवस्था के अंतर्गत यह संभावना अधिक बन जाएगी कि जो भी पत्रकार, लेखक, साहित्यकार, सामाजिक कार्यकर्ता या राजनीतिक कार्यकर्ता सरकार के निर्णय का विरोध करेंगे, उन्हे आतंकवादी मानकर पुलिस द्वारा कार्यवाही की जा सकेगी। पुलिस को अत्यधिक अधिकार दिया जाना तब उपयुक्त है जब लोगों का पूरा विश्वास पुलिस में हो और यह विश्वास हो कि वह अनावश्यक रूप से किसी को प्रताड़ित नहीं करेगी एवं निष्पक्ष रूप से जांच करके अपराधी को सज़ा दिलवाएगी। इस बारे में राजस्थान के एक पूर्व महानिदेशक ने "अपराधियों में डर, आम जनता में विश्वास" का सूत्र वाक्य दिया था। जब तक ऐसा वास्तव में न हो, तब तक पुलिस को अत्यधिक अधिकार दिया जाना उपयुक्त नहीं होगा।

कोलकाता की बार काउंसिल ने नए कानून के लागू होने के विरोध में 1 जुलाई, 2024 को प्रोटेस्ट करने का निर्णय लिया था। बार काउंसिल आफ इंडिया के अध्यक्ष ने एक परिपत्र जारी किया है कि कोई भी बार काउंसिल का सदस्य इस प्रकार के प्रोटेस्ट में भाग नहीं लेगा। यह एक प्रकार से चेतावनी है कि यदि कोई प्रोटेस्ट में भाग लेगा तो उसकी बार काउंसिल की सदस्यता को समाप्त किया जा सकता है।

नए कानूनों को लागू करने से विभिन्न स्तर पर न्यायालयों में लंबित प्रकरणों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो सकती है। वर्तमान में लंबित आपराधिक प्रकरणों की कुल संख्या देश मे 3 करोड़ से अधिक है। लंबित प्रकरणों पर कौन सी प्रक्रिया लागू होगी, इस बारे में अस्पष्टता होने पर न्यायालयों में और प्रकरण बढ़ेंगे, जिसके कारण न्याय समय पर मिलने के स्थान पर और अधिक विलंबित होने की आशंका हो जाएगी।

कई रिट याचिकाएं इस बारे में माननीय सर्वोच्च न्यायालय में दायर की गई हैं। अब देखना यह है कि 8 जुलाई, 2024 को जब ग्रीष्मावकाश के बाद सर्वोच्च न्यायालय काम करना प्रारंभ करेगा, तब इन याचिकाओं पर उसका क्या दृष्टिकोण रहता है? यदि इन पर कोई स्थगन आदेश जारी नहीं किया गया तो यह कानून पूरे देश में प्रभावशाली रहेंगे।

अपेक्षा है कि राज्य की पुलिस कुछ इस प्रकार से काम करे जिससे उसकी छवि में परिवर्तन हो और लोगों का विश्वास पुलिस में पैदा हो। यदि ऐसा नहीं हुआ तो नए कानून वांछित उद्देश्य को पूरा करने में सफल नहीं होंगे और आम नागरिकों के लिए वह राहत का कारण बनने के स्थान पर उनके लिए एक आफत का कारण ही बन जाएंगे।

सरकार स्वयं भी यदि चाहे तो नए कानून के कुछ प्रावधानों को कुछ समय के लिए स्थगित कर सकती है, जैसा कि उन्होंने जनवरी 2024 में ट्रक ड्राइवर की देशव्यापी हड़ताल के कारण नए कानून की धारा 106(2) के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी थी। इस नियम के अंतर्गत किसी भी वाहन चालक के द्वारा दुर्घटना होने पर दुर्घटना स्थल से, भीड़ द्वारा 1 पिटाई के डर से, भाग जाने पर, उसे गंभीर अपराध मानते हुए उसे 10 वर्ष तक की सजा का प्रावधान कर दिया गया था। फिलहाल इस प्रावधान को स्थगित कर दिया गया।

नए कानूनों को कुछ समय तक स्थगित करने के लिए, कई प्रमुख अधिवक्ताओं एवं सामाजिक संस्थाओं ने सरकार को प्रतिवेदन भी दिया था, किंतु सरकार ने इन सब की परवाह किए बिना इन्हें 1 जुलाई 2024 से लागू करने का निर्णय ले ही लिया है।

यह तो भविष्य ही तय करेगा कि नए कानून आम नागरिक के लिए राहत सिद्ध होते हैं या आफत।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

होम्योपैथी सर्व सुलभ, भरोसेमन्द तथा बीमारियों का जड़ से नाश करने वाली एक विश्वसनीय चिकित्सा पद्धति

होम्योपैथी के जनक हैनिमेन जी की पुण्यतिथि पर विशेष

प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना

आज पूरे विश्व में 2 जुलाई, 2024 को होम्योपैथी के जन्मदाता क्रिशचियन फ्रेडरिक सेमुअल हैनिमेन जी की एक सौ इक्यासीवीं (181वीं) पुण्यतिथि मनाई जा रही है, जिन्होंने एक नई चिकित्सा पद्धति का अविष्कार किया जो आज होम्यापैथी के नाम से शहर में अपना परचम लहरा रही है। इस पर शहर के वरिष्ठ होम्योपैथ व प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना जो कि वर्तमान में स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज में आचार्य हैं, ने इस पद्धति के बारे में विस्तारित चर्चा की व इस पर विस्तृत सकारात्मक प्रकाश डाला व अपने विचार साझा किये।

हैनिमेन जी स्वयं एक जर्मन एलोपैथिक चिकित्सक थे तथा उन्होंने पाया कि एलापैथिक चिकित्सा पद्धति कई व काफी बीमारियों को दबा देती है व रोगी पूर्णतया ठीक नहीं हो पाता व इनकी दवाईयों के दुष्प्रभाव काफी है। इनके दुष्परिणामों को देखते हुए हैनिमेन जी ने अपना मन बदला व इससे आहत होकर उन्होंने एक नई चिकित्सा विधि होम्योपैथी का अविष्कार किया तथा उन्होंने अपना सारा जीवन होम्योपैथी पद्धति को ही अर्पित कर दिया। होम्यापैथी के प्रति रोगियों का विश्वास काफी बढ़ा है। होम्योपैथी की तरफ भारत सरकार व आयुष विभाग भी ध्यान दे रहा है। अब होम्योपैथी चिकित्सा का परिणाम गंभीर बीमारियों में भी सुखद व अच्छा आ रहा है। यह चिकित्सा पद्धति चिकित्सक के लिये बहुत मेहनत मांगती है। रोगियों की आपातकाल परिस्थितियों में भी कई बार चमत्कारिक रूप से होम्योपैथिक दवाईयों का परिणाम काफी अच्छा मिलता है। दुनिया भर में लोग इस पद्धति को काफी महत्व दे रहे हैं। होम्योपैथिक दवाईयां गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माता, बच्चों समेत बुजुर्गों के लिये भी सुरक्षित है। होम्योपैथिक चिकित्सा प्रणाली, होम्योपैथी केन्द्रीय परिषद अधिनियम, 1973 के अन्तर्गत भारत में मान्यता प्राप्त चिकित्सा प्रणाली है। भारत देश वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ी होम्योपैथिक दवा निर्माताओं और निर्यातकों में से एक है। वर्तमान में भारत की आबादी का एक बहुत बड़ा हिस्सा अब इलाज की इस पद्धति व प्रक्रिया को अपनाने लगा है। वर्तमान में होम्योपैथी को 85 से अधिक देशों में उपयोग में लाया जाता है तथा लगभग 45 देशों में अलग औषध प्रणाली के रूप में कानूनी मान्यता प्राप्त है व लगभग 30 देशों में पूरक और वैकल्पिक चिकित्सा के रूप में मान्यता दी गई है।

होम्योपैथी ने भारत में 1839 में उस समय जड़ पकड़ी जब डॉ. जॉन मॉर्टिन होनिग बर्गर ने गले/स्वर तंत्रों के पक्षाघात के लिए महाराजा रणजीत सिंह का सफलतापूर्वक ईलाज किया। डॉ. होनिग बर्गर कलकत्ता में रहने लगे और हैजा चिकित्सक के रूप में काफी लोकप्रियता पाई।

बाद में डॉ. राजेन्द्र लाल दत्त, डॉ. एम.एल. सरकार जो कि ख्याति प्राप्त चिकित्सक थे, ने भी होम्योपैथी में प्रेक्टिस करना शुरू किया व डॉ. सरकार ने वर्ष 1868 में प्रथम होम्योपैथिक पत्रिका कलकत्ता जर्नल ऑफ मेडिसिन का संपादन किया। तदोपंरात वर्ष 1881 में डॉ. पी.सी. मजूमदार, डॉ. डी.एन. राय व अनेक प्रसिद्ध चिकित्सक विद्वानों ने मिलकर प्रथम होम्योपैथिक कॉलेज "कलकत्ता होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज" की स्थापना की। रोजमर्रा की बीमारियों के लिए यह एक सुरक्षित, आसान व सर्वसुग्राही पद्धति है। लेकिन इसे किसी सुयोग्य होम्योपैथिक चिकित्सक से परामर्श के बाद ही लेना चाहिये।

होम्योपैथी दवाईयाँ काफी सस्ती होती है व अन्य पद्धतियों की तुलन में इसका खर्चा मात्र 10 से 15 प्रतिशत ही होता हैं। होम्योपैथी वर्तमान में एक जानी मानी, सर्वकालिक पहचानी जाने वाली मशहूर चिकित्सा पद्धति हैं। जिसकी शुरूआत 1796 में एक जर्मन एलोपैथिक चिकित्सक सैमुअल क्रिश्चियन फ्रैडरिक हैनीमन ने की थी। जो स्वयं एक मशहूर ऐलोपैथ थे तथा एलोपैथी के साईड-इफेक्ट व दुश्प्रभावों की वजह से होम्योपैथी की ओर अग्रसीत हुए व वर्ष 1796 में इसका अविश्कार किया। व प्रचार-प्रसार किया व लोगों में विश्वास जगाया। तथा 10 अप्रेल को उनके जन्म दिवस पर इसे विश्व होम्योपैथी दिवस के तौर पर हर साल मनाया जाता हैं। आयुष मंत्रालय द्वारा भी इसे काफी सराहा व बढ़ावा दिया जा रहा है। होम्यापैथिक चिकित्सा पद्धति सम, सम्ये, समयति व कांटे से कांटा निकालना इस सिद्धांत पर आधारित है। अतः हर मरीज की बीमारी का इतिहास लक्षणों की आक्रामकता व बीमारी के बारे में जानकर मरीज का इलाज धैर्य पूर्वक शुरू किया जाता है।

गंभीर बीमारियों में जैसे फेफड़े, जोड़ों व हड्डी, त्वचा संबंधी यकृत व ऑटोइम्यून डिसऑडर, पीलिया रोग आदि में काफी कारगर है। विभिन्न होम्योपैथिक दवाईयाँ सुप्रशिक्षित चिकित्सक की देखरेख में ही रोग व लक्षणों के आधार पर लेनी चाहिए। ना कि अपने आप से शुरू कर दें। व गंभीर रोग तथा बीमारी काबू से बाहर हो रही हो तो तत्काल डॉक्टर को दिखाए व सलाह लें। रोजमर्रा व दैनिक जीवन की विषम अवस्थाओं में लक्षणों के आधार पर काम में ली जाने वाली दवाएं, नीचे लिखित कुछ इस प्रकार है।

नीचे लिखी कुछ विशेष दवायें काम में ली जाने वाली इस प्रकार है:-

ग्लोनाइन, पल्सेटिला, सल्फर, एंटिम क्रुड, केमोमिला प्लेंटिगो, एपिकॉक, मर्क्रसोल, ऑरम-मेटेलिकम, ब्रायोनिया एल्बा, पोडोफायलम, चाईना ऑफिसिनेलिस, अर्जेन्टम नाईट्रिकम,लाईको पोडियम, नक्स वोमिका, बरबेरिस वल्गेरिस, बेलेडोना, एकोनाईट, अरेनिका मोंटाना, कैंफर, सल्फर, सिना, साईलिशिया, थूजा, रसटॉक्स, सीपीया, जेलसिमियम, सैबाल सेरूलेटा, आर्सेनिक एल्बम आदि।

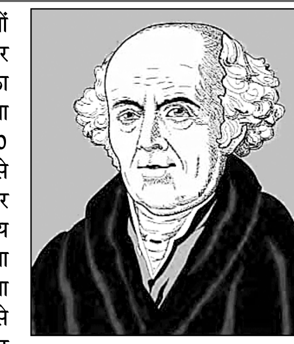

होम्योपैथी के जनक, क्रिशचियन फ्रेडरिक सेमुअल हैनिमेन।

कोरोना काल के मध्य, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए भारत सरकार आयुष मंत्रालय की ओर से भी इसको लेने की सिफारिश की गई थी, इम्यूनिटी बढ़ाने, कमजोरी व सर्दी-जुकाम में सहायक है।

–प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना,
आचार्य एवं वरिष्ठ होम्यापैथ,
स्वास्थ्य कल्याण
होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च
सेन्टर जयपुर।

कृत्रिम बुद्धिमता से नया खतरा

अशोक कुमार

कृत्रिम बुद्धिमत्ता में समाज के लिए कई संभावित लाभ भी हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और परिवहन में सुधार के लिए किया जा सकता है। इसका उपयोग जलवायु परिवर्तन और गरीबी जैसी वैश्विक समस्याओं को हल करने में भी मदद करने के लिए किया जा सकता है।

हालिया अध्ययनों और समाचारों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े कुछ खतरों पर प्रकाश डाला गया है:

अनियंत्रित बुद्धिमत्ता: कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता इतना बुद्धिमान हो सकता है कि वह मानव नियंत्रण से बाहर हो जाए और अपना खुद का एजेंडा बना ले। यह मानवता के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है, क्योंकि कृत्रिम बुद्धिमत्ता हमारे बुनियादी ढांचे पर हमला कर सकता है, गलत सूचना फैला सकता है या यहां तक कि युद्ध भी छेड़ सकता है।

नौकरी का नुकसान: कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कारण कई नौकरियां खत्म हो सकती हैं, क्योंकि मशीनें उन कार्यों को करने में सक्षम हो जाती हैं जो वर्तमान में मनुष्यों द्वारा किए जाते हैं। इससे व्यापक बेरोजगारी और सामाजिक अशांति हो सकती है।

कुछ नौकरियां जिन पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता का सबसे अधिक प्रभाव पड़ने की संभावना है, उनमें शामिल हैं: **डेटा प्रविष्टि:** कृत्रिम बुद्धिमत्ता सिस्टम डेटा को मानवों की तुलना में तेजी से और अधिक सटीक रूप से दर्ज कर सकते हैं।

मैन्युअल श्रम: कृत्रिम बुद्धिमत्ता -संचालित रोबोट पहले से ही विनिर्माण और भंडारण जैसे उद्योगों में कई कार्यों को स्वचालित कर रहे हैं।

ग्राहक सेवा: चैटबॉट और वर्चुअल असिस्टेंट पहले से ही कई ग्राहक सेवा कार्यों को संभाल रहे हैं, जैसे कि प्रश्नोत्तर और तकनीकी सहायता प्रदान करना।

परिवहन: सेल्फ-ड्राइविंग कारें और ट्रक टैक्सी ड्राइवरों, ट्रक ड्राइवरों और बस चालकों जैसे कई परिवहन कार्यों को स्वचालित कर सकती हैं। हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता नौकरियों को खत्म करने के साथ-साथ नई नौकरियां भी पैदा करेगा।

कुछ नई नौकरियां जिनकी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उदय के साथ मांग बढ़ने की संभावना है, उनमें शामिल हैं:

कृत्रिम बुद्धिमत्ता विशेषज्ञ: कृत्रिम बुद्धिमत्ता सिस्टम को विकसित, बनाए रखने और सुधारने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता विशेषज्ञों की आवश्यकता होगी।

डेटा वैज्ञानिक: कृत्रिम बुद्धिमत्ता सिस्टम को प्रशिक्षित और अनुकूलित करने के लिए बड़े डेटा सेट का विश्लेषण करने के लिए डेटा वैज्ञानिकों की आवश्यकता होगी।

रोबोटिक्स इंजीनियर: कृत्रिम बुद्धिमत्ता -संचालित रोबोट को डिजाइन, निर्माण और रखरखाव करने के लिए रोबोटिक्स इंजीनियरों की आवश्यकता होगी।

नैतिकताविद्: यह सुनिश्चित करने के लिए कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग जिम्मेदारी से और नैतिक रूप से किया जाता है, नैतिकताविदों की आवश्यकता होगी। यह भी संभावना है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता मौजूदा नौकरियों को बदल देगा, जिसके लिए नए कौशल और ज्ञान की आवश्यकता होगी। इस बदलते परिदृश्य में सफल होने के लिए, श्रमिकों को जीवन भर सीखने और अनुकूलन करने में सक्षम होने की आवश्यकता होगी।

अन्य खतरे :–

पूर्वाग्रह और भेदभाव: कृत्रिम बुद्धिमत्ता सिस्टम पूर्वाग्रहित हो सकते हैं, जो कुछ समूहों के लोगों के साथ भेदभाव का कारण बन सकता है। उदाहरण के लिए, एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता -संचालित भर्ती प्रणाली कुछ उम्मीदवारों को गलत तरीके से खारिज कर सकती है यदि वह अतीत में भेदभावपूर्ण डेटा पर प्रशिक्षित है।

गोपनीयता का उल्लंघन: कृत्रिम बुद्धिमत्ता सिस्टम का उपयोग बड़े पैमाने पर निगरानी और डेटा संग्रह के लिए किया जा सकता है, जिससे गोपनीयता का उल्लंघन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का खतरा हो सकता है।

दुर्भावनापूर्ण उपयोग: कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग दुर्भावनापूर्ण उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है, जैसे कि स्वायत्त हथियार विकसित करना या साइबर हमले करना।

इन खतरों को कम करने के लिए कई कदम उठाए जा सकते हैं:–

नैतिक दिशा निर्देश: कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास और उपयोग के लिए नैतिक दिशानिर्देशों को विकसित और कार्यान्वित करना महत्वपूर्ण है। इन दिशानिर्देशों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग सुरक्षित, जिम्मेदार और नैतिक तरीके से किया जाए।

नियमन: कृत्रिम बुद्धिमत्ता सिस्टम को विकसित और उपयोग करने वाली कंपनियों को विनियमित करने के लिए कानूनों और नीतियों को विकसित करना महत्वपूर्ण है। ये कानून यह सुनिश्चित करने में मदद कर सकते हैं कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग हानिकारक तरीके से न किया जाए।

जागरूकता बढ़ाना: कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संभावित जोखिमों और लाभों के बारे में जनता में जागरूकता बढ़ाना महत्वपूर्ण है। इससे लोगों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास और उपयोग के बारे में सूचित निर्णय लेने में मदद मिल सकती है।

शिक्षा और प्रशिक्षण: लोगों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के साथ काम करने और इसके संभावित खतरों को कम करने के लिए आवश्यक कौशल के साथ शिक्षित और प्रशिक्षित करना महत्वपूर्ण है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का भविष्य अनिश्चित है, लेकिन यह स्पष्ट है कि इसमें समाज के लिए गहरा प्रभाव डालने की क्षमता है। यह महत्वपूर्ण है कि हम कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संभावित जोखिमों और लाभों का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करें और यह सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करें कि इसका उपयोग अच्छे के लिए किया जाए।

पूर्वाग्रह और भेदभाव: कृत्रिम बुद्धिमत्ता सिस्टम पूर्वाग्रहित हो सकते हैं, जो कुछ समूहों के लोगों के साथ भेदभाव का कारण बन सकता है। उदाहरण के लिए, एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता -संचालित भर्ती प्रणाली कुछ उम्मीदवारों को गलत तरीके से खारिज कर सकती है यदि वह अतीत में भेदभावपूर्ण डेटा पर प्रशिक्षित है।

गोपनीयता का उल्लंघन: कृत्रिम बुद्धिमत्ता सिस्टम का उपयोग बड़े पैमाने पर निगरानी और डेटा संठाह के लिए किया जा सकता है, जिससे गोपनीयता का उल्लंघन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का खतरा हो सकता है।

दुर्भावनापूर्ण उपयोग: कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग दुर्भावनापूर्ण उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है, जैसे कि स्वायत्त हथियार विकसित करना या साइबर हमले करना।

इन खतरों को कम करने के लिए कई कदम उठाए जा सकते हैं:–

नैतिक दिशानिर्देश: कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास और उपयोग के लिए नैतिक दिशानिर्देशों को विकसित और कार्यान्वित करना महत्वपूर्ण है। इन दिशानिर्देशों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग सुरक्षित, जिम्मेदार और नैतिक तरीके से किया जाए।

नियमन: कृत्रिम बुद्धिमत्ता सिस्टम को विकसित और उपयोग करने वाली कंपनियों को विनियमित करने के लिए कानूनों और नीतियों को विकसित करना महत्वपूर्ण है। ये कानून यह सुनिश्चित करने में मदद कर सकते हैं कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग हानिकारक तरीके से न किया जाए।

जागरूकता बढ़ाना: कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संभावित जोखिमों और लाभों के बारे में जनता में जागरूकता बढ़ाना महत्वपूर्ण है। इससे लोगों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास और उपयोग के बारे में सूचित निर्णय लेने में मदद मिल सकती है।

शिक्षा और प्रशिक्षण: लोगों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के साथ काम करने और इसके संभावित खतरों को कम करने के लिए आवश्यक कौशल के साथ शिक्षित और प्रशिक्षित करना महत्वपूर्ण है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता: कृत्रिम बुद्धिमत्ता का भविष्य अनिश्चित है, लेकिन यह स्पष्ट है कि इसमें समाज के लिए गहरा प्रभाव डालने की क्षमता है। यह महत्वपूर्ण है कि हम कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संभावित जोखिमों और लाभों का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करें और यह सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करें कि इसका उपयोग अच्छे के लिए किया जाए।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति, गोरखपुर विश्वविद्यालय, कानपुर विश्वविद्यालय विभागाध्यक्ष
राजस्थान विश्वविद्यालय

राशिफल मंगलवार 2 जुलाई, 2024

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2081, कृत्तिका नक्षत्र रात्रि 4:40 तक, धृत्ति योग दिन 11:16 तक, बालव करण प्रातः 8:43 तक, चन्द्रमा दिन 11:14 से वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-मेष, मंगल-मेष, बुध-कर्क, गुरू-वृष, शुक्र-मिथुन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से रात्रि 4:40 तक है। त्रिपुष्कर योग प्रातः 8:43 से रात्रि 4:40 तक रहेगा। महापात योग दिन 1:06 से सांय 7:10 तक है। आज एकादशी व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:06 से 10:48 तक, लाभ-अमृत 10:48 से 2:13 तक, शुभ 3:55 से 5:38 तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 5:41, सूर्यास्त 7:20

मेष

मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष

मित्रों/रिश्तेदारों से संबंध खराब हो सकते हैं। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। दिन के मध्यान्ह पश्चात व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

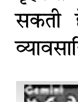

आर्थिक/वित्तिय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। अनावश्यक धन खर्च होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी।

कर्क

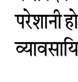

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी।

सिंह

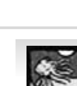

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। दिन के मध्यान्ह पश्चात व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे।

कन्या

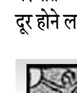

आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

तुला

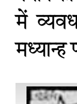

अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृश्चिक

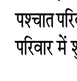

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनःस्थिति में सुधार होगा। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु

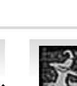

परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिलेगी।

मकर

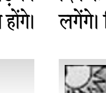

घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कुंभ

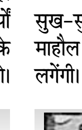

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/भाई-बंधुओं के सहयोग से मनोबल बढ़ेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मीन

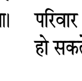

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता के लिए दिन अच्छा है। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

Pacific Medical University, Udaipur

PMCH HEALTH ADVISORS

(Established by the Rajasthan state legislative assembly by an Act No. 6 of 2014 dated March 04, 2014 & approved under section 2(f) of the UGC Act, 1956)

DISCOVER YOUR FUTURE WITH PMU

Pacific Medical University brings you a brilliant opportunity to make a career in medical profession. **Enroll Now.**
Take care of those who need the care most.
Take care of your career.

100% JOB ASSURANCE

ADMISSION OPEN 2024-25

COURSE OFFERED

PACIFIC DENTAL COLLEGE & RESEARCH CENTER

BDS 4 Year
Eligibility : 10+2 in PCB & NEET

MDS 3 Years
Eligibility : BDS & NEET

PACIFIC COLLEGE OF PHYSIOTHERAPY

B.P.T. 4 Years
Eligibility : 10+2 in (PCB)

M.P.T. 2 Years
Eligibility : B.P.T. with minimum 50% marks

MEDICAL & ALLIED

M.Sc. in Medical 3 Years
- Anatomy
- Physiology
- Microbiology
- Biochemistry
- Pharmacology

Eligibility : MBBS, BDS, BPT, BOT, BSLP, B.Pharma, B.Sc.

M.Phil Clinical Psychology 3 Years
Eligibility : MBBS, BDS, BPT, BOT, BSLP, B.Pharma, B.Sc.

FACULTY OF LIFE SCIENCE

B.Sc. in Clinical Embryology 3 Years
Eligibility : 10+2 Class with PCB

M.Sc. in Clinical Embryology 4 Sem.+ 1 Year Internship
Eligibility: B.Sc. in any discipline of Life Sciences, Biosciences, Bachelor's degree in any of Physic, Biological Sciences, M.B.B.S, BDS, BAMS, BHMS, B.Pharma.

TIRUPATI SCHOOL OF NURSING

GNM 3 Years
Eligibility : 10+2 in (PCB)

PACIFIC COLLEGE OF OCCUPATIONAL THERAPY

BOT 4 Years + 6 Months Internship
Eligibility : 10+2 in (PCB)

MOT 2 Years
Pediatrics, Neuroscience, Mental Health, Orthopedics, Hand Rehabilitation
Eligibility : Passed BOT with minimum 50% marks

PH.D. & RESEARCH PROGRAMME

Minimum 3 Years
Eligibility : Post Graduation with 55% marks

1. Ph.D. (Medical)
2. Ph.D. (Nursing)
3. Ph.D. (Physiotherapy)
4. Ph.D. (Dentistry)
5. Ph.D. (Clinical Embryology)
6. Ph.D. (Clinical Psychology)
7. Ph.D. (Occupational Therapy)
8. Ph.D. (Paramedical Sciences)

PACIFIC COLLEGE OF PARAMEDICAL SCIENCES

DIPLOMA Duration : 2 Year
Eligibility : 10+2 in PCB/PCM- Guidelines as per RPMC

1. Medical Laboratory Technology
2. Radiation Technology
3. Operation Theater Technology
4. Cath Lab. Technology
5. Orthopedic Technology
6. Dialysis Technology
7. Emergency & Trauma Care Technology
8. ECG Technology
9. Blood Bank Technology
10. Endoscopy Technology
11. EEG Technology
12. Opthalmic Technology

BACHELOR Duration : 3 Year + 1 Year
Eligibility : 10+2 in PCB/PCM- Guidelines as per RPMC

1. Medical Laboratory Technology
2. Radiation / Medical Imaging Technology
3. Opthalmic Technology
4. Operation Theater Technology
5. ECG Technology
6. Endoscopy Technology
7. Emergency & Trauma Care Technology
8. Dialysis Technology
9. EEG Technology
10. Orthopaedic Technology

For More Detail 7877936755

PACIFIC MEDICAL UNIVERSITY, UDAIPUR

Bhilo ka bedla, (Amberi) Udaipur, Rajasthan | Ph. Contact : +91 9672978095, 9587892883

info@pacificmedicaluniversity.ac.in
www.pacificmedicaluniversity.ac.in

फर्जी मार्कशीट मामले में प्राइवेट टीचर और बजरी कारोबारी गिरफ्तार

राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से आयोजित हुई थी हिंदी लेक्चरर भर्ती परीक्षा-2022

- एस.ओ.जी. ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर चार दिन के रिमांड पर लिया
- पूछताछ में आरोपियों ने फर्जी डिग्री की मार्कशीट का सात्यापन मेवाड़ यूनिवर्सिटी से कराना काबूला

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से आयोजित हिंदी लेक्चरर भर्ती परीक्षा 2022 में फर्जी मार्कशीट के मामले में एस.ओ.जी. ने जोधपुर से एक प्राइवेट टीचर और बजरी कारोबारी को गिरफ्तार कर सोमवार को अजमेर स्थित कोर्ट में पेश किया, जहां से कोर्ट ने आरोपियों को चार दिन की रिमांड पर सौंप दिया। एसओजी की पूछताछ में दोनों आरोपियों ने फर्जी डिग्री की मार्कशीट का सात्यापन मेवाड़ यूनिवर्सिटी से कराना काबूला है। एसओजी ने अब तक मामले में 9 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है और जांच में जुटी है।

एस.ओ.जी. के एडिशनल एसपी मुकेश सोनी ने बताया कि जोधपुर निवासी सोमेश गोदारा और पाली निवासी सुनील बिश्नोई को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों को सोमवार को कोर्ट में पेश कर चार दिन के रिमांड पर लिया है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों से फर्जी डिग्री की मार्कशीट मेवाड़ यूनिवर्सिटी से वेरीफिकेशन करवाना सामने आया है, हालांकि एसओजी दोनों से पूछताछ में जुटी है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी सुशील बिश्नोई बजरी का तथा दूसरा आरोपी सोमेश जोधपुर के एक निजी स्कूल में अध्यापक का काम करता है। उन्होंने मामले में पूछताछ के बाद अन्य गिरफ्तारियां होने की संभावना भी जताई है।

एसओजी के ए.एस.पी. सोनी ने बताया कि एस.ओ.जी. की जांच में सामने आया कि पूर्व में गिरफ्तार डॉ. सुरेश बिश्नोई आरोपी ब्रह्मकुमारी व कमला कुमारी के लिए सत्यापन पत्र बनवाने के लिए बजरी कारोबारी सुनील बिश्नोई से कांटेक्ट में था। व्हाट्सएप के जरिए ही ब्रह्मकुमारी व कमला कुमारी के उक्त सत्यापन पत्र सहित अन्य दस्तावेज के बारे में व्हाट्सएप पर चैट की गई। आरोपी ब्रह्माकुमारी को जिस दिन व्यक्तिगत रूप से आयोग ने बुलाया था उसी दिन भी दोनों के बीच में फर्जी सत्यापन पत्र तैयार करवाने को लेकर व्हाट्सएप पर चैट हुई थी। एसओजी को आरोपी डॉ. सुरेश बिश्नोई के मोबाइल से यह चैट मिली हुई है। वही प्राइवेट टीचर सोमेश गोदारा भी पूर्व में गिरफ्तार डॉक्टर सुरेश बिश्नोई के ही संपर्क में था। मालूम हो कि एसओजी ने मामले में पूर्व में सात लोगों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभी रक्षा में जेल भेज दिया है।

एस.ओ.जी. ने जोधपुर से एक प्राइवेट टीचर और बजरी कारोबारी को गिरफ्तार कर अजमेर स्थित कोर्ट में पेश किया।

नीट-यूजी 2024 के संशोधित रिजल्ट्स जारी

रिजल्ट्स में एलन के 23 स्टूडेंट्स को ऑल इंडिया रैंक-1

कोटा, (निसं)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से सोमवार को नीट-यूजी 2024 के संशोधित रिजल्ट्स जारी कर दिए गए। इन परिणामों में एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के स्टूडेंट्स ने श्रेष्ठता साबित की है। एलन के निदेशक डॉ.बृजेश माहेश्वरी ने बताया कि संशोधित नीट परिणामों में टॉप आल इंडिया रैंक-1 परफेक्ट स्कोर और टॉप-100 में एलन स्टूडेंट्स की संख्या देश में सर्वाधिक है।

माहेश्वरी ने बताया कि एनटीए की ओर से जारी संशोधित परिणामों में एलन के 23 स्टूडेंट्स ने 720 में से 720 परफेक्ट स्कोर प्राप्त कर संयुक्त रूप से ऑल इंडिया रैंक-1 प्राप्त की है। इनमें 15 क्लासरूम तथा 8 स्टूडेंट्स डिस्टेंस लर्निंग से हैं।

टॉप 100 में 37 स्टूडेंट्स एलन से हैं, जिसमें 27 क्लासरूम तथा 10 डिस्टेंस लर्निंग से एलन से जुड़े हैं। संशोधित परिणामों में परफेक्ट स्कोर प्राप्त करने वाले 15 एलन क्लासरूम स्टूडेंट्स में वेद शिंदे, माजिन मंसूर, रूपायन मंडल, प्राचिता, शैलजा, दिव्यांश, शशांक शर्मा, आर्यन शर्मा, कहकशा परवीन, कृष्णमूर्ति पंकज सिवाल, वेद पटेल, माने नेहा कुलदीप, रितिक राज, तेजस सिंह और अभिनव किसना शामिल हैं। इसके साथ ही तथागत अवतार, अर्गदीप दत्ता, इशा कोठारी, उम्यमा मालबारी व मानव प्रियदर्शी एलन ऑनलाइन टेस्ट सीरीज से तथा आदर्श सिंह, दर्श पगधर, शिखिन गोयल ने एलन से डिस्टेंस लर्निंग से जुड़कर ऑल इंडिया रैंक-1 प्राप्त की।

दो हिरण और एक चिंकारा की मौत

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर जिले के देगराय ओरण में सोमवार को तीन हिरणों की दर्दनाक मौत हो गई। दो हिरण पानी के खुले हौद में डूब गये, वहीं एक चिंकारा हिरण की दीवार से टकराने से मौत हो गई। ग्रामीणों ने वन विभाग की मदद से तीनों के शवों को दफनाया। वन्यजीव प्रेमी सुमेरसिंह भाटी ने बताया कि बरसाती पानी के खुले हौद में दो हिरण डूब गये। वहीं एक चिंकारा हिरण के पीछे आवारा कुत्ते भागे। आवारा कुत्तों से बचने के लिए चिंकारा हिरण भागा मगर चारों तरफ रिन्यु सोलर कंपनी की दीवार होने के कारण चिंकारा भाग नहीं सका और दौड़ते हुए दीवार से टकराने से उसकी दर्दनाक मौत हो गई।

सात विषयों की मॉडल उत्तर कुंजी जारी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक आचार्य, पुस्तकालयाध्यक्ष एवं शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक (कॉलेज शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2023 के सात विषयों एबीएसटी, इंग्लिश, राजस्थानी, एप्लाइड आर्ट, लाइब्रेरियन, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन तथा होम साइंस विषय की मॉडल उत्तर कुंजियां आयोग की वेबसाइट पर जारी कर दी गई है। यदि किसी अभ्यर्थी को इन मॉडल उत्तर कुंजियों पर कोई आपत्ति हो तो निर्धारित शुल्क के साथ 3 जुलाई से 5 जुलाई को रात्रि 12 बजे तक अपनी आपत्ति ऑनलाइन दर्ज करवा सकता है।

25 हजार की रिश्वत लेते दो कांस्टेबल गिरफ्तार

- मुकदमे में मदद के एवज में जांच अधिकारी के नाम पर रिश्वत मांगी थी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के खांडाफलसा थाने के दो कांस्टेबलों को एसीबी ने रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। दोनों कांस्टेबलों ने मुकदमे में मदद के एवज में जांच अधिकारी के नाम पर 25 हजार की रिश्वत मांगी थी। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी पाली की द्वितीय इकाई ने जोधपुर में कार्रवाई कर खांडाफलसा थाने के कांस्टेबल जैमल राम व कांस्टेबल नरेन्द्र कुमार को परिवादी से 25 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा। एसीबी महानिदेशक डॉ रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि एसीबी पाली की द्वितीय इकाई को शिकायत मिली थी। शिकायत में बताया था कि जांच अधिकारी के नाम पर मामले में मदद के लिए रिश्वत मांगी जा रही है। जिस पर एसीबी के उप महानिरिक्षक हरेन्द्र महावर के सुपरविजन में पाली इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खींवसिंह के नेतृत्व में टीम ने ट्रेप की कार्रवाई कर 25 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा।

वीडियो कॉन्फेंसिंग में मुख्यमंत्री के भाषण के दौरान बत्ती गुल हुई

- देश में लागू हुए तीन नए कानून पर अजमेर में संभाग स्तरीय कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े थे सीएम भजनलाल शर्मा

अजमेर, (कासं)। देशभर में एक जुलाई से तीन नए कानून लागू हुए, जिसको लेकर जवाहर रंगमंच पर सोमवार को संभाग स्तरीय कार्यक्रम आयोजित हुआ। कानूनों की जानकारी देने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कार्यक्रम से जुड़े। सीएम शर्मा ने जैसे ही भाषण शुरू किया वैसे ही बिजली चली गई।

प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की ओर से प्रदेश भर में वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए नए कानून की जानकारी दी गई, साथ ही नए कानून के साथ कानून व्यवस्था को और बेहतर करने के निर्देश भी दिए। नए कानूनों के लागू होने को लेकर ही सोमवार को अजमेर में संभाग स्तरीय कार्यक्रम जवाहर रंगमंच पर आयोजित हुआ।

समारोह में सीएलजी सदस्य, पुलिस मित्र, सुरक्षा सखी, कानूनों के जानकार सहित नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अजमेर रेंज आईजी लता मनोज ने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक है, क्योंकि तीन औपनिवेशक काल के कानूनों को समाप्त कर नए कानून बनाए हैं। उन्होंने कहा कि बदलाव किए गए कानूनों की जानकारी प्रजटेंशन के माध्यम से दी। आमजन को जागरुक करने के लिए पुलिस अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए गए हैं कि सभी सदस्य अपने-अपने क्षेत्र में कानून में हुए बदलाव की जानकारी दें। आईजी ने बताया कि इन कानूनों को बदलने का मुख्य उद्देश्य न्यायिक प्रणाली को आधुनिक व न्यायपूर्ण बनाना है।

संभाग स्तरीय कार्यक्रम में एक बार फिर टाटा पावर की उदासीनता देखने को मिली। शहर भर में जहां बिजली कटौती से आमजन परेशान है। वहीं कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कानूनों की जानकारी देने के लिए जैसे ही अपना संबोधन शुरू किया वैसे ही बिजली गुल हो गई। जवाहर रंगमंच पर मौजूद संभागीय आयुक्त महेश चंद्र शर्मा, आईजी लता मनोज, कलेक्टर भारती दीक्षित, एसपी देवेंद्र विश्नोई सहित अन्य आला अधिकारी सकते में आ गए। सीएम के संबोधन के अंतिम क्षण में बिजली आई। वहीं आईजी के संबोधन के दौरान भी बिजली चली गई। जिससे टाटा पावर की निष्क्रियता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

जवाहर रंगमंच में आयोजित कार्यक्रम में सीएम भजनलाल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कार्यक्रम से जुड़े।

नये आपराधिक कानूनों के तहत पाली में पहली एफआईआर दर्ज

जयपुर, (नि.सं.)। देश में एक जुलाई से लागू नए आपराधिक कानूनों के तहत प्रदेश में पाली के सादड़ी पुलिस थाने में पहली एफआईआर (नम्बर 0117) सोमवार को दर्ज की गई।

महानिदेशक पुलिस, साइबर अपराध एवं एससीआरबी हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि यह एफआईआर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 173 के तहत रास्ता रोककर मारपीट करने एवं सम्पत्ति को नुक़सान पहुंचाने की घटना के संबंध में दर्ज की गई।

यह घटना सुबह 7.30 बजे की है। इसमें भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 115 (2), 126 (2), 324 (4) एवं 324 (5) में प्रकरण दर्ज किया गया। प्रियदर्शी ने बताया कि प्रदेश में नए आपराधिक कानूनों की न्याय प्रणाली के तहत दोनों संहिताओं बीएनएसएस एवं बीएनएस का सुचारू क्रियान्वयन आरम्भ कर दिया गया है।

पुराने कानूनों के स्थान पर नए कानूनों में सिस्टम का सही तरीके से ट्रांजिशन हो गया है। सीसीटीएनएस पर बीएनएस एवं बीएनएसएस का इंटीग्रेशन पूरा हो चुका है। प्रदेश के नागरिकों को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आएगी।

राई का बाग रेलवे स्टेशन को राईका बाग रेलवे स्टेशन करने की मांग

जोधपुर, (कासं)। राईका समाज सोमवार को प्रशासन की लापरवाही से अपने नाम की खोई पहचान को वापस कायम करने के लिये सड़कों पर उतरा। राईका समाज का आरोप है कि राईका बाग रेलवे स्टेशन जो कि उनके समाज के आसूराम राईका के कारण मिला नाम था, लेकिन वर्तमान सरकार ने राईका बाग रेलवे स्टेशन का नाम राई का बाग कर दिया।

समाज के हजारों लोगों ने मेडिकल कॉलेज चौराहे पर महात्मा गांधी की मूर्ति के पास इक्कठा होकर रैली निकाल कर अपनी पीड़ा आमजन और सरकार तक पहुंचाने का काम किया। वहीं बताया कि समय रहते सरकार नहीं चेती तो वो अहिंसा का मार्ग भी त्यागने को मजबूर हो सकते हैं। राईका बाग रेलवे स्टेशन का नाम बदलने के बाद से ही करीब दो साल से राईका समाज आंदोलनरत है लेकिन न तो जिला प्रशासन, रेलवे प्रशासन और राज्य सरकार तथा केन्द्रीय सरकार इस समाज की कोई सुनवाई कर रही है।

समाज के वीर रिडमल राईका इतिहास एवं संस्कृति संरक्षण संस्था के सचिव सुखाराम, कर्पूराराम और लालसिंह ने राईका ने बताया कि अब समाज पत्र व्यवहार करने की बजाये आंदोलन की राह अपनायेगा जिससे की गूंगी बहरी सरकार इतिहास के साथ हो रहे इस खिलवाड़ पर जागकर अपनी गलती को सुधार करेगी।

राईका समाज के नेताओं ने कहा कि राजकालीन व्यवस्था के दौरान आसूराम राईका की सेवा भावना के कारण उसको उक्त जमीन देकर सम्मानित किया था। बाद में उक्त स्थान जसवंतसिंह की रानी ने जमीन पसंद आने पर आसूराम राईका से जमीन ली और उस पर बनाये बाग का नाम राईका बाग रखा। बरसों से चल रही परम्परा को कुछ साल पहले न जाने किसी के इशारे पर या मानवीय भूल से राईका बाग रेलवे स्टेशन जंक्शन की बजाये राई का बाग स्टेशन कर दिया, जबकि टिकट और रेलवे की ऑनलाइन पर अभी भी राईकाबाग जंक्शन शो किया जा रहा है। राई का बाग को राईका बाग बनाने की मांग को लेकर पूरे प्रदेश से हजारों राईका समाजबंधुओं ने आज अपने परम्परागत वेशभूषा में शामिल होकर अपना प्रदर्शन इस रैली में शक्ति प्रदर्शन किया।

गोविंद गुरु एक व्यक्ति नहीं बल्कि जीवन, समाज सेवा, देश सेवा के एक संस्थान रहे : राज्यपाल मिश्र

सामूहिक सद्प्रयासों से विश्वविद्यालय का कायाकल्प होगा : कुलपति ठाकुर

- गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय के नौवे स्थापना दिवस और विविध कार्यों का लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित

बांसवाड़ा, (निसं)। जनजाति केवल सामाजिक और विषयगत संप्रत्यय नहीं, अपितु एक जीवन-पद्धित और दर्शन है, जिसमें व्यक्ति के सर्वांगीण विकास के साथ समग्र समाज, देश यहां तक की समस्त चराचर जगत के सर्वतोमुखी कल्याण के बीज मंत्र छिपे हैं। इसी जनजाति बाहुल्य दक्षिणी राजस्थान की भूमि में प्रात: स्मरणीय गोविन्द गुरु के आविर्भाव ने पूरे समाज और देश की दिशा ही बदल दी और सदियों तक जीवन के परिष्कार, कुरीतियों से दूर होने एवं अपना सर्वस्व समर्पित करने के वे जीवन मंत्र दिए हैं जो आज भी न केवल प्रासंगिक हैं बल्कि आज भी सभी को प्रेरणा देते हैं। ये विचार सूत्र राज्यपाल और कुलाधिपति कलराज मिश्र ने गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय के नौवे स्थापना दिवस और विविध कार्यों के लोकार्पण अवसर पर मुख्य अतिथि रूप में व्यक्त किए।

मिश्र ने गोविन्द गुरु और वागड़-कांठल क्षेत्र के स्वतंत्रता-सैनानियों, अमर शहीदों के त्याग और बलिदान प्रति श्रद्धांजलि देते स्पष्ट किया कि गोविन्द गुरु एक व्यक्ति नहीं बल्कि जीवन,समाज-सेवा, देश-सेवा के एक संस्थान रहे जिन्होंने तत्कालीन समय में शिक्षा और जागरूकता का प्रसार,समाज-सुधार,कुरीतियों के उन्मूलन,स्वतंत्रता संग्राम में योगदान, आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा और संस्कृतीकरण संरक्षण के क्षेत्र में अमूल्य योगदान दिया। पूरे अंचल में गोविन्द गुरु का योगदान गहरा और व्यापक है। राज्यपाल मिश्र ने विश्वविद्यालय स्थापना दिवस को आत्मावलोकन का पर्व बताते हुए कहा कि हम अतीत में किए कामों का मूल्यांकन करें, भविष्य की ऐसी योजनाएँ बनाएँ कि विश्वविद्यालय आने वाले समय में विश्व की उत्कृष्ट संस्थान बने। हम यह संकल्प लें कि जनजातीय विद्यार्थियों की आवश्यकताओं और संवेदनाओं को देखते हुए आधुनिक शैक्षिक विधियों को अपनाते हुए इस क्षेत्र में शिक्षा के प्रसार के संवाहक बनें। हमारा जनजातीय क्षेत्र आज भी विकास की मुख्य धारा से कटा हुआ है। शिक्षा सभी तरह की दूरियों को पाट सकती है।हमारी वैदिक संस्कृति ईश्वर-प्रदत्त संविधान है में जो संरक्षण की पद्धति है,उससे सीख लेने की ज़रूरत है। जनजातीय क्षेत्र की अपनी परम्पराएँ हैं जो पीढ़ी दर पीढ़ी संरक्षित होती आ रही हैं। आज विश्वविद्यालय का यह दायित्व है कि इस संरक्षित धरोहर को सहेजे और विकसित करें। पूरा विश्व आज जल-संकट से जूझ रहा है लेकिन हमारी सनातन जीवन और जनजातीय जीवन पद्धित में पानी को सहेजने की जो पद्धति रही है, उस पर शोध करने की आवश्यकता है। इस दिशा में विश्वविद्यालय विशेष ध्यान देकर जनजातीय संस्कृति, समाज और पारिस्थितिकी संतुलन के सन्दर्भ में विशेष परियोजनाओं पर काम करें।

इस अवसर पर कुलपति प्रो केशव सिंह ठाकुर ने विश्वविद्यालय की विगत स्थापना से आज तिथि तक हुई विकास यात्रा की बानगी प्रस्तुत करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय ने अत्यंत अल्प समय में ही भौतिक विकास, शोध एवं अकादमिक क्षेत्र में पूरे राज्य में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। आज आवश्यकता है कि इसके सर्वांगीण विकास में सभी योगदान करें। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के नौवे स्थापना दिवस पर तीन कार्यों का ऑनलाइन लोकार्पण किया। विश्वविद्यालय में गुलाब वाटिका, पूर्व सांसद कनकमल कटारा द्वारा सांसद निधि मद से बनी कैंटीन और विश्वविद्यालय के वित्त से निर्मित सभागार का वर्चुअल लोकार्पण किया। इसके साथ ही राज्यपाल ने माह अक्टूबर में गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय और पैसिफिक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाले 75 वें ऑल इंडिया कॉमर्स कांफ्रेंस के ब्रोशर का भी ऑनलाइन विमोचन किया।

कार्यक्रम का संचालन प्रभारी सम्बद्धता डॉ नरेंद्र पानेरी ने और आभार प्रदर्शन कुलसचिव राजेश जोशी ने किया। कार्यक्रम में राजभवन के सभी अधिकारीगण,विश्वविद्यालय के सभी अधिकारी,राजकीय एवं निजी महाविद्यालयों के प्राचार्यों, नगर से पधारे गणमान्य शिक्षाविदों, संस्कृतिधर्मियों, संकाय सदस्यों और इंजिनीरिंग कॉलेज-कैंपस विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने गोविन्द गुरु जनजातीय वि.वि. में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया।

कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान
E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419
क्रमांक :-न.प.सु/सफाई शाखा/2024/1508 दिनांक :- 27.06.2024
-: ई-निविदा सूचना-2024-25 :-
नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यो के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से निविदा दिनांक 15.07.2024 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड कमांक DLB2425SLOB01870 है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।
राज.संवाद/सी/24/1456 आयुक्त, नगर परिषद सुजानगढ

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग
प्रथम तल, स्वास्थ्य भवन, भीनमाल रोड, जालौर
क्रमांक-अ.अ./चि.एवं.स्वा./2024-25/581-89 दिनांक-25.06.2024
ई-निविदा सूचना संख्या 03/2024-25
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से इस खण्ड के अन्तर्गत विभिन्न चिकित्सालयों पर रू. 18.35 लाख के 2 सिविल कार्यो हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार/केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संार विभाग/रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्माण कार्य हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण डीआईपीआर की वेबसाईट www.dipronline.org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेबसाईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है।
1. NRH2425WSOB00338, 2. NRH 2425WSOB00339
(रणवीरसिंह कछवाहा)
अधिशाषी अभियंता
DIPR/C/5062/2024 चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, जालोर

कार्यालय नगर परिषद् ब्यावर
Tel.No. 01462-258665 Email Add:- npbeawar@gmail.com
क्रमांक /नपब्या/संस्थापन/2024-25/3495 दिनांक - 28.06.2024
ई दर संविदा सूचना
निम्नाकिंत विवरण के अनुसार ई दर संविदा ई-प्रोक्यूरमेट पोर्टल राजस्थान पर दिनांक 09.07.2024 को प्रात : 11:00 बजे तक आमंत्रित है। विस्तर्त शर्तें ई दर संविदा फार्म के साथ संलग्न है। यह दस्तावेज एस.पी.पी. पोर्टल पर एवम् ई-प्रोक्यूरमेंट पोर्टल पर उपलब्ध है।

क्रं. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	दर संविदा फार्म शुल्क	दर संविदा प्रोसेसिंग शुल्क
1.	COMPUTER OPERATOR SERVICES RATE CONTRACT	30.73 लाख	61,460	1000	500

Nib Code : DLB2425A0622
BID No.: DLB2425SLRC01961
समापति नगर परिषद् ब्यावर आयुक्त नगर परिषद् ब्यावर
राज.संवाद/सी/24/1455

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर
क्रमांक-सं. संक्षिप्त वि.सं. 04&05/Exam/Dy.Jailor&V.P./Superintendent I.T.I./RPSC/EP-I/2024-25
दिनांक-01.07.2024
आयोग द्वारा विभिन्न विभागों के लिए 02 विज्ञापनों के तहत ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किए जाते है। उक्त विज्ञापनों के तहत् विज्ञाप्ति पदों की शैक्षणिक योग्यता, पदों की संख्या, वर्गवार वर्गीकरण, आवेदन प्रक्रिया, आयु सीमा व अन्य विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी आयोग की वेबसाईट पर उपलब्ध पृथक-पृथक विस्तृत विज्ञापन का अवलोकन करें। इन विज्ञापनों के तहत विज्ञापित पदों हेतु विभाग का नाम, पद नाम, विज्ञापन संख्या, पदों की संख्या, आवेदन अवधि व अन्य विवरण निम्नानुसार है-

क्र.सं.	विभाग का नाम	पद का नाम	विज्ञापन संख्या	पदो की संख्या	आवेदन अवधि
1	कारागार विभाग	उप कारापाल	04/2024-25	73 (NSA&SA)	08.07.2024 से 06.08.2024
2	कौशल नियोजन एवं उद्यमिता विभाग	उपाचार्य/अधीक्षक, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान	05/2024-25	36	10.07.2024 से 08.08.2024

अन्य बिन्दु व सूचना-एकबारीय पंजीयन शुल्क, आवेदन प्रक्रिया, प्रमाण पत्रों से संबंधित सूचना एवं परीक्षा से संबंधित अन्य बिन्दु व सूचना के लिए आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध नवीनतम एवं संशोधित परीक्षार्थियों हेतु आवेदन व परीक्षा संबंधी सामान्य दिशा-निर्देश तथा सम्बन्धित सेवा नियमों का अध्ययन आवश्यक रूप से कर लें। इसके अतिरिक्त उक्त परीक्षा के संबंध में समय-समय पर जारी सूचनाओं का अवलोकन आयोग की वेबसाईट https://rpsc.rajasthan.gov.in पर कर सकते है। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार के मार्ग निर्देशन/सूचना/स्पष्टीकरण हेतु राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर के परिसर में स्थित स्वागत कक्ष पर व्यक्तिगत रूप से अथवा दूरभाष सं.-0145-2635212 एवं 2635200 पर संपर्क किया जा सकता है। समस्त पत्र व्यवहार सचिव, राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर को सम्बोधित किया जाए।
राम निवास मेहता, सचिव

कार्यालय अधिशाषी अभियंता सा.नि.वि. खण्ड पोकरण
क्रमांक-अअ/पोक/2024-25/380 दिनांक-25.06.2024
निविदा सूचना संख्या 02/2024-25
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भवन निर्माण/सड़क निर्माण कार्यो हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर सांर विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

ऑन लाईन निविदा मिलने की पूर्व तारीख	02.07.2024 से 12.07.2024 तक सायं 6.00 बजे
ऑन लाईन निविदा जमा कराने की तारीख	02.07.2024 से 12.07.2024 तक सायं 6.00 बजे

निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाईट www.dironline.org पर एवं निविदा दस्तावेज का विवरण वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in एवं sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया https://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जावेगी।
NIB CODE PWD2425A0390
UBI NO. PWD2425WSRC01459, PWD2425WSRC01461, PWD2425WSRC01462, PWD2425WSRC01464, PWD2425WSRC01467, PWD2425WSRC01470, PWD2425WSRC01471, PWD2425WSRC01473, PWD2425WSRC01478, PWD2425WSRC01479, PWD2425WSRC01480
(हर्षवर्धन डाबी)
DIPR/C/5102/2024 अधिशाषी अभियंता, सा.नि.वि. खण्ड पोकरण

कार्यालय नगर निगम, अजमेर
पृथ्वीराज मार्ग, अजमेर (राजस्थान) फोन नं. 0145-2429971, 2429920
क्रमांक :-MEW/2024-25/37 दिनांक:- 28.06.2024
:: ई-निविदा सूचना संख्या 07/2024-25 ::
नगर निगम अजमेर की ओर से नगर निगम अजमेर एवं राजकीय विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको जो कि केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, डाक एवं दूरसंचार, रेलवे या अन्य राज्य सरकार, केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनो जो राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो (निविदा पात्रता पंजीकरण के नियमो के अनुसार मान्य) जो निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन ईनिविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा कार्यो की कुल लागत	राशि 40.94 लाख (01 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	Date 29.06.24 से 08.07.24 को 6.00 PM तक
Technical निविदा खोलने की तिथि व समय	Date 09.07.24 को 12.30 PM पर
Financial निविदा खोलने की तिथि	सफलतम निविदादाता को उचित माध्यम के द्वारा सूचित कर दिया जावेगा।

विस्तृत विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http:/www.eproc.rajasthan.gov.in पर एवं नगर निगम के निर्माण विभाग के कार्यालय में भी देखी जा सकती है।
Nib Code :- ANN2425A0040 UBN No. : ANN2425WSOB00049
राज.संवाद/सी/24/1468 अधिशाषी अभियन्ता

जयपुर विकास प्राधिकरण
इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरु मार्ग, जयपुर-302004
क्रमांकः जविप्रा/अ.अ.(मुख्या.)/2024/डी-178 दिनांकः 28.06.2024
निविदा सूचना
निविदा सूचनाः जविप्रा/अधि.अभि. (मुख्यालय)/02/2024-25
जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा "Various renovation and development work at JDA flats Lal Kothi, Malviya Nagar and Sethi colony, JDA, Jaipur for the Year 2024-2025" जिसकी अनुमानित लागत राशि ₹161.84 लाख के लिए ऑनलाईन बिड्स दिनांक 29.06.2024 को प्रातः 9:30 बजे से आमन्त्रित की जाती है। निविदा बोली का ऑनलाईन आवेदन व भुगतान जविप्रा पोर्टल पर करने की अन्तिम तिथि 09.07.2024 को सायं 6.00 बजे तक है। निविदा बोली के दस्तावेजों का विस्तृत विवरण www.sppp.raj.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in and www.jda.urban.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। (UBN No. JDA2425WSOB00102)
निविदा में भाग लेने वालो को निम्न शर्तों की पूर्ति करनी होगी।
1. निविदादाता जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट www.jda.urban.rajasthan.gov.in पर पंजीकृत हो एवं निविदा में भाग लेने के लिए बोलीदाता को आवेदन करने के लिए दस्तावेज शुल्क, अमानत राशि, आर.आई. एस. एल. प्रोसेसिंग शुल्क ऑनलाईन जमा करनी होगी।
2. ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने के लिए निविदादाताओं का राजस्थान सरकार के ई-प्रोक्यूरमेंट पोर्टल www.eproc.rajasthan.gov.in पर पंजिकृत हो।
Raj.Samwad/C/24/1522 अधिशाषी अभियंता (मुख्यालय)

खाद्य पदार्थों में मिलावट को लेकर हाईकोर्ट गंभीर, केंद्र और राज्य सरकार को दिए निर्देश

अदालत ने राज्य सरकार को कहा कि शुद्ध के लिए युद्ध अभियान को त्यौहार या शादी के सीजन तक सीमित नहीं रखा जाए

- 'राज्य खाद्य सुरक्षा प्राधिकारी मिलावट को लेकर हाई रिस्क एरिया और समय चिन्हित करे। प्राधिकारी उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशाला का संचालन सुनिश्चित करे'
- 'सीएस और कलेक्टर की अध्यक्षता में राज्य व जिला स्तरीय कमेटी का गठन करें। केन्द्र व राज्य सरकार वैबसाइट बनाए, जिसमें खाद्य सुरक्षा अधिकारियों, जिम्मेदार अफसरों के संपर्क नंबर और टोल फ्री नंबर जारी करे। शुद्ध के लिए युद्ध अभियान की प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए'

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने खाद्य पदार्थों में मिलावट से कैंसर सहित अन्य जानलेवा बीमारियां होने पर चिंता जताते हुए इसे रोकने के लिए बनाये गये कानून का प्रभावी क्रियान्वयन करने को कहा है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में स्व प्रेरणा से प्रसंज्ञान लेते हुए गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य मंत्रालय, खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण, कृषि विभाग के साथ-साथ राज्य के मुख्य सचिव, एसीएस गृह, एसीएस खाद्य सुरक्षा और एसीएस स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस अनूप ढंड ने ये आदेश इस संबंध में स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लेते हुए दिए। अदालत ने कहा कि, संबंधित अधिकारी खाद्य पदार्थों में मिलावट को लेकर नियमित सैंपल की जांच करें और हर माह के अंत में अदालत में रिपोर्ट पेश कर इस संबंध में उठाए गए कदमों की जानकारी दें।

अदालत ने कहा कि आज लोग बहुत सी जिम्मेदारियों को पूरा करने में व्यस्त है। ऐसे में हम यह जानने के लिए बहुत कम समय देते हैं कि, जो हम रोज खा रहे हैं, वह सुरक्षित है या नहीं। अदालत ने यह भी कहा कि वर्ष 2020 में खाद्य सुरक्षा मानक बिल बनाया गया था, लेकिन उसे अब तक कानूनी रूप नहीं दिया गया है। अदालत ने कहा कि, सरकार मिलावट के मुद्दे को गंभीरता से ले, ताकि जीवन बचाया जा सके। अदालत ने राज्य सरकार को कहा कि शुद्ध के लिए युद्ध अभियान को त्यौहार या शादी के सीजन तक सीमित नहीं रखा जाए।

अदालत ने मिलावट पर अंकुश लगाने और इसकी मॉनिटरिंग के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय कमेटी के साथ-साथ संबंधित कलेक्टरों की अध्यक्षता में कमेटी गठित करने को कहा है। अदालत ने जोधपुर और जयपुर के सभी वरिष्ठ अधिवक्ताओं, बार कौंसिल के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सहित अन्य वकीलों को कहा है कि वह इस संबंध में अदालत में अपना सहयोग प्रदान करे। इसके साथ ही अदालत ने आदेश की पालना के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय व मुख्य सचिव को आदेश की कॉपी भेजी है।

अदालत ने कहा कि खाद्य पदार्थों में मिलावट से कैंसर सहित अन्य जानलेवा बीमारियां हो रही हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के रिकॉर्ड के अनुसार बीस फीसदी खाद्य पदार्थ मिलावटी या तय मानक स्तर के नहीं है। वहीं खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के सर्वे के अनुसार 70 फीसदी दूध में पानी मिला होता है। सर्वे में दूध में डिटर्जेंट भी मिला है

अदालत ने कहा कि खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2006 समस्या का पूरी तरह समाधान नहीं करता। अधिनियम असंगठित क्षेत्र, हॉकर्स आदि पर लागू न होकर सिर्फ प्रोसेसिंग यूनिट पर ही लागू होता है। इसके अलावा सैंपल जांचने की लैब की भी कमी है। तकनीक के अभाव में खाद्य प्राधिकारी उचित निगरानी नहीं रख पाते हैं।

हाईकोर्ट ने निर्देश दिये कि केन्द्र और राज्य सरकार खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2006 को अधिक प्रभावी बनाने के लिए कदम उठाए। राज्य खाद्य सुरक्षा प्राधिकारी मिलावट को लेकर हाई रिस्क एरिया और समय चिन्हित करे। प्राधिकारी उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशाला का संचालन सुनिश्चित करे। सीएस और कलेक्टर की अध्यक्षता में राज्य व जिला स्तरीय कमेटी का गठन। केन्द्र व राज्य सरकार वेबसाइट बनाए, जिसमें खाद्य सुरक्षा अधिकारियों, जिम्मेदार अफसरों के संपर्क नंबर और टोल फ्री नंबर जारी करे। शुद्ध के लिए युद्ध अभियान की प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए।

भाजपा विधायक दल की बैठक आज

जयपुर। भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं विधायक जितेंद्र गोठवाल ने कहा कि विधानसभा की कार्यवाही 3 जुलाई से चलेगी। वहीं मुख्यमंत्री निवास पर मंगलवार को विधायक दल की बैठक आयोजित की जाएगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश की जनता से जुड़ा हुआ बजट पेश किया जाएगा। वहीं विपक्ष के द्वारा लगाए गए सवालों के जवाब भी कैबिनेट के मंत्रियों द्वारा तैयार करवाए गए है। भाजपा की सरकार बनने के बाद सदन में पिछली विधानसभा के लंबित सवालों के जवाब भी 3 माह के दौरान पेश करने के लिए पाबंद किया गया है। ऐसे में वर्तमान में सदन में लगाए गए सभी सवालों को जवाब समय पर लगाए जाएंगे। भाजपा प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल ने कहा कि कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और विपक्ष द्वारा सदन की कार्यवाही नहीं चलने के बयान जारी कर रहे है। ऐसे में उनके बयान से यह प्रतीत होता है कि उनके पास सदन में चर्चा के लिए कोई विषय नहीं है।

मनजिंदर सिंह ने दक्षिण पश्चिमी कमांड की कमान संभाली

लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह

जयपुर (कासं)। लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने 1 जुलाई 2024 को प्रेरणा स्थल में एक समारोह में श्रद्धांजलि अर्पित कर, जयपुर स्थित सप्त शक्ति कमांड की बागडोर संभाली।

ज्ञात रहे कि लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खडकवासला और भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून के छात्र हैं। उन्होंने दिसम्बर 1986 में 19 मद्रास में कमीशन लिया। करीब 37 साल के अपने प्रतिष्ठित और शानदार सैन्य करियर में, उन्हें जम्मू कश्मीर और पश्चिमी मोर्चे पर कमांड और स्टाफ नियुक्तियों का गौरव प्राप्त हुआ है। जनरल ऑफिसर ने जम्मू कश्मीर में काउंटर इंसर्जेन्सी ऑपरेशन में अपनी बटालियन की कमान संभाली, नियंत्रण रेखा पर इन्फैंट्री ब्रिगेड, डेजर्ट स्ट्राइक कोर के हिस्से के रूप में एक इन्फैंट्री डिवीजन और जम्मू कश्मीर में काउंटर इंसर्जेन्सी ऑपरेशन में नियंत्रण रेखा पर तैनात कोर की कमान भी संभाली। उनकी विभिन्न स्टाफ नियुक्तियों में जम्मू कश्मीर में काउंटर इंसर्जेन्सी ऑपरेशन में तैनात कोर में कर्नल जीएस (आईडब्ल्यू) और कमांड मुख्यालय में कर्नल जीएस (ऑप्स/एयर), बीजीएस (ऑप्स), एमजीजीएस (ऑप्स) और सीओएस शामिल हैं। उनकी अनुदेशात्मक नियुक्तियों में भारतीय सैन्य अकादमी में प्लाटून कमांडर और प्रशिक्षक सीएलसी और भारतीय सैन्य प्रशिक्षण दल (इम्ट्राट), भूटान में डीएस कोऑर्ड शामिल हैं।

राहुल गांधी का बयान अति निंदनीय : वैष्णव

जयपुर। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि राहुल गांधी के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि जिंदगी भर बिना जिम्मेदारी के पावर एंजॉय करने वाले राहुल गांधी ने आज पहली बार जिम्मेदारी का पद ग्रहण करने के बाद भी बेहद गैर जिम्मेदाराना बयान दिया है। अध्यक्ष पद पर उनका बयान बेहद गैर जिम्मेदाराना और अति निंदनीय है। कांग्रेस और राहुल गांधी का यह पुराना चाल, चरित्र और चेहरा जिसने हमेशा देश की संवैधानिक संस्थाओं और व्यवस्थाओं को कमजोर किया है। इससे पहले उन्होंने प्रेस क्लब में अपनी ही सरकार का अध्यादेश फाड़ दिया था।

वैष्णव ने कहा कि मनमोहन सिंह की लोकतांत्रिक सरकार को अलोकतांत्रिक तरीके से नेशनल एडवाइजरी कमेटी के नाम पर सोनिया गांधी चलाती थीं। कांग्रेस वो पार्टी जिसने कमिटेड ज्यूडिशरी की बात की। राहुल गांधी भारतीय संस्कृति से अनभिज्ञ हैं। राहुल गांधी ने अयोध्या में मुआवजे पर झूठी और भ्रामक बात कही। 4215 दुकानदारों को 1253 करोड़ से ज्यादा का मुआवजा दिया जा चुका है। इसके अलावा दुकानों को जन भागीदारी के तहत रीलोकेट भी किया गया है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने आज संपूर्ण हिंदू समाज को हिंसक और असत्यवादी बताया है। यह बेहद निंदनीय, दुर्भाग्यपूर्ण और पूरे हिंदू समाज का अपमान है। 2010 में इनके तत्कालीन मंत्री पी चिंदबरम ने और 2013 में इनके तत्कालीन गृह मंत्री सुशील कुमार शिंदे ने हिंदुओं को आतंकवादी बताया था। 2021 में राहुल गांधी ने कहा था कि हिंदुत्ववादियों को देश से बाहर निकाल देना चाहिए। राहुल गांधी ने विपक्ष के नेता के पद को बेहद नीचा किया है। संसद में चर्चा के दौरान हिंदुओं को हिंसक और असत्यवादी बताना किसी भी तरीके से नेता विपक्ष के लिए शोभनीय नहीं है।

'संकल्प पत्र' के क्रियान्वयन के लिए 47 विभागों की बैठक ली उपमुख्यमंत्री ने

जयपुर । उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा ने संकल्प पत्र-2023 के क्रियान्वयन के लिए 47 विभागों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने कहा कि सरकार, राजस्थान को देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए काम कर रही है। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ एकजुट होकर काम करें। संकल्प पत्र मे से 38 बिन्दुओं की पूर्ण क्रियान्विति की जा चुकी है, शेष बचे सभी वादे जल्द पूरे किए जाएंगे।

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द सोमवार को शासन सचिवालय स्थित सभागार में संकल्प पत्र के 9 थीम पर आधारित 343 बिन्दुओं की क्रियान्विति के लिए इनसे संबंधित 47 विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव एवं शासन सचिवों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के प्रदेश के नवनिर्माण के संकल्प को पूरा करने के लिए संकल्प पत्र के ऐसे बिन्दु जिनका सीधा सम्बन्ध जनहित से है उनको प्राथमिकता देकर शीघ्र कियान्वयन सुनिश्चित करें। उपमुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि सभी विभाग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्ग दर्शन में संकल्प पत्र के बिन्दुओं की समयबद्ध क्रियान्विति सुनिश्चित करेंगे, जिससे प्रदेश के वंचित वर्गो सहित आम आदमी के जीवन स्तर में गुणात्मक परिवर्तन आ सकेगा।

राज्यपाल को जन्मदिन की बधाई दी

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने सोमवार को राजभवन पहुंचकर राज्यपाल कलराज मिश्र को जन्मदिन की बधाई और शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने मिश्र को जन्म दिन पर श्रीनाथजी की छवि भी उपहार स्वरूप भेंट की। मुख्यमंत्री ने राज्यपाल के स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना की।

जयपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को फोन कर राज्यपाल कलराज मिश्र को जन्म दिन की बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने फोन पर राज्यपाल मिश्र के आदर्श व्यक्तित्व और अनुकरणीय बताते हुए उनके स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना की।

राज्यपाल के जन्म दिन पर सोमवार प्रात: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें फोन कर बधाई और शुभकामनाएं दी। मोदी ने मिश्र के स्वस्थ एवं दीर्घायु होने की कामना करते हुए कहा कि देश की सभी संवैधानिक संस्थाओं में काम करते हुए उन्होंने शुचिता के साथ आदर्श जीवन मूल्यों को जिया है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने राजभवन पहुंचकर राज्यपाल कलराज मिश्र को जन्मदिन की बधाई और शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने मिश्र को जन्म दिन पर पुष्पगुच्छ के साथ श्रीनाथजी की छवि भी उपहार स्वरूप भेंट की और शॉल, दुपट्टा ओढाकर उनका अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने राज्यपाल के स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना की। मिश्र को जन्म दिन पर जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा सहित देश के विभिन्न राज्यों से मंत्री, सांसद, विधायक एवं विशिष्टजन ने भी फोन कर बधाई दी।

डॉ. राहुल अग्रवाल की याद में भजन संध्या आज

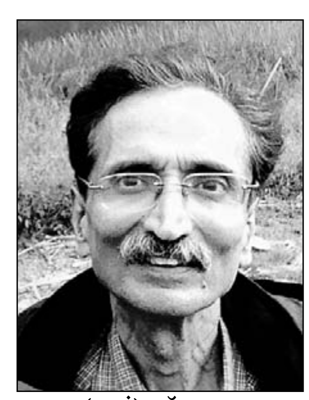

जयपुर (कासं)। डॉ. राहुल अग्रवाल की याद में जयपुर के बनीपार्क स्थित बनीपार्क धर्मार्थ संस्थान में मंगलवार शाम 5 से 6 बजे तक भजन संध्या आयोजित की जायेगी। डॉ. अग्रवाल बेहद संजीदा, लोकप्रिय और समाजसेवी के तौर पर जाने जाते रहे हैं। वे सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज जयपुर से "मास्टर ऑफ सर्जरी" विषय के स्वर्ण पदक विजेता रहे। उन्होंने करीब 2 दशक तक प्लास्टिक सर्जरी के नि:शुल्क शिविर भी लगाए।

डॉ. राहुल अग्रवाल के पिता सतीश चंद्र अग्रवाल जनसंघ के वरिष्ठ नेता और प्रखर वक्ता थे। वे वर्ष 1977 से 1984 तक दो बार जयपुर से सांसद रहे, बाद में राज्यसभा के लिए चुने गए। सतीश चंद्र अग्रवाल वर्ष 1977 से 1979 तक केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री भी रहे।

घर के बाहर कार में बैठी स्कूल टीचर से दिनदहाड़े लूट

जयपुर। शिप्रा पथ इलाके में घर के बाहर कार में बैठी प्राइवेट स्कूल टीचर से बदमाश दिनदहाड़े ज्वेलरी लूट ले गए। पुलिस जानकारी में सामने आया है कि रास्ता पूछने के बहाने बाइक सवार तीन बदमाश कार के पास आकर रुके। इसमें से एक बाइक से उतरा और कार में बैठी टीचर के पास गया। रास्ता पूछने के बहाने पहले तो गले से चेन तोड़ी, हड़बड़ी में चेन कार में ही गिर गई। इसके बाद बदमाश ने कलाई से ब्रेसलेट खींच ली और बाइक पर बैठकर फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

पुलिस ने बताया कि शिप्रा पथ निवासी सुनीता जैन रविवार दोपहर साढे 3 बजे अपने 7 साल के बेटे अयांश के साथ पार्क जाने के लिए कार में बैठी थी। अयांक और मैं दोनों सीट बेल्ट लगा रहे थे। तभी बाइक पर तीन लड़के आए। एक लड़का नीचे उतरा और पता पूछने के बहाने कार के पास आया और मेरे गले पर झपट्टा मारा तो मैंने उसका हाथ पकड़ लिया। इस जद्दोजद्द में चेन टूटकर कार में नीचे गिर गई।

मंत्री जोराराम ने लॉन्च किए जयपुर डेयरी के 6 उत्पाद

जयपुर । पशुपालन, डेयरी व गौपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने जयपुर सरस डेयरी के 6 उत्पाद लॉन्च किए। उन्होंने जयपुर डेयरी द्वारा चलाई जा रही "चल प्रयोगशाला" द्वारा दूध की गुणवत्ता बनाये रखने को महत्वपूर्ण बताते हुए इनकी संख्या बढ़ाने के लिए कहा। जयपुर डेयरी द्वारा उरमूल, बीकानेर के गाय के दूध "थार अमृत" को लॉन्च करते हुए जोराराम कुमावत ने कहा कि उपभोक्ताओं को गाय का शुद्ध और पौष्टिक दूध उपलब्ध कराना पुण्य का काम है। गृह एवं गोपालन राज्यमंत्री जवाहर सिंह बैढम ने कहा कि राजस्थान में डेयरी विकास की अपार संभावनाएं हैं, जिन्हें तलाशने में सहकारी डेयरियों की महत्ती भूमिका है। प्रमुख शासन सचिव विकास सीताराम भाले ने कहा कि जयपुर डेयरी को गाय के दूध के साथ-साथ उच्च गुणवत्तायुक्त और शुद्ध गाय के घी की भी लॉन्चिंग करनी चाहिये। राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन की प्रबन्ध संचालक सुषमा अरोड़ा कहा कि आने वाले दिनों में सरस के कुछ और प्रोडक्टस की भी लॉन्चिंग की जावेगी, जिसमें ऊंटनी के दूध से बने बिस्कुट और कैमल मिल्क पाउडर शामिल है। जयपुर डेयरी अध्यक्ष ओम पूनियां ने डेयरी के 50 वर्षो की विकास यात्रा का उल्लेख करते हुऐ पिछले कुछ वर्षो के दौरान जयपुर डेयरी की उपलब्धियों को रेखांकित किया और भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला।

उन्होंने मांग की कि गुजरात की अमूल डेयरी के जैसे जयपुर डेयरी को पूर्ण स्वायत्ता दी जानी चाहिये ताकि वह अपने व्यापार से संबंधित निर्णय स्वयं ले सके। जयपुर डेयरी के प्रबन्ध संचालक मनीष फौजदार ने सभी गणमान्य अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जयपुर डेयरी द्वारा छाछ के दो नये फलेवर पोदीना छाछ और तड़का छाछ की लान्चिंग के साथ-साथ आईसक्रीम के तीन नये फलेवर वनीला शुगर फ्री, अमेरीकन नटस और स्ट्रोबेरी की लान्चिंग की गई।

इसके अलावा बीकानेर की उरमूल डेयरी के गाय के दूध थार अमृत की भी लान्चिंग की गई। उन्होंने कहा कि 250 एमएल छाछ के दोनों फलेवर 15 रुपये प्रति पैक दी दर से उपलब्ध होंगे जबकि गाय का 500 एमएल दूध 28 रुपये में और 1 लीटर दूध 56 रुपये में उपलब्ध होगा।

पतंजलि फूड्स लिमिटेड के होम एंड पर्सनल केयर बिजनेस का अधिग्रहण किया

जयपुर, (का.सं.)। पतंजलि फूड्स लिमिटेड के बोर्ड ने पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के होम एंड पर्सनल केयर बिजनेस के अधिग्रहण के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इससे कंपनी के एक अग्रणी एफएमसीजी स्पेस में एक मजबूत ब्रांड इक्विटी और देश भर में एक वफादार उपभोक्ता आधार रखती है। इस एचपीसी व्यवसाय में वर्तमान में चर प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं जिनमें डेंटल केयर, स्किन केयर, होम केयर और हेयर केयर शामिल हैं। एचपीसी व्यवसाय के अधिग्रहण की यह रणनीतिक पहल कंपनी के मौजूदा एफएमसीजी उत्पाद के पोर्टफोलियो को प्रतिष्ठित ब्रांडों की एक श्रृंखला के साथ मजबूत करेगी और राजस्व एवं एबिटा की वृद्धि में भी योगदान देगी।

पीएफएल, पीएएल के संपूर्ण व्यवसाय को एक चालू व्यवसाय के आधार पर अधिग्रहीत करने के लिये तैयार है, और इसमें व्यवसाय, संबंधित कर्मचारियों वितरण नेटवर्क, अनुबंधों, लाईसेंसों, परमिटों सहमतियों और इस ऑपरेशन के लिये आवश्यक अनुमोदनों से संबंधित सभी परिसंपत्तियां और देनदारियां शामिल हैं।

एचपीसी व्यवसाय के हस्तांतरण के लिये कंपनी और पीएएल के बीच 1100 करोड़ रुपये की एकमुश्त राशि पर पारस्परिक रुप से बातचीत की गई है, जो प्रथागत समापन तिथि समायोजन और कंपनी और पीएएल के बीच निष्पादित किये जाने वाले व्यवसाय हस्तांतरण समझौते में निर्धारित अन्य शर्तों के अधीन होंगी।

कैबिनेट की बैठक आज

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में कैबिनेट की बैठक का आयोजन किया जाएगा। इस बैठक में कहीं महत्वपूर्ण निर्णय पर चर्चा की जाएगी। कैबिनेट की बैठक में विधानसभा में बजट सत्र में किए जाने वाले विधायी कार्यों के अनुमोदन, विधानसभा में रखे जाने वाले बिलों को लेकर विचार किया जाएगा। तबादला नीति के विभागों के अलग अलग प्रारूप को लेकर चर्चा की जाएगी।

कल्चरल सोसायटी के 66 वर्ष पूर्ण हुए

जयपुर (कासं)। राजस्थान की प्रथम पंजीकृत सांस्कृतिक संस्था कल्चरल सोसायटी ऑफ राजस्थान ने अपने 66 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं।

संस्था के महामंत्री सुरेश त्रिवेदी ने बताया कि पिछले 66 सालों में संस्था ने कई तत्कालीन उदीयमान और आज के प्रसिद्ध कलाकारों को मंच प्रदान कर उत्साहित व स्थापित किया है।

सहकारी समितियां नवाचारों के साथ ग्रामीण जीवन सरल-सुगम बनाएं : गौत्तम कुमार दक

सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक ने सोमवार को सहकार भवन में एन.सी.डी.सी. के क्षेत्रीय उत्कृष्टता एवं श्रेष्ठता पुरस्कार-2023 के पुरस्कार वितरण किये।

- प्रदेश की 8 सहकारी समितियां उत्कृष्टता एवं श्रेष्ठता पुरस्कार-2023 से सम्मानित

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक ने कहा कि सहकारी समितियों को स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुये नवाचारों को अपनाना चाहिये, ताकि ग्रामीण जीवन को सरल और सुगम बनाया जा सके।

दक सोमवार को सहकार भवन में एनसीडीसी के क्षेत्रीय उत्कृष्टता एवं श्रेष्ठता पुरस्कार-2023 के पुरस्कार वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की पहल पर 54 नये नवाचार हुए है। सहकारिता में विकास की अकूत संभावनाएं हैं। आज सहकारी समितियां सुपर स्टोर के संचालन के साथ-साथ पेट्रोल पम्प, गैस एजेन्सी आदि का संचालन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि पुरस्कार प्राप्त करने वाली सहकारी समितियां अपने जिले की अन्य सहकारी समितियों को भी उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित करे एवं उनका सहयोग करे।

सहकारिता मंत्री ने एनसीडीसी के द्विवार्षिक पुरस्कार समारोह में चार श्रेणियों में उत्कृष्टता और श्रेष्ठता के तहत पुरस्कार दिये गये। सर्वश्रेष्ठ पैक्स श्रेणी में क्षेत्रीय उत्कृष्टता के लिए पलसाना ग्राम सेवा सहकारी समिति, सीकर को 25 हजार रूपये एवं स्मृति चिन्ह तथा क्षेत्रीय श्रेष्ठता के लिये 24 एपीडी ग्राम सेवा सहकारी समिति, अनूपगढ़ को द्वितीय पुरस्कार के रूप में 20 हजार रूपये एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

इसी प्रकार सर्वश्रेष्ठ केवीएसएस श्रेणी में क्षेत्रीय उत्कृष्टता के लिए बांसवाडा क्रय विक्रय सहकारी समिति, बांसवाडा व क्षेत्रीय श्रेष्ठता के लिये कोटपूतली क्रय-विक्रय सहकारी समिति लि., कोटपूतली तथा सर्वश्रेष्ठ महिला सहकारी समिति की श्रेणी में क्षेत्रीय उत्कृष्टता के लिए आपणी सहकारी सेवा समिति लि., माधोराजपुरा, क्षेत्रीय श्रेष्ठता के लिये महिला सहकारी समिति में केलू महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति लि., अजमेर, को सम्मानित किया गया। इसी प्रकार सर्वश्रेष्ठ प्राथमिक दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति श्रेणी में क्षेत्रीय उत्कृष्टता के लिये सराधना दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति लि. तथा क्षेत्रीय श्रेष्ठता के लिये जेठाना दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति को सम्मानित किया गया। क्षेत्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार के लिये चयनित सोसायटी को एक ट्रॉफी, स्मृति चिह्न तथा 25 हजार रुपये का चैक तथा श्रेष्ठता पुरस्कार के लिये एक ट्रॉफी, स्मृति चिह्न तथा 20 हजार रुपये का चैक देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रजिस्ट्रार अर्चना सिंह, प्रबंध निदेशक एसएलडीबी, विजय शर्मा सहित पुरस्कृत सहकारी समितियों के पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित थे।

नये जिलों के पुर्णगठन की रिपोर्ट 15 दिन में देगी हाईपावर कमेटी

जयपुर । उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा ने निर्देश दिए कि नए जिलों के पूर्णगठन के लिये गठित उच्च स्तरीय विशेषज्ञ कमेटी 15 दिवस के भीतर सभी व्यवहारिक बिन्दुओं पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होने स्पष्ट किया कि नए जिलो के गठन का मूल उद्देश्य राजनीति से प्रेरित ना होकर जनहित आधारित होना चाहिये। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा सोमवार को सचिवालय में राजस्व विभाग के साथ नए जिलों के पुर्नगठन को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होने राजस्व विभाग के अधिकारियो को निर्देश दिए कि नए जिलों के पुर्नगठन की प्रक्रिया आमजन की सुविधा को ध्यान में रखकर, आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता, भौगालिक स्थिति, जनसंख्या के आधार पर हो।

'टीबी मुक्त' अभियान का तीसरा चरण

जयपुर । चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशों पर राजस्थान को वर्ष 2025 तक टीबी मुक्त बनाने की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ प्रयास सुनिश्चित किए जा रहे है।

शराब कारोबारी व खनन ठेकेदारों को धमकी देकर रंगदारी मांगने वाली गैंग का पर्दाफाश

जयपुर । चित्रकूट नगर थाना पुलिस ने शराब कारोबारी व खनन व्यवसायी को धमकी देकर रंगदारी वसूलने वाली गैंग का पर्दाफाश करते हुए 9 बदमाशों को दो मामलों में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से दो हथियार व 6 जिंदा कारतूस बरामद करते हुए बड़ी सफलता हासिल कि है। पुलिस ने पूर्व में भी 14 आरोपितों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की थी। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से एक देशी कट्टा व एक जिंदा कारतूस और जेल में अपने अपराधी साथियों के उपयोग में लेने के लिए जेल में फेंकने के लिए खरीदे गए 2 मोबाइल फोन बरामद किए थे।

पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ के सुपरविजन में कैलाश चंद विश्नोई अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रथम ने बताया कि बताया की जयपुर में संगठित आपराधिक गैंग के नाम पर जान से मारने की धमकी देकर फिरोती मांगने की बढ़ रही वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए विशेष टीम का गठन किया गया था। इस पर चित्रकूट थाना पुलिस ने विशेष टीम के माध्यम से पूर्व में भी 14 आरोपितों को देशी कट्टा व एक जिंदा कारतूस व जेल में फेकने के लिए खरीदे गए दो मोबाइल फोन बरामद किए थे।

चित्रकूट थाना पुलिस ने अजमेर जेल हाई सिक्यूरिटी जेल से प्रोडक्सन वारंट पर विक्रम गुर्जर (28) गांव बामड़ा जोहडा, खण्डेला, सीकर निवासी, मुकेश जाट (26) ढ़ाणी लखावाली, गांव अमरसर, शाहपुरा निवासी, कुलदीप चौधरी (33) इन्द्रा कॉलोनी, सुभाष मंडी, नीमकाथाना को गिरफ्तार किया था।

आरोपितों ने पुलिस पूछताछ में बताया कि सीकर संभाग एवं आसपास के इलाको के ठेके तथा खनन कार्य से जुड़े लोगों को धमकी देने व एक्सट्रोशन की प्लानिंग की जा रही है।

इस पर आरोपितों की धरपकड़ के लिए वैशाली नगर अधिकारी रविंद्र सिंह व चित्रकूट थाना अधिकारी जहीर अब्बास ,दौलतपुरा थानाधिकारी मनीष शर्मा, डीएसटी इंचार्ज गणेश नारायण व तकनीकी टीम का विशेष गठन कर वैशाली नगर पश्चिम द्वार कार्रवाई करते हुए सोनू सिंह (25) सुरेली, बनेठा, टोंक निवासी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से एक रिवाल्वर,एक देशी कट्टा तथा 6 जिंदा कारतूस बरामद किए है।

पुलिस ने सोनू सिंह के सहयोगी लोकेश साहू उर्फ मोदी (27) शेरपुर,सवाईमाधोपुर निवासी, गिरधारी मान गांव रानीपुरा, मानावली ढ़ाणी, शाहपुरा निवासी, हंसराज गुर्जर (19) नागकुण्ड भगोवा, गोकुलपुरा, सीकर निवासी, जयसिंह राव (30) दादिया, अराई अजमरे निवासी, कुलदीप वैष्णव (24) आजाद नगर मदनगंज, किशनगढ़ निवासी को गिरफ्तार किया।

पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि जय सिंह का काम गैंग को वाहन उपलब्ध करवाना था तथा गैंग के अन्य सदस्य चिन्हित लोगों तथा ठिकानों पर फायरिंग करने की योजना थी।

लेकिन पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपितों की योजना को विफल कर दिया।

सडक हादसे में युवक की मौत

करौली (नि.स.)। ट्रैक्टर की चपेट में आने से मोटरसाईकिल सवार युवक की मौत हो गई।

करौली अस्पताल की मोर्चरी मे पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। सदर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। हादसा जिला मुख्यालय के पांचना बांध के पास सैंगरपुरा रोड पर हुआ।

सदर थानाधिकारी योगेंद्र शर्मा ने बताया कि शुक्रवार रात पांचना बांध के पास सेंगरपुरा रोड पर एक ट्रैक्टर ने मोटरसाईकिल को टक्कर मार दी। दुर्घटना में मोटर साईकिल सवार राहुल पुत्र मुखराज गुर्जर निवासी पीपलपुरा गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायल को उपचार के लिए करौली अस्पताल लाया गया। जहां डॉ. ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक का शव अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। जहां शनिवार को पोस्टमॉर्टम की कार्यवाही के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

मृतक का शुक्रवार को ही जन्मदिन था। वह जन्मदिन मनाने के बाद दोस्तों को गुडला बस स्टैंड छोड़ कर गांव जा रहा था।

इस दौरान हादसा हो गया। राहुल कृषि पर्यवेक्षक परीक्षा की तैयारी कर रहा था। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में परिजन और ग्रामीण हॉस्पिटल में एकत्रित हो गए। शांति और सुरक्षा के लिए अस्पताल मे पुलिस जाप्ता तैनात किया गया।

मुख्यमंत्री ने किसान सम्मान निधि योजना का शुभारम्भ किया

करौली(नि.स.)। प्रदेश के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने रविवार को राजस्थान के किसानों के लिए मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का शुभारम्भ किया। राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन टोंक से कृषि उपज मण्डी

> ■ **मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने प्रदेश की विषम भौगोलिक परिस्थितियों एवं किसानों की कृषि संबंधी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए किसानों को प्रतिवर्ष 2हजार रुपये की अतिरिक्त राशि देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया।**

प्रांगण में किया गया। जिसमें प्रदेश के 65 लाख से अधिक किसानों को योजना के तहत प्रथम किश्त के रूप में 650 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का सीधा उनके बैंक खातों में हस्तान्तरण किया किया। जिला स्तरीय समारो मे मे

करौली के सूचना केंद्र मे आयोजित किसान सम्मान निधि कार्यक्रम मे अधिकारी व विधायक

जिले के 1 लाख 26 हजार पात्र किसानों को मुख्यमंत्री ने योजना के तहत 12 करोड 60 लाख रू सीधे ही उनके खाते मे ट्रांसफर किये।

जिला स्तरीय समारोह सूचना केन्द्र के टाउनहॉल में आयोजित किया गया। जिला स्तरीय समारोह में 300 से अधिक किसानों ने जिला स्तरीय समारोह में हिस्सा लिया।

समारोह मे मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने प्रदेश की विषम भौगोलिक परिस्थितियों एवं किसानों की कृषि संबंधी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए किसानों को प्रतिवर्ष 2हजार रुपये की अतिरिक्त राशि देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया।

मुख्यमंत्री द्वारा पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत प्रदेश के 65 लाख से अधिक पात्र लाभार्थी किसानों को प्रथम किश्त के रूप में एक हजार रूपये सीधे उनके खाते में ट्रांसफर किए गए।

दूसरी व तीसरी किश्त के रूप में 500-500 रुपये उनके खातों में पीएम किसान सम्मान निधि योजना की किश्त के साथ हस्तान्तरित किये जायेंगे।जिला, पंचायत समिति व ग्राम पंचायत स्तर पर वर्चुअली कार्यक्रम आयोजित हुए जिला प्रशासन द्वारा जिला स्तर के साथ ब्लॉक व ग्राम पंचायत स्तर पर भी समारोह का अयोजन किया गया।जिला स्तर पर आयोजित समारोह मे विधायक दर्शन सिंह गुर्जर,सपोटरा विधायक हंसराज मीना,जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना,अतिरिक्त जिला कलेक्टर राजवीर सिंह चौधरी, जिला रसद अधिकारी बृजेश गुप्ता,कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक बी.डी शर्मा,उद्यान विभाग के उपनिदेशक रामलाल जाट,सहकारिता विभाग के उपनिदेशक अवतार सिंह मीना,सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय के सहायक निदेशक धर्मेन्द्र मीना सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

डॉक्टर्स संगोष्ठी का आयोजन किया

भरतपुर (निस)। पंजाब नैशनल बैंक मंडल कार्यालय भरतपुर द्वारा डॉक्टर्स डे तथा चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट डे के उपलक्ष्य में एक संगोष्ठी का आयोजन मंडल कार्यालय परिसर में मंडल प्रमुख प्रमोद कुमार के नेतृत्व में आयोजित किया गया जिसमें उन्होंने बताया कि चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट को भारत में सबसे सम्मानित और प्रतिष्ठित सेवा व्यक्तियों में माना जाता है देश के आर्थिक विकास में चार्टर्ड अकाउंटेंट की महत्वपूर्ण भूमिका है वर्ष 1949 में भारतीय संसद द्वारा एक कानून के माध्यम से इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट ऑफ इंडिया की स्थापना की। आईसीएआई के स्थापना दिवस पर चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट को सम्मान देने के उद्देश्य से इस दिन को चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट डे के रूप् में मनाया जाता है अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक अकाउंटेंट के बाद आईसीएआई विश्व की दूसरी सबसे बड़े अकाउंटिंग बॉडी है। अरबिंदो द्वारा दिए गए आईसीएआई के आधिकारिक प्रतीक में गरुड ओर उपनिषदों का एक उद्धरण है या एषा सुप्तेषु जागृति जिसका अर्थ है वह जो उन लोगो मे जागता है जो सोते है। इसके साथ साथ डॉक्टर्स भी हमारे भगवान के समान होते हैं जो मुश्किल परिस्थितियों में हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण होते इस अवसर पर उपस्थित सभी चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट ने अपने सुझाव संगोष्ठी रखे एवं कार्यक्रम के अंत मे मण्डल कार्यालय परिसर मे वृक्षारोपण भी किया गया

सार-समाचार

ए.डी.एम. को सौंपा ज्ञापन

धौलपुर। राजस्थान ग्राम विकास अधिकारी संघ के जिला अध्यक्ष श्रीभान सिंह गुर्जर के नेतृत्व में अतिरिक्त जिला कलेक्टर ब्रह्मलाल जाट को पंचायती राज मंत्री मुख्य सचिव एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग तथा अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह विभाग के नाम ज्ञापन सौंपा है।ज्ञापन में बताया गया है कि सवाई माधोपुर जिले की खंडार पंचायत समिति की ग्राम पंचायत खंडार के ग्राम विकास अधिकारी जितेंद्र शर्मा पर जानलेवा हमला करने वाले बजरी माफिया एवं आदतन अपराधियों के विरुद्ध ठोस कानूनी कार्रवाई नहीं की गई है। जबकि खंडार थाने में 11 जून को मुकदमा संख्या करवा दिया गया था। जिसके 21 दिन बाद भी आज तक पुलिस प्रशासन द्वारा आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की गई हैउन्होंने आरोप लगाया है कि पीड़ित ग्राम विकास अधिकारी को भी लगातार जान से मारने की धमकी देकर मुकदमा वापस लेने का दवाब बनाया जा रहा है। पुलिस प्रशासन पर इस घटना को मोटरसाइकिल से गिरकर दुर्घटना बताने के लिए दवाब बनाया जा रहा है। इस प्रकार की घटना शासन एवं सरकार की कानून व्यवस्था तथा संवेदनशील प्रणाली पर बहुत बड़ा प्रश्न चिन्ह है। इस घटना के कारण प्रदेश के लाखों कर्मचारियों में जबरदस्त आक्रोश व्याप्त है।

डॉक्टर्स डे पर पौधरोपण किया

हिंडौन सिटी । डॉक्टर्स डे के उपलक्ष में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के द्वारा जिला अस्पताल परिषद में 11 छायादार वृक्ष लगाकर पौधरोपण अभियान की शुरुआत की गई। गौरतलब है कि डॉक्टर बिधान चंद्र रॉय की स्मृति में पूरे देश भर में 1 जुलाई को डॉक्टर्स डे मनाया जाता है। सचिव डॉ आशीष कुमार शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर पर जिला चिकित्सालय में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया । साथ ही चिकित्सकों के सामाजिक दायित्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने के संदर्भ में विचार विमर्श किया गया। इस अवसर पर औषधीय महत्व के वृक्ष जैसे की अर्जुन, बड़, शीशम के साथ-साथ करंज अशोक आदि के पेड़ लगाए गए। इस दौरान अध्यक्ष डॉ नमो नारायण मीणा, उपाध्यक्ष डॉ एसपी सोलंकी, कोषाध्यक्ष डॉक्टर जल सिंह खटाना, पीएमओ डॉ पुष्पेंद्र गुप्ता, बीसीएमओ डॉक्टर प्रवीण उपस्थित रहे । इनके साथ-साथ शहर के वरिष्ठिचकित्सक डॉ सुरेश गर्ग, डा आर एल कोली, डॉक्टर जेपी मीणा, डॉक्टर रामावतार बंसल, डॉ सुनील गुप्ता, डॉक्टर मनीष अठावाल, डॉक्टर पंकज, डॉक्टर देवेंद्र, डॉक्टर जयवीर बेनीवाल, डा रामराज मीणा, डॉक्टर अवधेश सोलंकी, डॉ बृजेश चौधरी, डॉक्टर डीएन शर्मा सहित काफी संख्या में चिकित्सकउपस्थित रहे।

नालो का निरिक्षण किया

गंगापुर सिटी। कलेक्टर डॉ. गौरव सैनी ने बारिश के मौसम को देखते हुए सोमवार को उदेई मोड, रीको क्षेत्र, सालोदा मोड और अन्य स्थानों पर बरसाती नालों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अवरुद्ध नालों की साफ-सफाई, अतिक्रमण, मलबा हटाने आदि से संबंधित कार्यों को जमीनी स्तर पर जांचा। कलेक्टर ने कहा कि निरीक्षण का उद्देश्य अवरुद्ध नालों की साफ सफाई सुनिश्चित कर बारिश के मौसम में आमजन को जलभराव की स्थिति से जल्द निजात दिलाना है। इस दौरान उन्होंने तत्परता से एक अवरूद्ध नाले को सुचारू रूप से चालू करवाया गया। साथ ही लोगों द्वारा किए गए अतिक्रमण को भी उक्त स्थान से हटवाया। वहीं शहर के सभी नालों की सफाई और मलबा हटाने के कार्य को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश नगर परिषद आयुक्त रिंकल गुप्ता और सहायक अभियंता तरुण कुमार जैन को दिए। इस दौरान उन्होंने निचले इलाके को (जहां जलभराव की अधिक संभावना रहती है) चिन्हित कर नियमित रूप से साफ सफाई और जल निकासी की सुदृढ व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए, ताकि आमजन को जलभराव की स्थिति का सामना नहीं करना पडे। इस दौरान कलेक्टर ने आमजन से बात कर अपील की कि वे भी सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल से बचें। अन्य प्लास्टिक या बरसाती नालों को अवरुद्ध करने वाले ठोस कचरे और मलबा आदि को इन नालों में नहीं डालें। सावधानी रखें और नगर परिषद अधिकारियों और कर्मचारियों का सहयोग करें। जिससे जलभराव की स्थिति से बचा जा सके।

विधुत लाईन से परेशान लोगो ने जाम लगाकर प्रदर्शन किया

करौली(नि.स.)। झूलती, क्षितग्रस्त और बार बार टूटती विद्युत लाइन से परेशान बड़ी हटरिया क्षेत्र के लोगों ने वन-वे सड़क पर जाम लगाकर प्रदर्शन किया। मोहल्ला वासियों ने बार-बार टूटती और झूलती विद्युत लाइनों को बदलने की मांग की। जाम कि सूचना पर विद्युत विभाग की एफआरटी टीम मौके पर पहुंची और क्षितग्रस्त विद्युत लाइन को हटाया। इसके बाद मोहल्ले वासियों ने जाम हटाकर यातायात सुचारू किया। प्रात स्कूल जाने वाले वाहन और काम पर जाने वाले लोगों को जाम के कारण परेशानी का सामना करना पड़ा।बडी हटरिया क्षेत्र निवासी शकुंतला देवी,दीपचंद आदि ने बताया कि प्रात करीब 7:00 बजे एक तेज रफ्तार पिकअप ने क्षितग्रस्त और नीचे झूलती विद्युत लाइन को तोड़ दिया। जिससे विद्युत लाइन सड़क पर गुजर रहे एक युवक के ऊपर गिर गई। गनीमत रही की विद्युत आपूर्ति बंद होने के कारण जनहानि नहीं हुई। क्षेत्र वासियों का आरोप है कि क्षितग्रस्त और झूलती विद्युत लाइनों को लेकर कई बार विद्युत विभाग को अवगत कराया। लेकिन हर बार खानापूर्ति कर विद्युत कर्मी चले जाते हैं। जिसके चलते आए दिन विद्युत लाइन जल जाती है। तेज गर्मी में क्षेत्र वासियों को बार-बार विद्युत ट्रिपिंग का भी सामना करना पड़ता है। कई बार विद्युत विभाग को अवगत कराने के बाद भी समाधान नहीं हुआ। ऐसे में विद्युत लाइन के क्षितग्रस्त होने पर मोहल्ले वासियों का गुस्सा फूट पड़ा। लोगों ने सिनेमा हॉल की गली में सड़क पर ड्रम डालकर जाम लगा दिया। वन-वे मार्ग होने के कारण स्कूल जाने वाले वाहन तथा प्रात काम पर जाने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। जाम की सूचना मिलते ही विद्युत विभाग की एफआरटी मौके पर पहुंची।

डॉ. गर्ग ने केन्द्रीय मंत्री जयन्त चौधरी से की मुलाकात

भरतपुर (निस)। पूर्व मंत्री एवं भरतपुर विधायक डॉ. सुभाष गर्ग ने केन्द्रीय कौशल विकास एवं उधमशीलता मंत्री तथा राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयन्त चौधरी से दिल्ली के

> ■ **भरतपुर व डीग जिले में प्रशिक्षण एवं शैक्षिणक संस्थान खोलने की मांग की**

संसद भवन में मुलाकात कर भरतपुर व डीग जिले में प्रशिक्षण एवं शैक्षिणक संस्थान खोलने की मांग की है साथ ही उन्हें भरतपुर आने का न्यौता भी दिया। डॉ. गर्ग ने केन्द्रीय मंत्री जयन्त चौधरी से दिल्ली जाकर मुलाकात की और भरतपुर तथा डीग जिले में केन्द्रीय विद्यालय सहित नवोदय विद्यालय एवं कस्तुरबा गांधी कन्या विद्यालय, सैनिक स्कूल एवं स्कीलिंग प्रशिक्षण संस्थाऐं खोलने की मांग की। डॉ. गर्ग ने जयन्त चौधरी को पत्र सौंपकर कहा कि भरतपुर व डीग कृषि प्रधान जिले हैं और विद्यार्थियों को पढाई के लिये बेहतर शिक्षा के लिये अन्य स्थानों पर जाना पडता है। यहां के युवा हौनहार होने के साथ ही उनमें पढाई के प्रति ललक है और यहां के विद्यार्थियों ने अपनी योग्यताओं से कई उपलब्धियां हांसिल की हैं। उन्होंने केन्द्रीय मंत्री चौधरी को बताया कि उन्होंने भरतपुर में एज्युकेशन हब बनाने के काफी प्रयास किये हैं और यहां पर कई सरकारी शैक्षिणक एवं प्रशिक्षण संस्थाऐं खुलवाये हैं लेकिन अभी भी शैक्षिणक व प्रशिक्षण संस्थाऐं खोलने की आवश्यकताऐं हैं। आवश्यकताओं को देखते हुये डॉ. गर्ग ने केन्द्रीय मंत्री जयन्त चौधरी से भरतपुर व डीग जिले को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिये केन्द्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, कस्तुरबा गांधी कन्या विद्यालय, सैनिक स्कूल सहित स्कीलिंग प्रशिक्षण संस्थाऐं खोलने का अनुरोध किया है ताकि यहां के विद्यार्थी बेहतर शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्राप्त कर देश के विकास में भागीदारी निभा सकें। इस दौरान डॉ. गर्ग ने चौधरी से राजनैतिक व सामाजिक विषयों पर भी चर्चा की और भरतपुर आने का भी न्यौता दिया।

रक्तदान और पौधारोपण कर आमजन को जागरूक करने का संकल्प लिया

करौली(नि.स.)। डॉक्टर्स-डे के अवसर पर करौली जिला चिकित्सालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर में करौली जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना,हॉस्पिटल पीएमओ डॉ. रामकेश मीणा सहित चिकित्सक,चिकित्सा कर्मी, नर्सिंग छात्र और स्वैच्छिक रक्तदाताओं ने रक्तदान किया।

रक्तदान के बाद करौली मेडिकल कॉलेज में चिकित्सकों द्वारा पौधारोपण किया गया। रक्तदान और पौधारोपण कर आमजन को जागरूक करने और रोगियों की सेवा का संकल्प लिया।

> ■ **डॉक्टर्स-डे के अवसर पर करौली जिला चिकित्सालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।**

करौली विधायक दर्शन सिंह गुर्जर ने डॉ. की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि रक्तदान से रोगियों की जान बचाई जा सकती है। लगभग 30 यूनिट रक्तदान किया गया। करौली हॉस्पिटल के वरिष्ठ सर्जन डॉ. बीएल मीणा ने कहा की दुर्घटना और गंभीर रोगों की स्थिति में रक्त की कमी से रोगी की जान जा सकती है। ऐसे में रक्तदान जान बचाने में सहायक साबित होता है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में रक्तदान के प्रति लोगों में भ्रांतियां हैं।

जिसके चलते अस्पताल को अक्सर रक्त की कमी का सामना करना पड़ता है। लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करने और रक्त उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में सभी ने ऑक्सीजन की कमी का सामना किया था। ऐसे आमजन को पौधारोपण का महत्व समझाने और पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से करौली मेडिकल कॉलेज में पौधारोपण किया गया। वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. महेंद्र मीणा ने कहा कि हम सभी को रक्तदान के साथ ही बर्थ-डे,पुण्यतिथि,जयंती आदि पर रक्तदान,पौधारोपण आदि जैसे कार्य करने का संकल्प लेना चाहिए। जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना ने भी स्वयं रक्तदान करने के साथ ही अन्य को भी प्रेरित करने की अपील की। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता बबलू शुक्ला सहित अस्पताल स्टाफ उपस्थित रहा।

डाक्टरों का सम्मान किया

भरतपुर (निस)। अलायंस क्लब्स इन्टरनेशनल प्रान्त 120एन भरतपुर डाक्टर्स डे व सीए डे पर मुख्य अतिथि महेन्द्र गोष्ठ, डॉ. अशोक गुप्ता, डॉ. दिनेश बंसल, डॉ. रीना खंडेलवाल, डॉ. अरविन्द शर्मा, डॉ. सुशील पाराशर, डॉ. गिरीश सारस्वत, डॉ. भगवान सिंह एवं सीए अतुल मित्तल का इन्टरनेशनल डायरेक्टर ऐली राजेन्द्र प्रसाद शर्मा, एली ओंकार सिंह संधु, मनोज झालानी, सत्यदेव आर्य, पदमा मिनोचा, हरेन्द्र कुमार शर्मा, लक्ष्मी नारायन, गिरधारी गुप्ता, ने शॉल, माला व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन संस्थापक प्रान्तपाल एली राजेन्द्र शर्मा ने डाक्टर्स डे पर प्रकाश डाला व सभी अतिथियों ने अपने विचार प्रस्तुत किये।

कलेक्टर को लिखा पत्र

भरतपुर (निस)। समृद्ध भारत अभियान संस्था के निदेशक सीताराम गुप्ता ने जिला कलक्टर को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि शहर की बगीचियों एवं कुण्डों का जीर्णोद्धार कराया जाये क्योंकि ये रियासत काल से हमारे जीवन का अंग रहे हैं।

अधिकांश बगीचियों पर अखाडे व मीठे पानी के लिए कुए हुआ करते थे जहॉ लोग सुबह शाम स्नान के बाद पूजा पाठ, योग-प्राणायम जैसे नित्य कर्म करते थे। अधिकांश बगीचियों के पास कुण्ड होने के कारण इनमें स्नान करने के साथ लोग तैरना भी सीखते थे।

गुप्ता द्वारा लिखे पत्र में कहा है कि समय के साथ बगीचियों व कुण्डों का अस्तित्व लगभग समाप्त होने के कगार पर पहुँच गया। शहर के चारों तरफ बनी बगीचियों में बने कुओं में मीठा पानी होता था जिसे क्षेत्र के निवासी पानी को

> ■ **शहर की बगीचियों व कुण्डों के जीर्णोद्धार के लिए पत्र लिखा**

काम में लेते थे। इन बगीचियों पर मंदिर अवश्य होते थे जहॉ लोग दोनों समय पूजा-पाठ करने अवश्य आते थे।

चूँकि कुण्डों में वर्षा जल एकत्रित होने से बगीचियों में बने कुओं का पूरे वर्ष पर्यन्त पर्याप्त मीठा जल प्राप्त होता था। पत्र में कहा है कि शहर की कुछ बगीचियों व कुण्डों पर लोगों ने अतिक्रमण कर इनके स्वरूप को लगभग समाप्त कर दिया है। निदेशक सीताराम गुप्ता ने पत्र में कहा है कि संस्था ने जन सहयोग से भूरी सिंह बगीची, अलक-झलक बगीची एवं गोलमोल बगीची का तो जीर्णोद्धार करा दिया है किन्तु अलक-झलक बगीची के पास वायवृक्ष बगीची, जघीना गेट के पास हरीहर बगीची, कलैक्ट्रेट के पास नवगृह कुण्डा बगीची, गणेश मंदिर के पीछे श्मशानेश्वर बगीची, किले के अन्दर बांगड वाले हनुमान बगीची और सीताराम कुण्डा, मलाह रोड पर अलक-झलक कुण्डा, भूरी सिंह व्यायाम शाला के पास का कुण्डा, बी-नारायन गेट बाहर कच्चा कुण्डा व रोशन बाला कुण्डा, गणेश मंदिर के पास धोबी घाट वाला कुण्डा, नवग्रह कुण्डा, बटरा साहब की डिग्गी, एम.एस.जे. कॉलेज परिसर में स्थित डिग्गी, पदम विला डिग्गी, कलक्टर निवास के सामने डिग्गी, एस.पी. ऑफिस के सामने का कुण्डा, सालिगराम कुण्डा, गोलमोल बगीची कुण्डा, आदि का जीर्णोद्धार एवं विकास राज्य सरकार, नगर निगम व नगर विकास न्यास द्वारा कराये जायें।

पोलियो की खुराक पिलाकर किया अभियान का शुभारंभ

करौली में विधायक दर्शन सिंह गुर्जर ने बच्चों को पोलियो कि दवा पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया

करौली (नि.स.)। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का जिला स्तरीय शुभारंभ करौली विधायक दर्शन सिंह गुर्जर द्वारा शहरी पीएचसी गणेश गेट पर किया गया जहां पोलियो बूथ का फीता काटकर अभियान की विधिवत शुरुआत की और बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई। कार्यक्रम में डिप्टी सीएमएचओ स्वास्थ्य डॉ. ओपी मीणा,आरसीएचचो डॉ.राजेश कुमार, पीएमओ डॉ. रामकेश मीणा,यूपीएचसी प्रभारी डॉ. प्रेमराज,डीपीसी-आईईसी लखन सिंह लोधा, पीएचएम स्नेहलता,यूनिसेफ से गौरव शर्मा और गौरव गुप्ता सहित संस्था स्टाफ मौजूद रहे। सीएमएचओ डॉ दिनेश चंद मीना ने बताया कि भारत को पोलियो मुक्त रखने के लिए पुनीत अभियान की शुरुआत हुई है। इसके तहत 0 से 5 साल तक के बच्चों को पल्स पोलियो की खुराक पिलाई गई।

पहले दिन जिले में निर्धारित किए गए टीकाकरण बूथों तथा दूसरे व तीसरे दिन घर-घर दस्तक देकर 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि जिले में 0 से 5 वर्ष के लगभग 178922 बच्चों को 30 जून से लेकर 2 जुलाई के मध्य तीन दिन की अवधि में पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य रखा गया है

शिलान्यास समारोह आयोजित

भुसावर (निस)। छौंकरवाडा सड़क मार्ग पर स्थित श्री आर्य महिला विद्यापीठ के सामने भुसावर पुलिस उपाधीक्षक कार्यालय भवन का शिलान्यास समारोह वैर भुसावर विधानसभा विधायक बहादुर सिंह कोली के मुख्य आतिथ्य और जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपखण्ड अधिकारी सचिन यादव, एएसपी वैर जयनारायण मीणा, नगरपालिका अध्यक्ष सुनीता प्रकाश, इटामडा सरपंच ललितेश रहे। कार्यक्रम में पहुँचे अतिथियों का पुलिस स्टाफ की ओर से शिलान्यास समारोह में सम्मान किया गया। कार्यक्रम में जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा और वैर विधायक बहादुर सिंह कोली ने शुभ मुहूर्त में सीओ कार्यालय भवन की शिला पट्टिका का शिलान्यास और भूमि पूजन किया। जिला पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस उपाधीक्षक कार्यालय भवन मुख्य सडक मार्ग पर बनने से पुलिसिंग व्यवस्था में सुधार के साथ-साथ अपराधों में भी कमी आएगी। इसी प्रकार वैर विधायक बहादुर सिंह कोली ने कहा कि सरकारी कार्यालयों में चल रही दलाली और रिश्वतखोरी पर कड़ा एक्शन लिया जाएगा। राज बदल गया है अब रवैया भी बदलना होगा। उन्होंने कहा कि भुसावर इलाके में कुछ सरकारी कार्यालयों में लोगों द्वारा कर्मचारियों के साथ मिलकर दलाली का खेल किया जा रहा है जो ज्यादा दिन नहीं चलने वाला है।

लायंस क्लब सार्थक ने मनाया डॉक्टर दिवस

गंगापुर सिटी । डॉक्टर्स डे के अवसर पर लायंस क्लब सार्थक ने रिको औद्योगिक क्षेत्र में स्थित डी.एस. साइंस इंस्टीट्यूट में एक मल्टी स्पेशियलिटी मेडिकल कैंप का आयोजन किया।

इस कैंप में लायंस क्लब सार्थक की 12 डॉक्टरों की टीम ने हिस्सा लिया, जो विभिन्न विशेषज्ञताओं से संबंधित थे। कार्यत्रम के संयोजक और डी.एस. इंस्टीट्यूट के निदेशक उमेश शर्मा ने बताया कि सुबह 6 से 9 बजे तक चलने वाले इस कैंप में कुल 254 मरीजों को निशुल्क परामर्श दिया गया और 17० मरीजों की डायबिटीज की जांच निशुल्क की गई। कैंप में उपस्थिति लोगों का भीड सुबह से ही लग गई थी, जिसे लायंस क्लब सार्थक की टीम ने बखूबी संभाला। रजिस्ट्रेशन काउंटर पर लायन भूपेश गर्ग, पवन गुप्ता और अनुराग गुप्ता की टीम सक्रिय रूप से कार्य कर रही थी।

डी.एस. इंस्टीट्यूट की फैकल्टी और स्टाफ भी व्यवस्थाओं को संभालने में तत्पर थे। विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा विभिन्न रोगों के मरीजों को परामर्श प्रदान किया गया, जिसमें जनरल फिजिशियन से संबंधित 12० मरीज, ऑर्थो के 15 मरीज, स्त्री रोग संबंधित 15 मरीज, दंत रोग वाले 15 मरीज, चर्म रोग वाले 2० मरीज, सामान्य सर्जरी से संबंधित 25 मरीज, आयुर्वेदिक और होम्योपैथी परामर्श लेने वाले 45 मरीज, और शिशु रोग के 3 मरीज, नेत्र रोग के 15 मरीज शामिल थे। कैंप के समापन पर एक

> ■ **कैंप में कुल 254 मरीजों को निशुल्क परामर्श दिया गया और 17० मरीजों की डायबिटीज की जांच निशुल्क की गई।**

सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता लायंस क्लब सार्थक के अध्यक्ष डॉ. एम.एम. गुप्ता ने की। सचिव आनंद गोयल, कोषाध्यक्ष राजेश मंगल, पूर्व सचिव ललित किशोर और पूर्व कोषाध्यक्ष मयंक शर्मा के साथ-साथ कार्यत्रम संयोजक उमेश शर्मा भी मंचासीन थे।

उमेश शर्मा को कैंप के विशेष सहयोग के लिए सम्मानित किया गया। इसके बाद डी.एस. साइंस इंस्टीट्यूट की टीम के द्वारा लायंस क्लब सार्थक की डॉक्टर्स की टीम का सम्मान किया गया।

इस दौरान डॉ मुकेश गर्ग अस्थि रोग विशेषज्ञ, डॉ रवि गुप्ता एवं डॉ दिव्या गुप्ता स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ अनिल टोडवाल शिशु रोग विशेषज्ञ, डॉ एम एम गुप्ता और डॉ संतोष भंडारी दन्त रोग चिकित्सक, डॉ आर के मेहता जनरल फिजिशियन, डॉ पुष्पेन्द्र बंसल जनरल सर्जन, डॉ राजेश गर्ग आर्योवेदिक चिकित्सक, डॉ के के वैष्णव एलेक्ट्रोपेथी, डॉ समीर विशवास स्किन स्पेशलिस्ट आदि चिकित्सको का सम्मान किया गया।

राजस्व कम प्राप्त करने पर तीन अधिकारियों को कारण बताओं नोटिस

करौली- (नि.स.)। जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना ने कहा कि वर्षा के मौसम को देखते हुए नगर परिषद आयुक्त को निर्देशित किया कि शहर मे नालों,नालियों एवं शहर के अन्य विभिन्न क्षेत्रों मे नियमित रूप से साफ सफाई करवाये जाना सुनिश्चित करें जिससे कि आमजन को परेशानी का सामना नही करना पडे।

जिला कलेक्टर सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार मे साप्ताहिक समीक्षा व समन्वय समिति की बैठक को संबोधित करते हुए बोल रहे थे। उन्होने बैठक मे आबकारी, परिवहन एवं सैल टैक्स विभाग के अधिकारी को कम राजस्व प्राप्ति पर कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। उन्होने राजस्थान संपर्क पोर्टल पर 6 माह से लंबित चल रहे प्रकरणों, मुख्यमंत्री कार्यालय से प्राप्त प्रकरण, लोकायुक्त कार्यालय, जनसुनवाई मे प्राप्त प्रकरण सहित अन्य प्रकरणों का समय सीमा मे निस्तारण करवाने के निर्देश दिये। उन्होने सीएमएचओं को मौसमी बीमारियों के संबंध मे सतर्क व सक्रिय रहकर कार्य करने एवं चिकित्सालयो मे दवाईयों की पूर्ण उपलब्धता बनाये रखने के निर्देश दिये। उन्होने विद्युत विभाग के अधिकारी को जिले मे सूचारू रूप से विद्युत आपूर्ति रखने, आमजन की विद्युत संबंधी समस्याओं का समय सीमा मे निस्तारण करने के निर्देश दिये। उन्होने वर्षा के मौसम मे जिन विभागों को पौधारोपण के लक्ष्य आवंटित किये गये है वे कार्ययोजना बनाकर कार्य करने के निर्देश दिये।जिला कलेक्टर ने गत बैठक मे प्रभारी मंत्री द्वारा दिये गये निर्देशों की पालना करने के भी निर्देश दिये।

कार्यालय जिला पुलिस अधीक्षक, करौली (राज.)

क्रमांकः-व-15( )सामा.-करौली/घोडा/2024/9749-72 दिनांकः 01.07.2024

खुली निविदा

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से कार्यालय जिला पुलिस अधीक्षक, करौली में वर्ष 2024-25 के लिए विभागीय 06 घोडों के उपयोगार्थ निम्न खाद्य सामग्री क्रय करने हेतु खुली निविदा जारी की जाती है। जिसमें इच्छुक निविदा दाता अपनी निविदाऐं निर्धारित शुल्क से दिनांक 11.07.2024 तक इस कार्यालय से प्राप्त कर सकेंगे। निविदाऐं दिनांक 11.07.2024 को 01.00 बजे तक प्राप्त कर उसी दिनांक को 02.00 बजे समस्त निविदा दाताओं के समक्ष खोली जावेंगी।

क्र.सं.	निविदाविवरण	अनुमानितलागत	धरोहर राशि	निविदाशुल्क
1	चना 20 क्वि., जौ 33 क्वि/चौकर 13.50 क्वि. नमक सादा 36 कि.ग्रा. नमक सैंदा 36 कि.ग्रा.	3,50,000/-	7000/-	200/-

जिला पुलिस अधीक्षक, करौली

पंड्या की कप्तानी में धोनी के स्टाइल की झलक देखने को मिलती है। हार्दिक पंड्या में कप्तान बनने के सारे गुण मौजूद हैं। बल्लेबाजी के दौरान हार्दिक संयम दिखाते हैं और वह लगातार 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी भी करने का टैलेंट रखते हैं। – जय शाह

बीसीसीआई सचिव, हार्दिक पंड्या की तारीफ की।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ स्नेह राणा

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर स्नेह राणा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में इतिहास रच दिया है। दरअसल, चेन्नई में खेले गए इस टेस्ट मैच में इस ऑफ स्पिनर ने टेस्ट में कुल 10 विकेट चटकाए हैं। वह किसी टेस्ट मुकाबले में ऐसा करने वाली भारती की पहली महिला स्पिनर बनी हैं।स्नेह ने पहली पारी में 8 विकेट लिए और दूसरी पार में दूसरा विकेट लेते ही ये उपलब्धि उन्होंने अपने नाम कर ली थी। स्नेह राणा ने दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी के दौरान 77 रन देते हुए 8 विकेट चटकाए थे। ये किसी भारतीय गेंदबाज का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्श है।

क्या आप जानते हैं ?... जिम्बाब्वे के तातेन्द्र तेबु ने मई, 2004 में श्रीलंका के विरुद्ध अपनी टीम की कप्तानी करके सबसे कम उम्र का टेस्ट कप्तान बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

भारतीय महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 10 विकेट से हराकर सीरीज जीती

चौथे दिन दक्षिण अफ्रीका को दूसरी पारी में 373 रनों पर समेट दिया

चेन्नई, 1 जुलाई। भारतीय महिला टीम ने बल्लेबाजों और गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम सोमवार को टेस्ट मैच के चौथे दिन दक्षिण अफ्रीका को 10 विकेट से करारी शिकस्त देते हुए एकमात्र टेस्ट मैच की सीरीज जीत ली है। इससे पहले भारतीय गेंदबाजों ने फॉलोऑन खेल रही दक्षिण अफ्रीका को टेस्ट मैच के चौथे दिन दूसरी पारी में 373 रनों पर समेट दिया है। इसके बाद भारत को जीत लिए 37 रन का लक्ष्य मिला था जिसे सतीश शुभा नाबाद (13) और शेफाली वर्मा नाबाद (24) की मदद से 9.2 ओवर में हासिल कर मुकाबला 10 विकेट से जीत लिया।

दक्षिण अफ्रीका ने आज सुबह कल के दो विकेट पर 232 रनों से आगे खेलना शुरु किया कि अभी वह स्कोर में 32 रन ही जोड़ पाई थी कि दीप्ति शर्मा ने मैरिजान कप्प ने (31) को आउट कर भारत को तीसरी सफलता दिलाई। स्कोर में दो रन इजाफा ही हुआ था कि स्नेहा राणा ने डेलमी टकर (शून्य) पर पवेलियन भेज दिया। सलामी बल्लेबाज कप्तान लॉरा वुलफार्ट और नडीन डी क्लर्क पारी को संभाला। लॉरा वुलफार्ट (122) रन कर आउट हुई। नडीन डी क्लर्क ने (61), सिनालो जाफ्टा (15), अनरी डर्कसन (5), टुमी सेखुखुने (6) और मासाबाटा क्लास (2) रन बनाकर आउट हुई। भारतीय गेंदबाजी ने दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम दूसरी परी में 373 रन पर सिमेट दिया है।

भारत की ओर से स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा और राजेश्वरी गायकवाड़ ने दो-दो विकेट लिये। पूजा वस्त्रकर, शेफाली वर्मा और हरमनप्रीत कौर को एक-एक विकेट मिले। इससे पहले मैच के तीसरे दिन सुने लुस (109) की शतकीय और कप्तान लॉरा वुलफार्ट नाबाद (93) रनों की पारियों के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 337 रनों से पिछड़ने के बाद खेल समाप्त होने तक दो विकेट पर 232 रन बना लिये थे। फॉलोऑन खेल रही दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही अन्नेका बोश (9) का विकेट गवां कर संकट में फंस गयी थी। ऐसे समय में सुने लुस और कप्तान लॉरा वुलफार्ट ने पारी को संभाला।

दूसरे विकेट के रूप में सुने लुस 109 रन बनाकर आउट हुईं। दिन का खेल समाप्त होने तक दखिण अफ्रीका ने दो विकेट पर 232 रन बना लिये है हालंकि वह अभी 105 रन पीछे है। कप्तान लॉरा वुलफार्ट नाबाद (93) और मैरिजान कप्प (15) रन बनाकर क्रीज पर है। भारत की ओर से दूसरी पारी में दीप्त शर्मा और हरमीत कौर ने एक-एक विकेट लिये। इससे पहले स्नेह राणा (आठ विकेट) के शानदार स्पैल की बदौलत भारतीय महिला टीम ने बल्लेबाजी के लिये मुफीद चेपॉक की सपाट पिच मेहमान दक्षिण अफ्रीका रविवार को पहली पारी में 266 रन पर ढ़ेर कर 337 रनों की बढ़त बना ली है।

सुबह दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में चार विकेट पर 236 रनों के कल के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। मैरिजान कप्प (69) और नडीन डी क्लर्क ने (27) ने पारी को आगे बढ़ाया। स्नेहा राणा ने शुरुआत स्पैल में मैरिजान कप्प (74) को बोल्ड कर दक्षिण अफ्रीका की जोड़ी को तोड़ा। इसके बाद तो दक्षिण अफ्रीका की टीम मात्र 30 रन जोड़कर ताश के पत्तों की तरह ढ़ह गई। नडीन डी क्लर्क (39), सिनालो जाफ्टा (शून्य), अनरी डर्कसन (5), मासाबाटा क्लास (1) और नोनकुलुलेको म्लाबा (2) रन बनाकर आउट हुई। दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम 266 रनों पर सिमट गई। भारत को पहली पारी में बनाये गये (छह विकेट पर 603 पारी घोषित) के स्कोर के आधार पर 337 रनों की बढ़त मिली है।

भारत की ओर से स्नेह राणा ने 25.3 में 77 रन पर आठ विकेट लिये। दीप्ति शर्मा को 21 ओवर में 47 रन देकर दो विकेट मिले। इससे पहले शेफाली वर्मा (205) के एतिहासिक दोहरे शतक और स्मृति मंधाना (149) की शतकीय पारी की मदद से भारत ने छह विकेट पर 603 रन पर घोषित कर दी थी। एम ए चिदंबरम स्टेडियम में भारतीय महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना की सलामी जोड़ी ने बेहतरीन बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए मैदान के चारों ओर शॉट लगाते हुए पहले विकेट के लिये 292 रनों की रिकार्ड साझेदारी की। 52वें ओवर में डेलमी टकर ने स्मृति मंधाना को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। स्मृति ने 161 गेंदों 27 चौकों और एक छक्के की मदद से (149) रन बनाये। मंधाना के बाद बल्लेबाजी करने आयी सतीश शुभा (15) रन बनाकर पवेलियन लौट गई।

75वें ओवर में रन लेने के प्रयास में शेफाली वर्मा दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से रनआउट हो गई। उन्होंने 197 गेंदों में 23 चौके और आठ छक्के लगाते हुए (205) रनों की ऐतिहासिक पारी खेली। जेमिमाह रॉड्रिग्स (55) रन बनाकर आउट हुई। कप्तान हरमनप्रीत कौर (69) और रिचा घोष (86) रन बनाकर आउट हुई। दक्षिण अफ्रीका की ओर से डेलमी टकर को दो विकेट मिले। नडीन डी क्लर्क, टेमी सेखुखुने, नोनकुलुलेको म्लाबा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

कार्तिक होंगे आरसीबी के बल्लेबाजी कोच, मेंटॉर

नयी दिल्ली, 1 जुलाई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके पूर्व भारतीय क्रिकेटर दिनेश कार्तिक को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने अपना बल्लेबाजी कोच और मेंटॉर नियुक्त किया है। इस नियुक्ति के बाद कार्तिक इंडियन प्रीमियर लीग के अगले सत्र से आरसीबी के खिलाड़ियों को बल्लेबाजी के गुर सिखाते नजर आएंगे। कार्तिक ने आरसीबी के बल्लेबाजी कोच और मेंटॉर नियुक्ति को लेकर जारी प्रेस विज्ञिप्त में एक बयान में कहा, पेशेवर स्तर पर कोचिंग करने का अवसर पाकर मैं काफी उत्साहित हूं।

यह मेरे जीवन का एक नया अध्याय है। मैं उम्मीद करता हूं एक खिलाड़ी के तौर पर मिले अपने अनुभव आरसीबी को दे पाऊंगा। कार्तिक आईपीएल में कुल छह टीमों का हिस्सा रहे। उन्होंने दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स), किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स), मुंबई इंडियंस, गुजरात लायंस, कोलकाता नाइट राइडर्स और आरसीबी का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने में केकेआर के लिए कप्तानी भी की है।

उन्होंने 2004 में इंग्लैंड के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पर्दापण किया था और उन्होंने क्रिकेट के तीनों प्रारूप में अपना योगदान दिया। उन्होंने टेस्ट में एक शतक लगाया। कार्तिक 2007 में भारत की टी-20 विश्वकप विजेता टीम का हिस्सा भी रहे। कार्तिक ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 26 टेस्ट, 94 एकदिवसीय और 60 टी-20 मैच खेले है।

नीरज चोपड़ा ने पेरिस डायमंड लीग से नाम वापस लिया

नई दिल्ली, 1 जुलाई। 26 जुलाई से 11 अगस्त के बीच खेलों का महाकुंभ ओलंपिक फ्रांस के पेरिस में शुरू होने जा रहा है। लेकिन उससे पहले टोक्यो ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट और स्टार भारतीय जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। गोल्डन बॉय नीरज चोपड़ ने ओलंपिक से पहले होने वाले पेरिस डायमंड लीग से नाम वापस ले लिया है। इसका मतलब ये है कि ये स्टार खिलाड़ी अब डायमंड लीग में खेलते हुए नहीं दिखाई देंगे। वहीं इसके बाद अब उनकी चोट को लेकर फैंस के बीच कई सावल उठ रहे हैं। इस पर बता दें कि, नीरज ने जांघ के भीतरी हिस्से की मांसपेशियों में असहजता के कारण इस लीग से नाम वापस लिया है। ईएसपीएन से बातचीत में नीरज ने कहा कि वह ट्रेनिंग और थ्रो करते समय ब्लॉकिंग करने वाले अपने पैर को मजबूत बनाने के लिए काम कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि, मुझे थ्रो करते समय ब्लॉकिंग करने वाले पैर को मजबूत करना होगा क्योंकि उसी समय ग्रोइन में खिंचाव आता है। हम इस पर काम कर रहे हैं। मैं कुछ और टूर्नामेंट खेल सकता था और खेलना भी चाहता था। लेकिन मुझे लगता है कि स्वास्थ्य सर्वोपरि है, थोड़ी भी असहजता महसूस होने पर रुक जाना ही ठीक है। बता दें कि, पिचले महीने फिनलैंड में पावो नुरमी खेलों में गोल्ड मेडल जीतने वाले नरीज ने कहा कि वह अब समझदार हो गए हैं और जोखिम नहीं लेते। साथ ही उन्होंने कहा कि ओलंपिक में स्वर्ण जीतने से पहले मैं हर प्रतिस्पर्धा में भाग लेना चाहता था। अब अनुभव के साथ सही फैसले लेने लगा हूं। फिनलैंड में प्रदर्शन अच्छा था लेकिन अभी और काम करना होगा।

इंडिया-ए महिला क्रिकेट टीम अगस्त में करेगी ऑस्ट्रेलिया का दौरा

सिडनी, 1 जुलाई। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अगस्त महीने में आने वाली इंडिया ए क्रिकेट महिला टीम मेजबान ए महिला टीम के साथ तीन-तीन एकदिवसीय, टी-20 और एक चार दिवसीय मैच खेलेगी। सात से 25 अगस्त के दौरान ब्रिस्बेन में टी-20 श्रृंखला, मकाए में तीन एकदिवसीय मैच तथा गोल्ड कोस्ट में चार दिवसीय एक मैच खेला जायेगा। ऑस्ट्रेलिया की उपकप्तान तालिया मैकग्रा टी-20 और एकदिवसीय मैचों में कप्तानी करेंगी। चार दिवसीय मैच की अगुवाई चार्ली करेगी। इस दौरान किम गार्थ और मेगन शूट जैसी खिलाड़ी भी खेलती नजर आएंगी। मैकग्रा ने कहा कि वह इस सीरीज और इंडिया ए से मिलने वाली चुनौतियों को लेकर बेहद उत्साहित हैं। राष्ट्रीय चयनकर्ता शॉन फ्लेगलर ने कहा कि यह दौरा इस वर्ष होने वाले टी-20 विश्वकप की तैयारियों में बेहद मददगार साबित होगा। उल्लेखनीय है कि बंगलादेश में होने वाले टी-20 विश्वकप से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम सितंबर के मध्य में न्यूजीलैंड के साथ भी तीन टी-20 मैचों की श्रृंखला खेलेगी।

भारत की बधिर क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड को हराकर टी-20 श्रृंखला जीती

नयी दिल्ली, 1 जुलाई। गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन के बाद अभिषेक सिंह (68) तथा उमर अशरफ (56) की अर्धशतकीय पारियों के दम पर भारत की बधिर क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड को अंतिम टी-20 मुकाबले में छह विकेट से हराकर सात मैचों की द्विपक्षीय श्रृंखला 5-2 से जीत ली है। लीसेटर के काउंटी ग्राउंड में सातवें टी-20 मुकाबले में कप्तान वीरेंद्र सिंह की अगुवाई वाली भारतीय टीम के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड को बड़ा स्कोर नहीं खड़ा करने दिया। इंग्लैंड की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 164 रन स्कोर बना सकी। 165 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और एक समय उसने 46 के स्कोर पर अपने तीन विकेट गवां दिये थे। इसके बाद अभिषेक सिंह और उमर अशरफ ने 91 रनों की साझेदारी करते हुए टीम को जीत की ओर अग्रसर किया। भारतीय टीम ने चार गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर मुकाबला छह विकेट से जीत लिया। अभिषेक सिंह को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच से नवाजा गया। वहीं साई आकाश श्रृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे।

वो नहीं चाहते हैं कि मैं कुश्ती करना जारी रखूं : बजरंग पूनिया

नाडा द्वारा दोबारा सस्पेंड किए जाने के बाद बजरंग पूनिया ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली, 1 जुलाई। भारतीय स्टार पहलवान बजरंग पूनिया को नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी (नाडा) ने 23 जून को दोबारा सस्पेंड कर दिया था। बजरंग को फिर से डोपिंग रोधी नियम के उल्लंघन के मामले में निलंबित किया गया था साथ ही उन्हें नोटिस भेजा गया और इसका जवाब देने के लिए उन्हें 11 जुलाई तक का समय दिया गया। नाडा के

द्वारा दोबारा सस्पेंड किए जाने के एक सप्ताह के बाद अब बजरंग पूनिया ने एक्स पर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए अपनी प्रतिक्रिया दी है। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया है कि वो नहीं चाहते हैं कि मैं कुश्ती करना जारी रखूं। ओलंपिक में भारत के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीत चुके बजरंग पूनिया ने एक्स पर लिखा कि, नाडा ने मुझे एक ही मामले में दोबारा निलंबित कर दिया। उन्हें जो भी तथ्य दिए गए उन्होंने सभी को नजरअंदाज कर दिया और फिर उन्होंने ऐसा कदम मेरे खिलाफ उठाया। ये दिखाता है कि नाडा मुझे साफ तौर पर निशाना बना रहा है। वो नहीं चाहते हैं कि मैं किसी भी कीमत पर कुश्ती जारी रखूं। उन्होंने लिखा कि नाडा के पास कोई जवाब नहीं है और वो अपनी तरफ से की गई गलतियों की जिम्मेदारी नहीं लेना चाहते हैं।

चक्रवात की चेतावनी के कारण बारबाडोस में फंसी भारतीय टीम

बारबाडोस, 1 जुलाई। टी-20 विश्वकप 2024 जीतने के बाद बारबाडोस में रविवार रात चक्रवात को लेकर जारी की गई चेतावनी के बाद बंद किये गये हवाई अड्डे के कारण भारतीय टीम की अब तक स्वदेश वापसी नहीं हो पाई है। इस दौरान यहां मीडिया से बातचीत में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने कहा, आपकी (मीडिया) तरह हम भी यहां फंसे हुए हैं। एक बार यात्रा की योजना बनने फिर हम सम्मान समारोह के बारे में सोचेंगे। टीम के कोच की नियुक्ति पर उन्होंने कहा, कोच और चयनकर्ता दोनों की ही जल्द नियुक्ति कर दी जाएगी। सीएसी ने इंटरव्यू लेने के बाद नाम शॉर्टलिस्ट कर दिए हैं।

परिवार की परम्परा से हटकर शुरू की बॉक्सिंग, अब पेरिस में पदक भारत की झोली में डालने को तैयार है जैस्मिन लंबोरिया

नई दिल्ली, 1 जुलाई। देश की उभरती मुक्केबाज जैस्मिन लंबोरिया पर इस ओलंपिक में पूरे भारत की नजरें टिकी रहेंगी। क्योंकि उन्होंने अपने हालिया प्रदर्शन की बदौलत खुद को बेहतर मुक्केबाज साबित किया है। जैसमिन ने शुरुआती सालों में लड़कों के साथ ही ट्रेनिंग की क्योंकि और कोई महिला बॉक्सर नहीं थी। घर में खेल के वातावरण के कारण जैस्मिन लंबोरिया को शुरू से ही एथलेटिक्स और क्रिकेट में खेलने का मान था। जब उन्होंने बॉक्सिंग में आगे जाने का निर्णय किया तो पिता ने घर के बड़ों और समाज का कारण बता कर खेलने से मना कर दिया। भारतीय सेना को ज्वाइन करने वाली जैस्मिन पहली महिला बॉक्सर भी बनी हैं। जैस्मिन लंबोरिया का जन्म 30 अगस्त, 2001 को हरियाणा के भिवानी में हुआ। पिता जयवीर लंबोरिया होमगार्ड के रूप में काम करते हैं और मां जोगिंदर कौर गृहिणी हैं। जैस्मिन के चाचा संदीप और परविंदर, दोनों ही मुक्केबाज़ हैं। कुछ रिश्तेदार कुश्ती भी करते थे। भिवानी को लिटल क्यूबा भी कहते हैं, क्योंकि हरियाणा के इस शहर ने भारत को एक से एक मुक्केबाज़ दिए हैं। सामान्यत: खिलाड़ियों के परिवार और ऐसे किसी शहर में पैदा होने का अर्थ होता है कि खेल वाला माहौल होगा।

रोहित ने अपनी आक्रामक शैली से टीम का आत्मविश्वास बढ़ाया : अफरीदी

शाहिद अफरीदी ने की भारतीय कप्तान रोहित की तारीफ

कराची, 1 जुलाई। पाकिस्तान के पूर्व हरफनमौला शाहिद अफरीदी ने टी20 विश्व कप में टीम की खिताबी जीत के दौरान भारत के कप्तान रोहित शर्मा की भाव भंगिमा (बॉडी लैंग्वेज) की प्रशंसा की। भारत ने ब्रिजटाउन (बारबाडोस) में खेले गये फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को सात रन से शिकस्त दी। भारत 2007 के बाद दूसरी बार टी20 विश्व चैम्पियन बना है जबकि पाकिस्तान का अभियान शुरुआती चरण में ही भारत और अमेरिका से हार के साथ खत्म हो गया था।

पाकिस्तान के लिए 398 एकदिवसीय और 99 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलने वाले अफरीदी ने कहा, " देखिए, एक कप्तान की भूमिका हमेशा बहुत महत्वपूर्ण होती है। कप्तान की भाव भंगिमा टीम पर प्रभाव

डालती है। कप्तान को उदाहरण स्थापित करना होता है। रोहित शर्मा को ही देख लीजिए।"

अफरीदी ने कहा कि रोहित ने अपनी आक्रामक शैली से टीम का आत्मविश्वास बढ़ाया। उन्होंने कहा, "अब, उनके (रोहित के) खेल और उनकी खेलने की शैली को देखें, निचले क्रम के बल्लेबाज भी बेखौफ होकर खेलते हैं क्योंकि उनका कप्तान आक्रामक क्रिकेट खेलना पसंद करता है। इसलिए, मैं हमेशा मानता हूं कि कप्तान की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है।" पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी के ससुर अफरीदी ने कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को राष्ट्रीय चयन समिति को टीम का कप्तान नियुक्त करने का अधिकार देना चाहिए। उन्होंने कहा, " मुझे नहीं पता कि पीसीबी अध्यक्ष के मन में अब क्या है। मैं यह देखने का भी इंतजार कर रहा हूं कि क्या बदलाव किए जाएंगे लेकिन मैंने हमेशा टीम का समर्थन किया है और ऐसा करता रहूंगा।

श्रीलंका सीरीज से पहले टीम के साथ होंगे हेड कोच : जय शाह

नई दिल्ली, 1 जुलाई। भारतीय क्रिकेट टीम ने आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप जीतकर अपने मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को यादगार विदाई दी। इसके बाद अब टीम इंडिया के हेड कोच के नाम सवाल उठने लगे हैं। इसको लेकर फैसला किया जाना बाकी है, इस बीच बीसीसीआई सचिव जय शाह ने बताया कि श्रीलंका में टीम इंडिया नए कोच के साथ खेलने उतरेगी।भारतीय क्रिकेट टीम के नए कोच पर फैसला जुलाई के अंत तक कर लिया जाएगा। जय शाह ने पीटीआई से बताया कि बीसीसीआई की क्रिकेट एडवाइजरी कमेटी ने भारत के नए कोच के लिए इंटरव्यू किया था। इस कमेटी द्वारा दो उम्मीदवार को मुख्य कोच की जिम्मेदारी के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है जिसमें से एक नाम जल्दी फाइनल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम को उनका नया हेड कोच श्रीलंका सीरीज से पहले मिल जाएगा। फिलहाल, भारतीय टीम 27 जुलाई से तीन टी20 और तीन वनडे खेलने श्रीलंका जायेगी। भारत के 11 साल बाद आईसीसी खिताब जीतने पर खुशी जताते हुए शाह ने रोहित शर्मा और विराट कोहली की तारीफ की। विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविंद्र जडेजा ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। साथ ही जय शाह ने कहा, "पिछले साल भी यही कप्तान था और यहां भी। हमने पिछले साल भी फाइनल को छोड़कर सारे मैच जीते। इस बार और मेहनत करके खिताब जीता। दूसरी टीमों से तुलना करें तो अनुभव मायने रखता है।

कुछ साल पहले तक नहीं थे जूते खरीदने के पैसे

पेरिस में देश का झंडा लहरायेंगे अमित पंघाल

नई दिल्ली, 1 जुलाई। देश के शीर्ष मुक्केबाजों में शुमार अमित पंघाल इसी महीने फ्रांस की राजधानी पेरिस में होने वाले ओलंपिक खेलों में भारत का झंडा बुलंद करने को तैयार हैं। भले ही अमित पंघाल महज़ पांच फ़िट दो इंच लंबे हो, लेकिन जब वह प्रहार करते हैं तो सामने वाले मुक्केबाज़ का बच पाना बेहद मुश्किल होता है। पंघाल के वे पंच किसी डंक से कम नहीं। अमित का छोटा कद कभी भी उनके लिए डिसएडवांटेज नहीं रहा, उन्होंने आकाश जैसी ऊचाईयों को छुआ और हमेशा सफल रहे। विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाले अमित पहले और एकमात्र

भारतीय पुरुष मुक्केबाज है, और अंतर्राष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (एआईबीए) के 52 किग्रा वर्ग में पूर्व विश्व नंबर 1 के डटे हुए है। अमित पंघाल का जन्म 16 अक्टूबर 1995 को हरियाणा के रोहतक के मैना गांव में हुआ था। जाट परिवार से आने वाले अमित के पिता विजेंद्र सिंह पंघाल मैना में किसान हैं। यह उनके बड़े भाई, अजय पंघाल थे, जिन्होंने अमित को 2007 में सर छोटूराम बॉक्सिंग अकादमी में मुक्केबाजी करने के लिए प्रेरित किया। अजय खुद एक शौकिया मुक्केबाज़ थे जो भारतीय सेना में काम करते थे। अमित पंघल विनम्र शुरुआत से आते हैं, एक किसान परिवार में बड़े हुए हैं। हालाँकि, उन्हें अपने बड़े भाई, अजय से प्रेरणा मिली, जो एक शौकिया मुक्केबाज़ थे और भारतीय सेना में काम करते थे। अमित के पिता विजेंद्र सिंह पंघाल भी मायना में किसान हैं। अमित पंघाल ने साल 2008 में बॉक्सिंग की शुरुआत की थी। अमित के चाचा गांव में बच्चों को बॉक्सिंग की ट्रेनिंग देते थे।

भारत पेरिस ओलंपिक में पदक तालिका में सुधार करेगा : खेलमंत्री मांडविया

नयी दिल्ली, 1 जुलाई। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने आगामी पेरिस ओलंपिक में भारतीय दल द्वारा नया मानदंड स्थापित करने की उम्मीद जताते हुए इस बात पर जोर दिया कि हाल के वर्षों में सरकार के लिए खेल प्राथमिकता रहे हैं। मांडविया ने पेरिस जाने वाले एथलीटों की औपचारिक विदाई और किट के अनावरण के दौरान कहा, "मुझे विश्वास है कि यह दल खेलों में भारत के विकास को बनाए रखेगा।"

मांडविया ने कहा, " हमने 2016 रियो में दो पदकों से बढ़कर तोक्यो में सात पदक हासिल किए। नीरज चोपड़ा के स्वर्ण पदक से भारत तालिका में 67वें से 48वें (स्थान) पर पहुंच गया। मुझे उम्मीद है कि हमारे एथलीट हमें इस बार पदक तालिका में और भी ऊपर ले जाएंगे।" इस विदाई समारोह में एथलीटों, भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में खेलों से पहले एथलीटों के समर्थन में सरकार की टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना के बारे में बताया गया।

उन्होंने कहा, " सरकार ने टॉप्स जैसी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से एथलीटों का समर्थन किया है, जो उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को विशेष सहायता प्रदान करती है।" पेरिस जाने वाले भारतीय दल की तीन किट (औपचारिक पोशाक, खेल पोशाक, और यात्रा पोशाक) का अनावरण किया गया। उन्होंने कहा, " यह कार्यक्रम सिर्फ किट और औपचारिक पोशाक के अनावरण के बारे में नहीं है, बल्कि उन अरबों भारतीयों के सपनों और आकांक्षाओं का प्रतीक है जो एथलीटों के पीछे एकजुट हैं।" आईओए प्रमुख उषा ने कहा कि पेरिस में एथलीटों को सर्वश्रेष्ठ सहायता प्रणाली प्रदान की जाएगी।

उन्होंने कहा, "हमने डॉ. दिनशॉ पारदीवाला के नेतृत्व में एक मजबूत टीम इकट्ठी की है। इसमें खेल चिकित्सा विशेषज्ञ, कल्याण विशेषज्ञ, पोषण विशेषज्ञ, फिजियोथेरेपिस्ट और एक नींद वैज्ञानिक शामिल हैं।" उषा ने कहा, "पहली बार, आईओए एथलीटों और कोचिंग और सहयोगी स्टाफ को भागीदारी भत्ता भी देगा। मुझे विश्वास है कि भारत किसी भी ओलंपिक के मुकाबले पेरिस में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ वापस आएगा।"

नई बोलेरो जीप का कैलादेवी में पूजन करा गांव लौट रहे 9 जनों की सड़क हादसे में मौत

करौली मंडरायल रोड पर बोलेरो की ट्रक से आमने-सामने की भिडंत हो गई

- हादसे में एक तीन वर्षीय बालिका सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।
- भिडंत इतनी तेज थी कि, बोलेरो जीप पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

करौली, 1 जुलाई (नि.स.)। करौली मंडरायल सड़क मार्ग स्थित डूडापुरा गांव के पास ट्रक और बोलेरो जीप की भिड़ंत में 9 जनों की मृत्यु हो गई, तीन वर्षीय एक बालिका सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

मंडरायल सड़क मार्ग स्थित डूडापुरा गांव की सड़क पर एक ट्रक और बोलेरो जीप की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। बताया जा रहा है कि, भिड़ंत इतनी तेज थी कि, बोलेरो जीप पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई और घायलों व शवों को कड़ी मशक्कत करके निकाला गया।

बताया जा रहा है कि, तहसील मंडरायल के खिरकन गांव निवासी ये लोग गत दिनों खरीदी एक बोलेरो जीप का कैलादेवी माता के मंदिर में पूजन कराकर वापस गांव लौट रहे थे । इस दौरान ट्रक के साथ आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। मृतकों व घायलों को एंबुलेंस से करौली अस्पताल लाया गया, जहां 9 लोगों की मृत्यु हो गई तथा तीन लोगों को उपचार के लिए जयपुर रैफर कर दिया। हादसे में घायल तीन वर्षीय बालिका का करौली अस्पताल में उपचार चल रहा है।

सड़क हादसे की सूचना मिलते ही करौली जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना, जिला पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय घटनास्थल पर पहुंच गए। दोनों अधिकारियों ने करौली सामान्य चिकित्सालय जाकर प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ.रामकेश मीणा को घायलों का अच्छा उपचार करने के निर्देश दिए। इसके अलावा अतिरिक्त जिला कलेक्टर राजवीर सिंह चौधरी, करौली उप जिला कलेक्टर पिंकी गुर्जर, करौली कोतवाली थाना अधिकारी सुनील के अलावा कई अन्य पुलिस और प्रशासन के अधिकारी अस्पताल में तैनात रहे। प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामकेश मीणा ने अस्पताल के नर्सिंग कर्मियों सहित समस्त स्टाफ को तुरंत सक्रिय किया।

हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए रविंद्र पुत्र बृजमोहन, मुस्कान पुत्री विमल मीणा निवासी खिरकन को उपचार के लिए जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल के लिए रैफर कर दिया गया। इसके अलावा एक महिला हेमा, निवासी भूतकच्चा मध्यप्रदेश की गंभीर हालत को देखते हुए उसे भी जयपुर रैफर किया गया।

हादसे के दौरान बोलेरो में नारायण मीना नामक व्यक्ति की तीन वर्षीय बालिका सहित 13 महिला- पुरुष सवार थे। हादसे में कटोरी पत्नी ब्रजमोहन, रंजीत उर्फ टिल्लू पुत्र बारेलाल, अतुल पुत्र सुरेश मीना, बिमला पत्नी सुरेश, पिस्ता पत्नी जगमोहन, हीराबाई पुत्री जगमोहन, गुड्डी पुत्री जगमोहन, भानू पुत्र जगमोहन व एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई जिसकी पहचान सार्वजनिक नहीं हो पाई थी।

करौली जिला प्रभारी मंत्री जवाहर सिंह बेडम ने जिला कलेक्टर से फोन पर बात कर घटनाक्रम की जानकारी ली।

'पिछली केन्द्र सरकार के 17 मंत्री हार गये'

नई दिल्ली, 1 जुलाई। राज्यसभा की कार्यवाही के दौरान सोमवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि असल में संविधान सब पर भारी है। इस दौरान उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण में दलितों और अल्पसंख्यकों के लिए कुछ भी नहीं था। इससे पहले उन्होंने 1 जुलाई से ही लागू हुए तीन नए आपराधिक कानूनों पर भी सवाल उठाए थे।

- मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में कहा कि, 2024 का चुनाव अहंकार तोड़ने वाला रहा। हमको घमंडी बोलते थे, लेकिन इनका घमंड टूट गया।

खड़गे ने राज्यसभा में कहा कि, मोदी ने कहा था कि एक अकेला सब पर भारी, असल में संविधान सब पर भारी है। उन्होंने कहा कि, 2024 का चुनाव अहंकार तोड़ने वाला रहा। हमको घमंडी बोलते थे, लेकिन इनका घमंड टूट गया।

राहुल गांधी की टिप्पणियों से आक्रोशित भाजपा ने सदन के भीतर व बाहर विरोध प्रदर्शन किया

अमित शाह ने सदन में विरोध जताने के बाद एक्स पोस्ट में कहा कि, राहुल गांधी ने हिन्दुओं को हिंसावादी और झूठा बताया है, उन्हें माफी मांगनी चाहिये

नई दिल्ली, 1 जुलाई। भाजपा ने सोमवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी की उस टिप्पणी को लेकर संसद के बाहर और भीतर विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि "खुद को हिंदू कहने वाले हर समय हिंसा और नफरत फैलाने' में लगे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि, यह गंभीर मामला है कि राहुल गांधी पूरे हिंदू समाज को हिंसक कह रहे हैं, वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और अन्य मंत्रियों ने कांग्रेस नेता से माफी मांगने की मांग की। हालांकि, राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए लोकसभा में कहा, "भाजपा, नरेन्द्र मोदी जी या राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पूरा हिंदू समाज नहीं हैं। हम भी हिंदू हैं।" बाद में केंद्र सरकार के आधा दर्जन से ज्यादा मंत्रियों ने राहुल गांधी पर उनकी टिप्पणी को लेकर पलटवार किया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पहले सदन में राहुल पर हमला बोला फिर बाद में सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "हिंदू हिंसा करते हैं, झूठ बोलते हैं और नफरत फैलाते हैं..., यह बोलकर राहुल गांधी ने करोड़ों हिंदुओं का अपमान किया है। इसके लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए।"

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने भी राहुल गांधी पर निशाना साधा और उन पर अपने भाषण में झूठ और नफरत का मिश्रण करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का पहले दिन का यह सबसे खराब प्रदर्शन था। गांधी पर निशाना साधते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि वह न तो 2024 के जनादेश (उनकी लगातार तीसरी हार) को समझ पाए हैं और न ही उनमें कोई विनम्रता है। नड्डा ने कहा कि गांधी ने देश के मेहनती किसानों और बहादुर सशस्त्र बलों से जुड़े मुद्दों समेत कई मामलों में 'झूठ' बोला। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और अग्निवीर योजना पर उनके 'झूठे दावे' के लिए केंद्रीय मंत्रियों द्वारा तथ्यों के साथ खारिज कर दिया गया। उन्होंने कहा, "अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों और सुरक्षा बलों को भी नहीं बख्शा।" नड्डा ने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा 'स्वस्थ बहस' के बारे में होती है लेकिन विपक्ष अपनी 'गलत विजयवाद' में रचनात्मक नहीं बल्कि विनाशकारी बना हुआ है।

'मेरे पास सदन में माइक बंद कराने की पावर नहीं है'

- लोकसभा अध्यक्ष ने नेताओं के माइक बंद कराने के विपक्ष के आरोपों पर कहा कि, मैं कोई "अनोखा" नहीं, अब से पहले के अध्यक्ष भी मेरी तरह ही सदन संचालित करते थे।
- ओम बिड़ला ने माइक बंद कर देने के सवाल पर कहा, "मुझे यह जानकर आश्चर्य हुआ कि कई सांसदों ने माइक म्यूट करने के लिए अध्यक्ष को दोषी ठहराया है। अध्यक्ष सिर्फ उस व्यक्ति का नाम घोषित करते हैं जो बोलना चाहता है और माइक का नियंत्रण अध्यक्ष के पास नहीं होता।"

नई दिल्ली, 1 जुलाई। लोकसभा को संबोधित करते हुए सदन के स्पीकर ओम बिड़ला ने माइक "म्यूट" करने सहित कई मुद्दों पर अपनी बात कही है। नीट परीक्षा मुद्दे पर संसद को संबोधित करते समय राहुल गांधी का माइक बंद होने के बाद विपक्षी सांसदों ने यह मुद्दा उठाया था। सत्र के छठे दिन की कार्यवाही के दौरान ओम बिरला ने टीम इंडिया को विश्व कप जीतने के साथ-साथ लोकसभा में शपथ लेने के दौरान दूसरी टिप्पणियां करने के मुद्दे पर भी बात की।

ओम बिड़ला ने माइक बंद कर देने के सवाल पर कहा, "मुझे यह जानकर आश्चर्य हुआ कि कई सांसदों ने माइक म्यूट करने के लिए अध्यक्ष को दोषी ठहराया है। अध्यक्ष सिर्फ उस व्यक्ति का नाम घोषित करते हैं जो बोलना चाहता है और माइक का नियंत्रण अध्यक्ष के पास नहीं होता।" विपक्ष से अध्यक्ष की भूमिका का सम्मान करने का आग्रह करते हुए उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि सभी राजनीतिक दलों के अध्यक्ष एक ही तरह से सदन चलाते हैं।

शपथ लेते समय अतिरिक्त टिप्पणी जोड़ने का मुद्दा उठाते हुए बिरला ने कहा, "भारतीय संविधान के अनुच्छेद 99 के अनुसार, इस सदन के सदस्य के रूप में शपथ लेना प्रत्येक सांसद का संवैधानिक दायित्व है।" उन्होंने कहा कि इस शपथ के अपने नियम और कानून हैं और उनका सम्मान किया जाना चाहिए। बिरला ने कहा, "शपथ की शुरुआत या अंत में कोई भी कथन जोड़ना संवैधानिक नियमों के खिलाफ है। सदस्यों को ऐसा करने से बचना चाहिए।" उन्होंने भविष्य में इस तरह के किसी भी संवैधानिक उल्लंघन से बचने के लिए एक संसदीय समिति के गठन की भी घोषणा की।

उन्होंने सदन में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम और कप्तान रोहित शर्मा को बारबाडोस में आयोजित आईसीसी पुरुष विश्व कप 2024 में उनकी जीत के लिए बधाई भी दी। आज संसद सत्र के छठे दिन लोकसभा और राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा हुई।

'प्रत्येक शहीद अग्निवीर के परिवार को एक करोड़ का मुआवजा'

नई दिल्ली, 1 जुलाई। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी अग्निवीर योजना को लेकर सोमवार को केंद्र सरकार को घेरते नजर आए। उन्होंने अग्निवीरों के शहीद होने की स्थिति में उनके परिजनों को मुआवजा नहीं दिए जाने का दावा किया। कांग्रेस लीडर ने अपने दावे की पुष्टि के लिए किसी शहीद के परिवार से हुई बातचीत का हवाला दिया। हालांकि, उन्होंने संबंधित शहीद का नाम नहीं बताया। इस पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हस्तक्षेप करते हुए सफाई दी। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष गलतबयानी करके सदन को गुमराह कर रहे हैं। किसी भी अग्निवीर के शहीद होने की स्थिति में उसके परिवार को 1 करोड़ रुपये दिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि राहुल को या तो इस दावे को सत्यापित करना चाहिए या फिर इस गलतबयानी के लिए माफी मांगनी चाहिए। भाजपा नेता व केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने राहुल गांधी के इस बयान पर पलटवार किया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करके कहा, अब हमारे विपक्ष के नेता कुछ ऐसे हैं। जो सभी के साथ भाईचारे का दावा करते हैं मगर हिंदुओं पर हमला भी बोलते हैं।

आई.पी.सी., सी.आर.पी.सी. व भारतीय साक्ष्य अधिनियम अब गुज़रे जमाने की बात हो गये

एक जुलाई से इन कानूनों का स्थान भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम ने ली है

- विपक्षी दलों का कहना है कि, इन कानूनों को सरकार जल्दबाजी में लाई है और संसद में पर्याप्त डिबेट भी नहीं हो सका। वहीं सरकार का कहना है कि, अब दंड नहीं बल्कि लोगों को न्याय मिलेगा और हमने गुलामी के प्रतीकों को खत्म कर दिया है।

नई दिल्ली, 1 जुलाई। देश की न्यायिक व्यवस्था में आज से बड़ा बदलाव हो गया है। ब्रिटिश काल से चली आ रही आई.पी.सी., सी.आर.पी.सी. और भारतीय साक्ष्य अधिनियम अब बदल गए हैं। इनकी जगह अब भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम ने ले ली है।

यही नहीं भारतीय न्याय संहिता के तहत देश का पहला केस दिल्ली में एक स्ट्रीट वेंडर के खिलाफ दर्ज किया गया है। विपक्षी दलों का कहना है कि इन कानूनों को सरकार जल्दबाजी में लाई है और संसद में पर्याप्त डिबेट भी नहीं हो सकी।

वहीं सरकार का कहना है कि अब दंड नहीं बल्कि लोगों को न्याय मिलेगा और हमने गुलामी के प्रतीकों को खत्म कर दिया है। इन नये कानूनों के लागू होने से देश में बहुत से परिवर्तन हो गये हैं।

1. इन कानूनों में प्रावधान है कि ट्रायल पूरा होने के 45 दिन के अंदर फैसला आ जाना चाहिए। इसके अलावा पहली सुनवाई के 60 दिनों के भीतर ही आरोप तय होने चाहिए।
2. नए कानूनों के अनुसार कोई भी व्यक्ति देश के किसी भी थाने में जीरो एफआईआर दर्ज करा सकता है। इससे ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने में मदद मिलेगी और समन भी इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से भेजे जा सकेंगे।
3. सभी गंभीर आपराधिक मामलों में क्राइम सीन की वीडियोग्राफी अनिवार्य होगी। प्रक्रिया तेज करने के लिए ऑनलाइन समन भेजे जाएंगे। इसके अलावा टाइमलाइन के तहत ही अदालतों में सुनवाई होगी।
4. यदि किसी मामले में पीड़ित को एफआईआर दर्ज करानी है तो वह बिना पुलिस थाने गए भी ऐसा कर सकता है। इससे केस तुरंत दर्ज हो सकेंगे और पुलिस को भी समय रहते ऐक्शन लेने का वक्त मिलेगा।
5. शिकायतकर्ता को एफआईआर की एक कॉपी भी तत्काल मिलेगी।
6. नए कानूनों के तहत महिला और बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों के पीड़ितों का अस्पतालों में मुफ्त इलाज होगा।
7. इन नियमों में गवाहों की सुरक्षा पर भी फोकस किया गया है। सभी राज्य सरकारें गवाह संरक्षण योजना पर काम करेंगी। इससे लोगों का न्यायिक प्रक्रिया में भरोसा बढ़ेगा और वे अहम मामलों में भी गवाही देने से बचेंने नहीं।
8. पुलिस की ओर से रेप जैसे संवेदनशील मामलों में पीड़ित के बयान की ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग कराई जाएगी।
9. नए नियमों के अनुसार 15 साल से कम आयु के बच्चों और 60 साल से अधिक आयु के लोगों को थाने जाने की जरूरत नहीं होगी।
10. इनके अलावा दिव्यांगों और गंभीर रूप से बीमार लोगों को भी थाने में पेश होने की जरूरत नहीं होगी।

योगी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हुये अपने विश्वसनीय अधिकारी मनोज कुमार सिंह को नया मुख्य सचिव नियुक्त कर दिया है तथा बताया जाता है कि उन्होंने इस विषय में पार्टी हाईकमान से परामर्श नहीं किया है। कल तक की स्थिति यह थी कि 1984 के बैच के आई.ए.एस. अधिकारी दुर्गा शंकर मिश्रा, जिन्हें कथित रूप से गृह मंत्री अमित शाह का समर्थन प्राप्त है, जिन्हें मुख्य सचिव के रूप में ढ़ाई साल का सेवा-विस्तार दिया गया था, को चौथी बार सेवा-विस्तार नहीं दिया गया। मिश्रा को चौथी बार सेवा-विस्तार न दिये जाने का राज्य के नौकरशाहों ने

- मु.मंत्री योगी ने इस कृत्य से मैसेज दिया कि, वे हाईकमान के घोषित-अघोषित निर्देशों के आगे नहीं झुकेंगे।

स्वागत किया है क्योंकि उनके मुख्य सचिव पद पर बने रहने से 1985, 1986 तथा 1987 के बैचों के बहुत से कनिष्ठ अधिकारियां की पदोन्नतियाँ प्रभावित हो रही थीं। लेकिन गौरतलब बात यह है कि मुख्यमंत्री ने कुल मिला कर अपनी पसंद के अधिकारी को मुख्य सचिव बना दिया। मनोज कुमार सिंह "टीम योगी" के एक हिस्से के रूप में देखे जाते हैं। वे योगी सरकार में कई महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके हैं।

इसके साथ ही सिंह को मुख्य सचिव नियुक्त करके योगी आदित्यनाथ ने यह साफ संकेत दे दिया है कि वे पार्टी हाईकमान के हुकम के समक्ष सिर झुकाने को तैयार नहीं हैं।

गहलोत सरकार ने ई.आर.सी.पी. को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- इस कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा, राजस्व राज्य मंत्री विजय सिंह, विधायक कुलदीप धनखड़, जसवंत यादव, हंसराज पटेल नेता मौजूद थे।

साथ ही लघु एवं सीमांत किसानों को मुफ्त बीज किट भी दिए जा रहे हैं।

शर्मा ने कहा कि किसान हमारे अन्नदाता हैं। किसान का बेटा होने के नाते मैं किसान भाइयों की तकलीफों से भली भांति परिचित हूं। फसलों के लिए पानी की कमी किसानों के लिए सबसे बड़ी समस्या है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में पार्वती-काली सिंध-चंबल लिंक परियोजना (एकीकृत ईआरसीपी) के लिए केन्द्र सरकार एवं मध्यप्रदेश के साथ एम.ओ.यू. किया गया है। इसमें रास्ते में आने वाले बांधों को भरे जाने का प्रावधान है। परियोजना में अतिरिक्त बांध जोड़े जाने हेतु प्राप्त प्रस्तावों की भी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट बनाई जा रही है। वह दिन दूर नहीं, जब पूर्वी राजस्थान में पानी की कोई कमी नहीं रहेगी। इस परियोजना से कोटपूतली-बहरोड़ सहित प्रदेश के 21 जिलों को पानी मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, पूर्ववर्ती सरकार ने पानी के नाम पर सिर्फ राजनीति करते हुए ईआरसीपी सहित प्रदेश की प्रमुख पेयजल परियोजनाओं को अटकाने का काम किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने पूर्वी राजस्थान के लिए ईआरसीपी के साथ ही शेखावाटी अंचल के लोगों की बरसों पुरानी मांग को पूरा करने के लिए यमुना जल समझौते के तहत केन्द्र सरकार और हरियाणा सरकार के साथ त्रिपक्षीय समझौता किया जबकि पूर्ववर्ती सरकार ने इस संबंध में कभी केन्द्र सरकार को एक चिट्ठी तक नहीं लिखी।

शर्मा ने कहा कि विराटनगर एक पौराणिक और ऐतिहासिक नगर है। इस क्षेत्र की खुशहाली और समृद्धि के लिए सरकार इसे पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित करेगी। उन्होंने कहा कि संशोधित केपीसी परियोजना (एकीकृत ईआरसीपी) में कोटपूतली-विराटनगर क्षेत्र के तीन बड़े बांधों छितोली, जवानपुरा धाबाई एवं बुचारा बांध को जोड़ने से इस क्षेत्र की पानी की समस्या दूर होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह और स्व. अटल बिहारी वाजपेयी किसानों की चिंता करते थे। स्व. वाजपेयी ने किसानों के लिए क्रेडिट कार्ड योजना शुरू की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी किसानों का दर्द और पीड़ा समझते हैं। उन्होंने किसान हित में किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा बढ़ाने जैसे कई फैसले किए हैं।

इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, राजस्व राज्यमंत्री विजय सिंह, विधायक कुलदीप धनखड़, जसवंत सिंह यादव, हंसराज पटेल सहित कई स्थानीय जनप्रतिनिधि, उच्च अधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान और आमजन उपस्थित थे।

कर्नाटक सरकार में नेतृत्व परिवर्तन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रदेश में नेतृत्व परिवर्तन के मुद्दे पर संभावित चर्चा उस समय होने लगी थी, जब एक वोक्किलगा संत ने खुलकर यह वकालत की थी कि डी.के. शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाया जाए। इस मांग के बाद भारी हलचल मच गई थी, यहां तक कि सिद्दारमैया के कुछ खास मंत्रियों ने भी प्रदेश में उप मुख्यमंत्रियों की संख्या बढ़ाने को लेकर दबाव बनाना शुरू कर दिया था।

ज्ञातव्य है कि जिस समय सिद्दारमैया व शिव कुमार के बीच कर्नाटक कांग्रेस में बड़ी खींचतान चल रही थी, उस समय डी.के. शिव कुमार ने ही इस बात पर जोर दिया था कि वो केवल अकेले ही उप मुख्यमंत्री होंगे। उस समय पार्टी हाईकमान ने डी.के.एस. को इस बात से आश्वस्त किया गया था कि केवल वे ही उप मुख्यमंत्री होंगे। समझा जाता है कि कुछ उसके चलते ही पार्टी के केन्द्रीय नेतृत्व ने इस व्यवस्था को बनाए रखने का निर्णय लिया है।

सिद्दारमैया से जब मुख्यमंत्री बदलने की किसी पहल के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, "कांग्रेस एक राष्ट्रीय पार्टी है और इसमें फैसले हाईकमान करते हैं। हम ऐसे मसलों पर सार्वजनिक रूप से चर्चा नहीं करते हैं।" उन्होंने महासंस्थाना मठ के संत के इस बयान पर भी किसी प्रकार की कोई टिप्पणी करने से मना कर दिया जिसमें कुमार चन्द्रशेखरनाथ स्वामी ने बयान जारी कर मांग की थी कि डी.के. शिवकुमार को प्रदेश का नया मुख्यमंत्री बनाया जाना चाहिए। इन दोनों के बीच पद को लेकर अंदरूनी खींचतान के कारण भाजपा को उम्मीद बंधी हुई है कि कांग्रेस की सरकार फिर गिर सकती है। परंतु, कांग्रेस की 135 सीटों के साथ जो उसका जबरदस्त बहुमत है, उसके चलते भाजपा के लिए आपरेशन कमल को सफल बनाना बहुत मुश्किल कार्य है।

भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई जैसे नेता व अन्य कभी भी सरकार गिरने की बात करते रहते हैं और संकेत देते है कि पार्टी तो सिर्फ एक ऐसे क्षण का इंतजार है व उम्मीद कर रही है कि कांग्रेस में जो आन्तरिक मतभेद चल रहे हैं, उससे सरकार गिर जाएगी।

कांग्रेस को दोनों नेताओं की जरूरत है। सिद्दारमैया जो अहिन्दा आंदोलन का एक प्रमुख चेहरा हैं और दूसरे डी.के. शिवकुमार जो वोक्किलगा हैं। कांग्रेस हाईकमान इस बात से चिंतित है कि यदि उसने सिद्दारमैया को हटाने की कोशिश की और शिवकुमार के लिए पद छोड़ने का दबाव बनाया तो अहिन्दा के नेतागण कांग्रेस को गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी देने लगेंगे। इसी कारण से हाईकमान ने दोनों नेताओं से कहा है कि वे फिलहाल अपने पदों पर बने रहें और सरकार को कुशलता से चलाते रहें।

सी.एम. सिद्दारमैया ने कहा कि यह कांग्रेस हाईकमान पर निर्भर करता है कि वह उनकी कार्य प्रगति का मूल्यांकन करे और निर्णय ले कि उन्हें मुख्यमंत्री के पद पर बना रहना है या नहीं। सिद्दारमैया ने कहा कि, "मैं वही करुंगा जो कांग्रेस हाईकमान कहेगा।" लेकिन पार्टी आलाकमान के लिए व मुख्यमंत्री सिद्दारमैया, शिवकुमार के लिए काफी राहत की बात है कि आलाकमान ने कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की किसी भी बात को खारिज कर दिया है और उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा है कि वो उन्हें मुख्यमंत्री बनाने की ऐसी मांग करने से बचें। भाजपा यह आरोप लगाती रही है कि दोनों नेताओं के बीच की आपसी खींचतान की वजह से राज्य का कामकाज प्रभावित हो रहा है।

सी.बी.आई. के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

26 जून को औपचारिक तौर पर सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। विशेष अदालत ने उसी दिन सीबीआई की गुहार पर उन्हें इस केंद्रीय जांच एजेंसी की तीन दिनों की हिरासत में भेज दिया था।

हिरासत अवधि समाप्त होने के बाद विशेष अदालत ने सीबीआई के अनुरोध पर शनिवार 29 जून को उन्हें 12 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

राऊज एवेन्यू स्थित अवकाशकालीन विशेष न्यायाधीश सुनैना शर्मा ने सीबीआई की ओर से केजरीवाल की हिरासत बढ़ाने की मांग नहीं करने और 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजने का आग्रह के बाद यह आदेश पारित किया था।

सीबीआई की ओर से दलील दी गई थी कि केजरीवाल एक प्रभावशाली राजनेता हैं। वह हिरासत में नहीं रहने पर सबूतों से छेड़छाड़ और गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं।

राऊज एवेन्यू स्थित अवकाशकालीन विशेष न्यायाधीश अमिताभ रावत की अदालत ने 26 जून को केजरीवाल को सीबीआई की तीन दिनों की हिरासत भेजने का आदेश दिया था। हिरासत अवधि 29 जून को समाप्त होने पर सीबीआई ने उन्हें फिर अदालत में पेश किया था।

आबकारी नीति से संबंधित धन शोधन के एक मामले में ई.डी. की 21 मार्च को गिरफ्तारी के बाद तिहाड़ जेल में न्यायिक हिरासत में बंद मुख्यमंत्री केजरीवाल को सीबीआई ने 26 जून को गिरफ्तार किया था।

सीबीआई ने अदालत की अनुमति पर केजरीवाल से 25 जून को जेल में पूछताछ की थी। पूछताछ के बाद 26 जून को उन्हें औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया था।

इससे पहले केजरीवाल को ईडी की ओर से दर्ज मामले में विशेष अदालत ने 20 जून को जमानत दी थी। इस आदेश पर ईडी की गुहार पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने 21 जून के अंतरिम रोक और फिर 25 जून को निलंबित करने का आदेश पारित किया था।

मेधा पाटकर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पाटकर नर्मदा बचाओ आंदोलन से जुड़ी रही हैं। इससे पहले अदालत ने 7 जून को हुई सुनवाई में मेधा पाटकर को दोषी करार दिया था और सजा सुनाने के लिए 1 जुलाई की तारीख तय की थी। इससे पहले अदालत ने कहा था कि सक्सेना को 'देशभक्त नहीं, बल्कि कायर कहने वाला और हवाला लेनदेन में उनकी संलिप्तता का आरोप लगाने वाला पाटकर का बयान न केवल अपने आप में मानहानि के समान है, बल्कि इसे नकारात्मक धारणा को उकसाने के लिए गढ़ा गया था।'

राहुल गांधी व भाजपा के बीच नोंक-झोंक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- पर, राहुल ने नोंक-झोंक जारी रखते हुए कहा, लोकसभा में आप सबसे वरिष्ठ हो।
- पर, ओम बिड़ला ने दोहराया, मेरी संस्कृति में सिखाया है कि, व्यक्तिगत जीवन में व सार्वजनिक जीवन में जो बड़े हैं उनके सम्मुख झुकना चाहिए, जो बराबर के हैं उनके साथ बराबरी का व्यवहार करना चाहिये।
- पर, राहुल जोर देते रहे कि, सदन में स्पीकर से बढ़कर कोई नहीं होता, और सभी सदस्यों को उनके सामने झुकना चाहिये। मैं भी आपके सामने झुकता हूं, बल्कि समस्त विपक्ष झुकता है।

चित्र भी दिखाया और कहा कि उनका संदेश निडरता और अहिंसा के बारे में हैं। उन्होंने अपनी बात को सिद्ध करने के लिए अन्य धर्मों की सीखों का भी उल्लेख किया। राहुल ने विभिन्न धर्मों के सार का जिक्र किया और भाजपा पर तंज कसा कि वह संपूर्ण हिंदू समाज का प्रतिनिधित्व नहीं करती, ने आहत कर दिया, जिससे वे हतप्रभ रह गए।

जैसी कि उम्मीद थी, गृह मंत्री अमित शाह ने कहा उन करोड़ों लोगों, जो हिंदू कहलाने में गर्व करते हैं, की भावनाओं को आहत करने के लिए राहुल गांधी को माफी मांगनी चाहिए। शाह ने फिर से आपातकाल ओर 1984 के सिख विरोधी दंगों का मुद्दा उठाया और कहा कि कांग्रेस ने देश में आतंक फैलाया गांधी को अहिंसा की बात करने का कोई हक नहीं है।

गांधी ने निडरता का महत्व बताते हुए कहा, सभी धर्म इस्लाम, ईसाई, बौद्ध, जैन और सिख निर्भय होने की बात करते हैं। विपक्ष के नेता ने लगता है कि तय कर लिया था कि वे सत्तारूढ़ पार्टी को संविधान के मुद्दे पर घेर कर रहेंगे। उन्होंने भाजपा पर संविधान पर और भारत के मूल विचार पर सुनियोजित हमला करने का आरोप लगाया और कहा कि लाखों लोगों ने सत्तारूढ़ पार्टी के द्वारा प्रस्तावित विचारों का विरोध किया है।

गांधी ने कहा, "प्रधानमंत्री मोदी के आदेश पर मुझ पर हमला किया गया। मेरे खिलाफ 20 से ज्यादा केस हैं, मेरा घर ले लिया गया। ई.डी. ने मुझ से 55 घंटे से ज्यादा पूछताछ की।"

इन चुनौतियों के बाद भी संविधान की रक्षा के सामुहिक प्रयासों पर मुझे गर्व है।

उन्होंने कहा "अच्छा लगता है, जब मेरे बाद भाजपा वाले भी जय संविधान कहने लगे।"

गांधी ने विपक्ष में होने को लेकर भी संतोष जताया और कहा "मैं विपक्ष में आकर खुश हूँ और गौरवान्वित हूँ। हमारे लिए सत्ता से भी कुछ अधिक महत्वपूर्ण है तो वह है सच।"

विपक्ष के नेता के रूप में अपने पहले भाषण में राहुल ने भगवान शिव की तस्वीर दिखाई तो स्पीकर ओम बिड़ला ने उन्हें नियमों का हवाला देकर तख्ती दिखाने से रोका। इस पर राहुल गांधी ने स्पीकर ओम बिडला को घेर लिया और पूछा कि वे प्रधानमंत्री के आगे क्यों झुकते हैं। इस पर अचकचाए बिडला ने संस्कृति का बहाना बनाया और कहा कि बड़ों के आगे झुकना हमारी परम्परा है।

लेकिन गांधी ने तुरंत जवाब दिया सदन में सबसे बड़े स्पीकर होते हैं।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव में भाग लेते हुए गांधी ने लोकसभा की पहली बैठक का उल्लेख किया जब स्पीकर का चुनाव हुआ था तब वे प्रधानमंत्री मोदी के साथ स्पीकर के पास गए थे और उन्हें आसन तक ले गए थे।

गांधी ने कहा, आप लोकसभा में सबसे बड़े पद पर हैं यहां आपका ही आदेश चलता है। आप जो कहते है उससे भारतीय लोकतंत्र की व्याख्या होती हैं।

आसन पर दो व्यक्ति है- एक तो लोकसभा के स्पीकर और दूसरे हैं ओम बिडला।

राहुल ने कहा, "मैंने उस दिन कुछ नोटिस किया, जब आपने मुझ से हाथ मिलाया तो आप सीधे खड़े रहे पर आपने प्रधानमंत्री मोदी से हाथ मिलाया तो आप झुक गए।"

इस टिप्पणी पर समूचा सत्ता पक्ष हल्ला करने लगा। गृह मंत्री अमित शाह ने भी हस्तक्षेप किया औरा कहा यह तो आसन पर आरोप है। पर बिडला ने कहा कि वे बड़ों का आदर करने की परम्परा निभाते हैं।

स्पीकर ने अपने जवाब में कहा कि "प्रधानमंत्री सदन के नेता हैं। मेरी संस्कृति और परम्परा कहती है कि निजी तौर पर हो या सार्वजनिक जीवन में या इस आसन पर, मुझे बड़ों के आगे झुकना चाहिए और जो समान हों उनसे समान व्यवहार करना चाहिए। मैंने यही सीखा है। मैं इस आसन पर बैठकर भी कह सकता हूँ कि बड़ों के आगे झुकना हमारी परम्परा है और मैं उनके पैर भी छू सकता हूँ।"

गांधी ने कहा कि स्पीकर ने जो कहा उसका वे सम्मान करते हैं पर सदन में स्पीकर से बड़ा कोई नहीं है। सदन में सबको आपके आगे झुकना चाहिए। मैं आपके आगे झुकूंगा और सारा विपक्ष भी, गांधी ने कहा, लोकसभा सदस्य होने के नाते हम सभी आपके अधीन हैं, आप जो कहेंगे हम सुनेंगे पर मेरा एक ही निवेदन है कि सदन में निष्पक्षता होना महत्वपूर्ण है।"

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908